RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 November, 2024

अंक - 05 (मासिक) वर्ष - 20 नवम्बर, 2024 मूल्य 20/-

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

दीपावली विशेषांक

महालक्ष्मी नमस्तुभ्यम्

झरे ज्योति के निर्झर

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-05 नवम्बर, 2024 वर्ष-20

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
पुरूषोत्तम मालू, नागपुर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

हजारों हजार दीये जलाएँ
अपनी व अपने परिवार की
समृद्धि के लिए
एक दीया जरूर जलाएँ
इस महान देश एवं समाज की एकता,
अखण्डता और संस्कृति के लिए.

दीपपर्व पर
हार्दिक मंगलकामनाएं
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

विचार क्रान्ति

मन पर नियंत्रण ही सर्वश्रेष्ठ धर्म

संसार में धर्म की साधना और ईश्वर की प्राप्ति के अनेक मार्ग हैं किंतु सर्वश्रेष्ठ मार्ग क्या है? महाभारत के शांतिपर्व की कथा में यही प्रश्न शुकदेवजी ने अपने पिता महर्षि वेदव्यास से किया था।

शांतिपर्व के मोक्षधर्म नामक उपपर्व के 250 वें अध्याय की कथा इसी प्रश्न से प्रारंभ हुई है। उत्तर में महर्षि ने जो कहा, यदि हम सब अपने जीवन में उतना भर साध सकें तो न किसी देवालय जाने की आवश्यकता पड़े और न ही पूजा-पाठ की। विश्वास कीजिए, परमात्मा के रूप में अपेक्षित आत्मशांति तत्क्षण सुलभ होगी और जीवन के सारे दुःख एक पल में समाप्त हो जाएंगे।

कथा के अनुसार महर्षि ने कहा, 'बेटा! जैसे एक पिता अपने छोटे पुत्रों को नियंत्रण में रखता है उसी प्रकार मनुष्य को चाहिए कि विषयों की ओर टूट पड़ने वाली अपनी इंद्रियों को बुद्धि के बल से वश में रखे। 'मनसश्चेन्द्रियाणां चाप्यैकाग्रयं परमं तपः। तज्जयायः सर्वधर्मेभ्यः धर्मः पर उच्यते।।' अर्थात् मन और इंद्रियों की एकाग्रता ही सबसे बड़ी तपस्या है। यही सब धर्मों में श्रेष्ठतम परम धर्म बताया गया है।

मन सहित सभी इंद्रियों को बुद्धि से स्थिर कर जो विषयों की ओर से ध्यान हटाता है वही व्यक्ति आत्मा को तृप्त अनुभव करता है। ऐसा करके वह निश्चिंत और निश्छल हो जाता है। इसलिए महर्षि ने कहा है 'गोचरेभ्यो निवृत्तानि यदा स्थास्यन्ति वेश्मनि। तदा त्वमात्मनाएएत्मनं परं द्रक्ष्यसि शाश्वतम्।।' अर्थात् जिस समय ये इन्द्रियाँ विषयों से विमुख होकर अपने मूलस्थान में स्थिर होती है, ठीक उसी समय तुम स्वयं सनातन परमात्मा का दर्शन कर लेते हो।

साधो! सार यह कि जीवन के हर सन्ताप की जड़ बेकाबू मन है। यदि हम बुद्धि से प्रयत्नपूर्वक मन को काबू कर लें तो न केवल सन्तापों से मुक्ति मिलेगी बल्कि परमपिता परमात्मा भी उपलब्ध हो जाएगा। परमात्मा का अर्थ मन की शांति है। जिसका मन शांत है, वह सहज ही परमात्मा को उपलब्ध है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

अंधकार से प्रकाश की ओर चलें...

सर्वप्रथम तो मैं सभी सम्मानीय पाठकों व मार्गदर्शकों को माता महालक्ष्मी की आराधना के महापर्व दीपावली की शुभकामनाऐं देता हूँ, साथ ही सभी के चहुँमुखी विकास एवं समाज में परस्पर सौहार्द्र तथा एकता की कामना करता हूँ।

दीपावली पर्व वास्तव में उपनिषद वाक्य ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' का ही साकार रूप है। इस सूक्त में अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने की कामना की गई है। दीपावली पर्व के अंतर्गत इस अवसर पर दीप प्रज्जवलित कर माता महालक्ष्मी से अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने की कामना ही की जाती है। हमारे पतन का कारण ही अज्ञानता, नैराश्य आदि मानव सुलभ दुर्बलताऐं हैं, जो अंधकार रूप में हमारे मन-मस्तिष्क पर व्याप्त हैं। हम महालक्ष्मी की पूजा में वास्तव में इसी अंधकार का आशा व ज्ञान के द्वारा शमन करने की कामना करते हैं। जब हमारे मन मस्तिष्क में ज्ञान व उत्साह का प्रकाश हो तो फिर शेष सभी सुख तथा सफलताऐं तो स्वतः ही सुलभ हो जाती हैं। अतः अपने अंदर व्याप्त नकारात्मक विचारों का त्याग कर उन्हें उसी तरह अपने मन से निकाल फैंकें जिस तरह आपने दीपावली पर्व पर पुराने वस्त्रों व पुरानी निरूपयोगी वस्तुओं को निकाल फैंका था। फिर देखिये सकारात्मकता का पथ आपके स्वागत के लिये आपको तैयार नजर आऐगा।

दीपावली की इस पावन बेला में समाज के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेकर अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है। वर्तमान में समय पर विवाह न होना भी एक समस्या है, जिसे युवा संगठन दूर करने का प्रयास प्रोत्साहन के द्वारा कर रहा है। गत दिनों संगठन द्वारा एक बिजनेस सम्मिट का आयोजन किया गया, जिसके द्वारा न सिर्फ समाज के युवाओं को विश्वभर में स्थापित समाज के उद्यमियों व व्यवसायियों से जोड़ने का प्रयास हुआ अपितु उनसे मार्गदर्शन भी प्रदान करवाया। संगठन ने समाज के उद्यमियों से समाज के युवाओं को रोजगार प्रदान करने का आह्वान भी किया गया। इतना ही नहीं युवा संगठन द्वारा इस दीपावली पर्व पर समाज के जरूरतमंद परिवारों की मदद करने का भी समर्थ समाजजनों से अनुरोध किया गया। वास्तव में युवा संगठन द्वारा किये जा रहे ये प्रयास न सिर्फ प्रशंसनीय हैं, अपितु अनुकरणीय भी हैं। यदि ये सफलतापूर्वक क्रियान्वित हो जाऐं तो न सिर्फ समाज के चहुँमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे बल्कि ये युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में बनाये रखने में भी योगदान देंगे।

आप सभी ने निश्चय ही पूरे उल्लास के साथ दीपावली पर्व मनाया होगा। इस पर्व पर आपने अपने घर को रोशन तो किया ही लेकिन अन्य जरूरतमंदों की मदद नहीं कर पाऐ हों, तो अब भी देर नहीं हुई है। ऐसा करके आप महसूस करेंगे कि आपने सच्चे अर्थों में दीपावली आज मनाई है।

आपके हाथों में श्री माहेश्वरी टाईम्स का यह अंक दीपावली विशेषांक के रूप में कई शुभकामनाऐं तो लाया ही है, साथ ही इसमें समाहित हैं, ऐसे कई आलेख जो इसे संग्रहणीय बनाऐंगे। यह अंक कैसा लगा यह बताना न भूलें। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतजार रहेगा।

पुनः दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाऐं!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

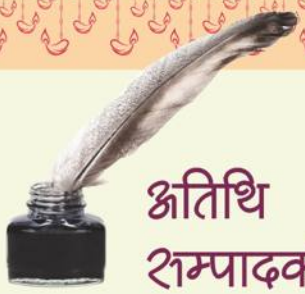

अतिथि सम्पादकीय

ग्राम जाखेड़ा जिला नागौर राजस्थान में 14 जुलाई 1957 को स्व. श्री रामलाल मालू के यहाँ जन्मे पुरूषोत्तम मालू वर्तमान में नागपुर को अपनी कर्मभूमि बनाकर अपनी सेवा दे रहे हैं। कोयला, पेपर, पावर, वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स, जी.आय.वायर, मैग्नीज आदि के वृहद व्यवसाय के कारण आपकी छवि जितनी एक सफल व्यवसायी के रूप में है, उनकी सेवा भावना के कारण समाज सेवा के क्षेत्र में उससे भी अधिक ख्याति एक समर्पित समाजसेवी के रूप में भी है। समाज संगठन के अंतर्गत आप अध्यक्ष - नागपुर नगर माहेश्वरी सभा तथा श्री बडी मारवाड माहेश्वरी पंचायत नागपुर के रूप में सेवा दे चुके हैं। वर्तमान में श्री बड़ी मारवाड़ी माहेश्वरी पंचायत नागपुर, नागपुर नगर माहेश्वरी सभा तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा को सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। अन्य समाजसेवी गतिविधि के अंतर्गत ट्रस्टी के रूप में सेठ रामलाल मालू चेरीटेबल ट्रस्ट नागपुर, सेठ रामलाल मालू गौशाला ट्रस्ट नागपुर, नागपुर नगर माहेश्वरी सेवा संघ नागपुर, श्री शिव-हनुमान मंदिर चेरीटेबल ट्रस्ट नागपुर, श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट (द्वारका) गुजरात, श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट (पुरी) ओरिसा, श्री कांची प्रतिवादी भयंकर मठ तिरुपति तथा श्री सालासर हनुमान बाबा सेवा ट्रस्ट नागपुर से सम्बद्ध होकर अपनी सेवा दे रहे हैं। इनके सथ ही सदस्य के रूप में सेन्ट्रल इंडिया कोल डिलर एसोसिएशन नागपुर, श्री श्री रविशंकरजी (व्यक्ति विकास केंद्र) DDC Member नागपुर, रामरतन सारडा मेडिकल हेल्प सोसायटी नागपुर, श्री श्याम मित्र मंडल नागपुर तथा श्री नागपुर गौरक्षण संघ नागपुर को अपनी सेवा दे रहे हैं। संस्थापक सदस्य के रूप में अपने पैतृक ग्राम जाखेड़ा (राजस्थान) में श्री राममंदिर, श्रीमती गोदावरीबाई मालू प्राथमिक हॉस्पीटल, श्रीमती बक्तीबाई गणपतीबाई कन्या पाठशाला के साथ ही श्री मालू सेवा सदन, सालासर राजस्थान को भी सेवा दे रहे हैं। धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला मालू, पुत्र राधेश्याम, पुत्रवधु श्रुति मालू के साथ ही पौत्र-पौत्री से भरापूरा उनका परिवार भी उन्हीं के पद्चिन्हों पर अग्रसर है।

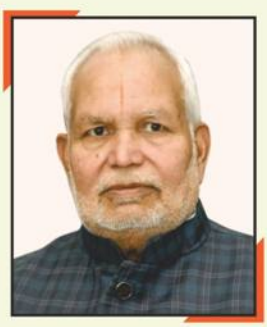

एक रहेंगे तो नेक रहेंगे

सभी स्वजन माता महालक्ष्मी का उपासना पर्व पूरे उत्साह के साथ मना चुके हैं और अब दीपावली मिलन समारोह का दौर चल रहा है। इस महापर्व की सभी पाठकों व पूरे समाज को बहुत-बहुत बधाई एवं सभी का जीवन खुशियों से आनंदित हो इसकी बहुत-बहुत शुभकामनाऐं।

वास्तव में पर्व क्या है? हमारी संस्कृति में ये उल्लास का अवसर तो है ही, साथ ही जीवन में नव उत्साह व नवीनता का अवसर भी है। इसके साथ इनका सबसे बड़ा महत्व है, परस्पर सम्पर्क अर्थात् गेट टू गेदर। पर्व वे अवसर होते हैं, जब हम एक दूसरे को शुभकामना देने या बड़ों के आशीर्वाद लेने के लिये परस्पर मिलते हैं। अपने व्यस्त समय में से अपनों के लिये निकाला गया यह समय रिश्तों में नया जीवन फूंक देता है। दुर्भायवश वर्तमान में लोग आधुनिकता के चलते सोश्यल मीडिया से संदेश प्रेषित कर अपने कर्त्तव्य को पूर्ण समझने लगे हैं। वास्तव में सोश्यल मीडिया की शुभकामनाऐं कभी भी प्रत्यक्ष भेंट व स्नेह चर्चा का स्थान नहीं ले सकतीं। यदि संबंधित व्यक्ति बहुत दूर है और वहाँ तक जाना सम्भव नहीं तब तो यह सोश्यल मीडिया का उपयोग बहुत अच्छा है। अन्यथा ऐसी सोश्यल मीडिया की शुभकामनाऐं रिश्तों में वह मिठास उत्पन्न नहीं कर सकती जो प्रत्यक्ष भेंट में होती है।

इस श्रृंखला में दीपावली मिलन की तरह विभिन्न पर्वों पर आयोजित मिलन समारोहों का अपना महत्व है। ये न सिर्फ समाजजनों को परस्पर एक-दूसरे से परिचित करवाते हैं, अपितु रिश्तों में प्रगाढ़ता भी उत्पन्न करते हैं। समाज की एकता ऐसे ही कार्यक्रमों से मजबूत होती है। ''एक रहेंगे तो नेक रहेंगे'' वाली पंक्ति वर्तमान दौर में एकता की आवश्यकता पर गहन गूढ़ार्थ समेटे है। सम्मानजनक जीवन जीने के लिये हमारी सामाजिक एकता जरूरी है, अन्यथा बिखरे कि फिर भविष्य में हम अपना ही अस्तित्व तलाशते रह जाऐंगे। याद रखें समाज में तो ठीक परिवार तक में मतभेद तो बन ही जाते हैं, लेकिन इन्हें किसी भी स्थिति में मनभेद न बनने दें। हर हाल में हमें एक रहना है, यह सोच दृढ़तापूर्वक बनाये रखें।

वर्तमान में समाज संगठन के विकास के लिये कई योजनाऐं चला रहे हैं, जिनमें से ही एक है, ''आईएएस 100''। इसमें समाज के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं की ओर प्रेरित किया जाता है। इतना ही नहीं इसके लिये उन्हें इस परीक्षा की तैयारी हेतु विशेषज्ञों का पूर्ण मार्गदर्शन तथा साथ ही आवश्यक होने पर आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाई जाती है। वास्तव में ऐसे प्रयास अभिनंदनीय हैं। निःसंदेह इससे हमारा वर्चस्व प्रशासनिक सेवाओं में भी बढ़ेगा। लक्ष्मी पुत्रों का यह समाज अपनी सम्पन्नता को भी अपने तक सीमित नहीं रखता। इसी का प्रमाण हमारे समाज भवन हैं, जो कई तीर्थ स्थलों, शिक्षा स्थलों आदि में सेवा दे रहे हैं। आगामी भविष्य में भी अयोध्या सहित कई स्थानों पर समाज भवन मूर्तरूप लेकर समाज की गौरव पताका फहराने वाले हैं। इन भवनों के निर्माण में तन-मन-धन से योगदान देने वाले समस्त समाजजन अभिनंदनीय हैं।

मैं सभी से समाज की एकता व समाज के संस्कारों को अक्षुण्य रखने की अपील करते हुए सभी को पुनः दीपावली पर्व की शुभकामनाऐं देता हूँ।

पुरूषोत्तम मालू, नागपुर
अतिथि सम्पादक

श्री जीवण माताजी

श्री जीवण माता माहेश्वरी समाज के चोखड़ा खाँप की कुल देवी हैं।

जोधपुर के निकट मण्डोरा कस्बे की जूनी बस्ती में श्री जीवण माताजी का मन्दिर राजस्थान में सम्यक भवन मार्ग पर श्री जैन श्वेताम्बर खतर गच्छ आदेश्वर जिनालय व शाही मस्जिद के पास स्थित है। वैसे तो मन्दिर का स्थापत्यकाल जोधपुर रियासत की एक समय राजधानी रही मण्डोर में किले के निर्माण काल से ही जोड़कर माना जाता है किन्तु पूर्ण खण्डहर हो चुके मन्दिर का विधिवत जीर्णोद्धार 24 वर्ष पूर्व सन् 2000 में योजना बनी। तत्पश्चात् मंदिर का जिर्णोद्धार प्रारंभ हुआ आज भी निर्माण कार्य चल रहा है।

पूजा व आरती- मन्दिर का समस्त कार्य संचालन कायस्थ समाज की बनी समिति की सम्मति से 90 वर्षीय गीता बाई चौधरी अपनी दोहित्री व सुपौत्री पूनम चौधरी के सहयोग से सम्पन्न करती है। गंगा बाई दोनों समय प्रातः संध्या आरती व पूजन पूर्ण लगन से करती है। इससे पूर्व पूनम चंदजी माथुर यह सेवा कार्य करते थे।

उत्सव आयोजन- अक्षय तृतीया के पश्चात की पंचमी को स्थापना दिवस पर विशाल पाटोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है, विशाल भण्डारा भी होता है। इसी प्रकार होली के बाद की पंचमी को फागोत्सव भी अच्छे स्तर पर मनाया जाता है। दोनों (शारदीय व चैत्री) नवरात्र को सत्संग, भजन, किर्तन व भोग आदि नौ दिनों तक होता है, माँ को सभी मिष्ठान का भोग लगाया जा सकता है। पूर्ण विश्वास से की गई मनौतियां सदैव फलीभूत हुई है। प्रारंभिक उत्सव पर अत्यन्त छोटे पैमाने पर 50 भक्तों के लिये तैयार की गई प्रसादी को 150 से अधिक भक्तों ने ग्रहण कर लाभ लिया एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अनचाहा स्थानान्तर बच्चों की शिक्षा व पारिवारिक प्रतिकूलताओं के कारण नियुक्त स्थल पर जाने से पूर्व माँ से विनती कर मनौती की व केवल 15 मिनिट के अन्तराल से ही स्थानान्तर स्थगित हो जाने के समाचार का चमत्कार हुवा। चिकित्सकों ने अपनी रिपोर्ट में सन्तान सुख भाग्य में नहीं होना लिखा किन्तु माँ की कृपा व मनौती से एक वर्ष में ही सन्तान को गोदी में खिलाया। ऐसे कई चमत्कारों की क्रमबद्ध श्रंखला सी है। बेंगलुर के एक माहेश्वरी परिवार प्रतिवर्ष मनौती सिद्ध होने से नियम पूर्वक आते हैं।

कैसे पहुंचे - जोधपुर प्रत्येक प्रमुख शहर से रेल, बस व हवाई सेवा से जुड़ा हुवा है। जोधपुर उत्तर पश्चिम रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन भी है। रेलवे स्टेशन के ठीक सामने वाले मार्ग पर स्थित राज रणछोड़ राय मन्दिर के यहाँ से नगर सेवा की बस प्रति 5 मिनटों के अन्तराल से उपलब्ध होती है। 10 कि.मी. की दूरी 15 मिनीटों में तय कर मण्डोर के बस स्टेण्ड पर उतर कर वहाँ से केवल 5 मिनीट की पैदल दूरी पर माँ का मन्दिर है।

कहाँ ठहरे - मंदिर परिसर में दो हॉल व सुलभ सुविधाएं हैं। सम्पन्न स्तर की सुविधाए 10 कि.मी. दूर जोधपुर में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। स्टेशन के सामने सेठ रघुनाथ धर्मशाला सफाई व अन्य कारणों से श्रेष्ठ मानी जाती है। **सम्पर्क-** मन्दिर परिसर - 0291-2529014

|| जय महेश ||
गंगाराम चाँदमल तोतला
'श्री नरसिंग निवास' 3-5-45, जागृति कॉलेज के सामने, रामकोट, हैदराबाद – 500 095
फोन : +91 9849022503, 9849017801
5th anniversary
55 Years of
Dedicated Service
"A Tradition which has grown richer with time"
Estd. for more than 5 Decades now
50+ Stores
50+ Brands
Irresistible Collection
Prompt After Sale Services
Get a Coupon on every purchase above Rs. 5000
*Terms And Conditions
KWC
Estd. 1969
Kamal Watch Co.
Sales & Service
FLAGSHIP STORE ▸ JUBILEE HILLS
HYDERABAD | SECUNDERABAD | VISHAKAPATNAM | VIJAYAWADA | GUNTUR
KURNOOL | KAKINADA | RAJAHMUNDRY | BHUBANESWAR | NAGPUR | INDORE
CONTACT NO.: 9169167676
Corporate Office : 8-2-293/82/a/1103, 2nd Floor, Road No. 36, Near Peddamma Temple Circle, Jubilee Hills, Hyderabad, 500033
BAJAJ FINSERV EMI facility also available
Follow us on
Shop Online www.kamalwatch.com

।। मंगलकामनाऐं ।।

नियमबद्धता सभी के जीवन का अंग हो

मिट्टी के दीये ही नहीं अब तो छोटे-बड़े बल्बों की झालरें और कई नए स्त्रोत भी चमकदार प्रकाश फैलाकर ज्योति पर्व को सार्थक कर रहे हैं। मित्रों, नियमों अर्थात् पंक्तिबद्ध या क्रमबद्ध जमे हुए ये ज्योतिपुष्प एक अद्भूत आनंद की सृष्टि तो कर ही रहे हैं। ज्योति पर्व पर यह संदेश भी दे रहे हैं कि हर काम नियम से सही समय पर हो ताकि घर-परिवार, दुकान-व्यवसाय और कार्यालयों आदि महत्वपूर्ण स्थलों पर लम्बित कार्यों का जमावड़ा नहीं हो सके।

आप सब को दीपावली पर्व पर आत्मीय बधाई और सादर शुभकामनाएँ...

पद्म श्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

गाँवों को भी मुख्य धारा में लायें

सर्वप्रथम मैं अपनी ओर से समस्त समाजजनों को इस प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, साथ ही सभी से इसे वास्तव में प्रकाश पर्व बनाने की अपील भी करता हूँ। यह पर्व प्रकाश अर्थात खुशियों का पर्व है, तो इसकी सार्थकता भी तभी है, जब हम हर अपने के यहाँ खुशियों का प्रकाश पहुंचा सकें। वैसे तो हमारा समाज लक्ष्मी पुत्रों का समाज है, लेकिन ऐसे समाजजनों की संख्या भी कम नहीं है, जो आर्थिक रूप से संभलने की कोशिश कर रहे हैं। अतः यदि हम समर्थ हैं, तो उन्हे संबल दे कर उनके जीवन में खुशियों का प्रकाश फैला सकें तभी इस पर्व की सच्ची सार्थकता होगी। इसके लिए हमें देश के कस्बों व गांवों में रह रहे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ना होगा।

'एक बार पुनः आप सभी को दीपावली की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं'

रामकुमार भूतड़ा
अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

सबके विकास की सोच विकसित करें

प्रकाश पर्व पर सभी को ढेर सारी बधाईयाँ और शुभकामनाएँ...

दीपावली के अवसर पर सभी घरों में स्वच्छता के साथ-साथ प्रकाश फैलाने का जो पुनित कार्य जिस निष्ठा और सहजता के साथ कर्त्तव्य समझकर किया जाता है, ठीक वैसी ही निष्ठा से हमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सर्वांङ्गिण विकास की सोच विकसित करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ होना पड़ेगा। तभी हमारा समाज, गांव, जिला, प्रदेश और देश विकसित हो सकेगा।

पुनः बधाई और मंगलकामनाएँ...

आनंद राठी
चेयरमेन, आनंद राठी ग्रुप, मुंबई

दीपावली के मूल में स्वच्छता का संदेश

दीपावली के अवसर पर आप सब का हार्दिक अभिनन्दन और बधाई प्रेषित करता हूँ।

दीपावली वस्तुतः स्वच्छता का त्योहार है। यह दीपावली ही है जब सभी घरों में हर कोने को झाड़-पोंछ कर साफ किया जाता है, रंगरोगन किया जाता है, रंगोलियाँ बनाई जाती हैं और साफ-सुथरे वस्त्र पहनकर माता लक्ष्मी की आराधना की जाती है।

आइये, दीपावली के संदेश को समझें और स्वच्छता से नाता जोड़ते हुए हमारे आसपास के वातावरण को प्रदूषण से मुक्त कर दीपावली को सार्थक करें।

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

।। मंगलकामनाऐं ।।

दीप पर्व हमारी अस्मिता का प्रतीक

दीप पर्व के इस पावन अवसर पर समाज के स्वजनों को शुभ कामनाऐं प्रेषित करते हुए यही कहना चाहूँगा कि दीपपर्व हमारी अस्मिता और भारतीयता का प्रतीक पर्व है। यह पर्व खुशियाँ बांटने का पर्व है। जिस प्रकार दीपक उजाला फैलाते समय गरीब और अमीर का भेद नहीं करता ठीक उसी तरह खुशियों पर भी सबका अधिकार है।

आईये, इस दीपपर्व पर खुशियों का प्रकाश फैलाएँ और हर उस व्यक्ति तक स्नेह की रोशनी ले जाएँ जिसे इसकी प्रतीक्षा है।

त्रिभुवन काबरा
पूर्व उपसभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

पटाखे चलाकर ही खुशियाँ व्यक्त नहीं करें

भगवान श्रीराम के वनगमन से लौटने और समृद्धि की देवी लक्ष्मी जी की आराधना के प्रतीक पर्व दीपावली पर सभी समाजबंधुओं और देशवासियों को ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएँ...

भाईयों, विगत कुछ वर्षों से यह अनुभव में आ रहा है कि सम्पन्न लोग सैकड़ों-हजारों रुपये मूल्य के पटाखे चलाकर दीपपर्व पर अपनी खुशियाँ व्यक्त करते हैं जबकि वे भी जानते हैं कि पटाखों से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, साथ ही आगजनी और अनेक प्रकार की बीमारियाँ भी पैदा हो रही हैं। मेरा विनम्र निवेदन है कि पटाखे चलाने की कुप्रथा हमेशा के लिए बंद करें तथा पटाखों पर व्यय होने वाली राशि समाज कल्याण के लिए अर्पित करने की कृपा करें। पुनः मंगलकामनाएँ...

रामअवतार जाजू
पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी बोर्ड अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सही उम्र में हों युवाओं के विवाह

समाज में घटती जनसंख्या, बढ़ते पारिवारिक विघटन, बढते तलाक, सगाई पश्चात संबंधों का छुटना, वैवाहिक संबंधों में खटास इत्यादि अनेक समस्याओं का एक मात्र निराकरण समय पर विवाह है। आईये इस हेतु हम सभी समाज बंधु दीपावली के पावन पर्व पर संकल्प लें और प्रयास करें। समाज की युवतियों का 21 वर्ष की आयु के अन्दर और युवकों का 23 वर्ष की आयु के अन्दर विवाह हो ऐसी मानसिकता हमे बनानी होगी। ऐसे दंपत्तियों को युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा 'प्रेरणा स्तम्भ' से अलंकृत कर सम्मानित किये जाने का प्रशंसनीय कार्य किया जा रहा है।

विजन-2030 तक समाज समृद्धशाली बने, समाज में सदैव प्रेम, सद्भावना, सदाचार, समर्पण भाव बना रहे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ.... धन्यवाद!

राजकुमार काल्या
अर्थमंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

अंधविश्वास और कुप्रथाओं का त्याग ही प्रगतिशीलता

दीपोत्सव का प्रकाश देश-दुनिया में व्याप्त अंधविश्वास और कुप्रथाओं के अंधेरों को नष्ट करें इन्हीं मंगलकानाओं के साथ आप सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ...

भाईयों और बहनों, आज का समय प्रगतिशील है इसमें अंधविश्वासों और कुप्रथाओं के लिए स्थान नियत नहीं है क्योंकि इनकी कोई वैज्ञानिकता नहीं है और न ही कोई उपादेयता। ढोंगी बाबाओं, तांत्रिकों आदि से बचना और समाज में व्याप्त बाल विवाह, मृत्यु भोज जैसी कुप्रथाओं का बहिष्कार ही सच्ची प्रगतिशीलता है। समय के साथ चलिए-लक्ष्य को हासिल कीजिए। सदैव शुभकामनाएँ...

अशोक सोमानी
पूर्व उपसभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

।। मंगलकामनाऐं ।।

संततियों को संस्कारों के पाठ पढ़ाएं

ज्योति पर्व पर आप सबका ज्योतिर्मय अभिनंदन और अशेष मंगलकामनाएँ स्वीकार करें।

भाईयों, हमारे पर्व-त्योहार हमें हमारे सुसंस्कारों को याद दिलाने और उन्हें व्यवहार में लाने के लिये प्रेरित करने आते हैं। हमें चाहिये कि हम घरों में अपने पुत्र-पुत्रियों और पौत्र-पौत्रियों आदि को न केवल नैतिक और नैष्ठिक बने रहने की शिक्षा दें बल्कि आदर्श भारतीय संस्कारों का मर्म भी बताएँ और उन्हें तदनुसार पालन कराना सुनिश्चित भी करें तभी हमारे त्योहारों की सार्थकता सिद्ध होगी।

श्यामसुंदर राठी
कार्य समिति सदस्य अ.भा. माहेश्वरी महासभा

आशा से आकाश थमा है

सबसे पहले सभी को दीपोत्सव 2024 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ...

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने कहा था-''आशा से आकाश थमा है...।'' कितना सही कहा था। यह आशा ही है जो प्रतिवर्ष दीपोत्सव को हमारे समक्ष ला खड़ा कर देती है और कहती है कि जितनी खुशियाँ, जितनी रोशनी, जितनी समृद्धि समेटना हो इस उत्सव में समेट लो और उसे जरूरतमंदों में बांटकर अपनी आत्मसंतुष्टि का कोष भर लो। पुनः बधाईयाँ...!

कमलकिशोर चांडक
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

शक्ति पर्व के बाद प्रसन्नता का पर्व

दीपावली जो कि प्रसन्नता का ही पर्व है, आप सबके लिए मंगलमय हो, बधाई स्वीकार करें।

बंधुओं, अभी देवी उपासना का शक्ति पर्व बीता ही है और उसके ठीक बाद महालक्ष्मीजी की आराधना का यह पर्व सर्वत्र प्रसन्नता बिखेरने उपस्थित हुआ है। यह विदित ही है कि प्रसन्नता तभी बिखरती है जब चारों ओर असमानता नहीं हो, अकर्मण्यता नहीं हो, अराजकता नहीं हो।

समाज में सभी ओर प्रसन्नता बांटने में हम सहभागी हो सकें तथा समाज के उस हिस्से को भी छुएँ जहाँ अभी तक किसी कारण से खुशियाँ पहुँच नहीं सकी हैं।

बाबूलाल जाजू
ख्यात पर्यावरणविद, भीलवाड़ा

समाज में बनी रहे सद्भावना

दीपावली के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

मैं कामना करता हूँ कि समाज में सदैव प्रेम, सहनशीलता, सदभावना, सदाचार समर्पण बना रहे। समाज हर क्षेत्र में सफलता की ऊंचाइयों को छुए। समाज बंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो, समाज बंधु सदैव प्रसन्नचित्त रहें। मैं भगवान से यही कामना करता हूँ कि हमारे समाज व राष्ट्र सर्वांगीण विकास करता हुआ आगे बढ़े। समाजजन स्वस्थ और सुरक्षित रहे, सभी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हों।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

रामकुमार टावरी
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा माहेश्वरी महासभा

युवा संगठन समाज के विकास में देगा अहम योगदान

मुम्बई बैठक में बनी युवाओं के समग्र विकास की रूपरेखा

मुम्बई। राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष शरद सोनी द्वारा अतिथियों के तिलक एवं शाब्दिक अभिनंदन के साथ प्रारंभ हुई राष्ट्रीय युवा संगठन की मुंबई कार्यकारीमंडल बैठक एवं बिज़नेस कॉन्क्लेव में कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। सभी प्रदेश युवा संगठन एवं जिला युवा संगठन को राष्ट्रीय युवा संगठन की मंचीय अनुशंसा की पालना हेतु दिशा निर्देश भी जारी किये गये। महामंत्री प्रदीप लड्ढा ने बताया कि इसके अंतर्गत प्रेरणा स्तम्भ सम्मान में 1 सितम्बर 2024 से समाज के ऐसे दंपत्ति जिनके विवाह के समय युवतियों की 21 वर्ष एवं युवकों की 23 वर्ष की आयु हो उन्हें संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' से 51000/- राशि की एफ.डी. प्रदान की जाएगी। राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों को अपने/प्रदेश द्वारा सम्पादित सामाजिक कार्यो की रिपोर्ट हर 6 महीने में कार्यसमिति बैठक में रखना अनिवार्य होगा। ABMM INNOVATE - में आगामी मार्च 2025 तक 11000 युवाओ को प्रकल्प से जोड़ने का लक्ष्य किया निर्धारित किया गया। अभी 5500 युवाओ ने इसमें अपनी सहभागिता दर्ज की है। ABMYS AROGYA - में जलगाँव, महाराष्ट्र के गोल्डसिटी हॉस्पिटल के सहयोग से समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के ऑपरेशन की सेवा अब कम दर पर उपलब्ध है। इस पहल का लाभ उठाने के लिए केवल मरीज और उनके रिश्तेदारों को जलगाँव पहुँचना होगा। संगठन द्वारा मरीज के साथ उनके परिवारजनों के रुकने और भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी।

कॅरियर में भी सहयोग

आगामी 2025 में विदेश में अंतराष्ट्रीय बिज़नेस कॉन्क्लेव के माध्यम से युवाओं को अपने व्यापार का विदेशो में विस्तार करने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिन युवाओं ने विदेशो में अपने व्यापार को स्थापित किया है उनका सम्मान किया जाएगा। Online Education के माध्यम से, बच्चों को कॅरियर प्रवेश परीक्षाओं में बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी कर रहे हैं। इस सहयोग से छात्रों को उत्कृष्ट संसाधन और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ सफलता प्राप्त कर सकें। हर प्रदेश युवा संगठन अपनी बैठक इंडस्ट्रियल टूर के साथ लेंगे तो समाज के युवाओ का व्यापार हेतु रुझान बढ़ेगा एवं नये व्यापार को सिखने के लिए उत्सुकता रहेगी। प्रयास है कि दीपावली के शुभ त्यौहार पर, समाज के जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए युवा हर संभव प्रयास करे। महासभा के ट्रस्ट की जानकारी परिवारों के साथ साझा के एवं उनकी आवश्यकताओं को समझे और अपनी प्रदेश सभा को इस संबंध में जानकारी दें। प्रदेश युवा संगठन/जिला युवा संगठन अपनी हर बैठकों में समय निर्धारित कर वक्ता को आमंत्रित कर सभी युवा साथियों को बैठक में समाज के ट्रस्ट, रीति, नीति एवं शिष्टाचार से अवगत करवाया जाऐगा।

युवा शिक्षा रत्न सम्मान

माहेश्वरी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनको युवा शिक्षा रत्न सम्मान से प्रोत्साहित किया जायेगा, जिससे वे उच्च शिक्षा हेतु उत्प्रेरित हों। साथ ही जानकारी एकत्रित कर जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को युवा संगठन एवं समाज के विभिन्न ट्रस्टो के माध्यम से उनकी आवश्यकता अनुरूप संसाधन यथा समय उपलब्ध करावाऐंगे जिससे किसी भी प्रकार के अभाव में समाज की प्रतिभायें गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रहें। इसके लिये भारतवर्ष में वर्ष 2024 में सम्पन्न कक्षा 10वी एवं 12वी की बोर्ड (स्टेट बोर्ड, CBSE और ISCE मिलाकर) परीक्षाओं मे 85% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के विद्यार्थियों को दिए गए लिंक https://shorturl.at/3Sh0k पर उपलब्ध फार्म में आवश्यक जानकारी भरने के साथ अपनी मार्कशीट अपलोड करनी होगी। प्राप्ताकों के प्रतिशत में विभिन्न बोड्र्स द्वारा मान्यता प्राप्त भाषा (languages) के अतिरिक्त बेस्ट 4 विषयों के प्राप्तांको का केल्क्युलेशन मान्य होगा। प्राप्त ऑनलाइन आवेदनो में से भारतवर्ष के दसवीं एवं बारहवीं के टॉप 10 विद्यार्थियों का चयन किया जावेगा। चयनित टॉप विद्यार्थियों की घोषणा से पूर्व प्रादेशिक संगठनों के माध्यम से राष्ट्रीय संगठन द्वारा उनकी अंक सूची की जांच करवाई जावेगी।

गणेश विसर्जन शोभायात्रा का आयोजन

निज़ामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गणेश विसर्जन शोभायात्रा राजस्थानी समाज के लिए पुलाव वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संयोजक कौशल राठी, यश बजाज, कृष्णा जाजू, गौरव झंवर, पवन मालू, अनूप मालू, दीपक कालानी और विष्णु जाजू का योगदान रहा। इस कार्यक्रम में निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष गोविंद झंवर, उपाध्यक्ष गोविंदा मालू, मंत्री राज गोपाल बंग, कोषाध्यक्ष गोपाल मूंदड़ा, युवा साथी सहित समाज के वरिष्ठ बंधु भी उपस्थिति थे।

सामूहिक श्राद्ध का आयोजन

नागदा। श्राद्ध पक्ष के अंतर्गत माहेश्वरी महिला मंडल नागदा द्वारा ग्राम पालकी में कमला कृषि फार्म हाउस पर पालकी एवं मकला के 82 बच्चों को खीर पुरी भोजन करवाया गया। सभी बच्चों को चप्पल भी वितरित की गई। उक्त जानकारी सतीश कुमार बजाज ने दी।

माहेश्वरी प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

बीकानेर। माहेश्वरी सभा नोखा के आतिथ्य में बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा की कार्यकारिणी बैठक एवं नोखा तहसील स्तरीय शैक्षणिक पुरस्कार वितरण समारोह 'माहेश्वरी गौरव-2024' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या ने की। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भँवरलाल बाहेती ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झँवर, श्रीनिवास झँवर, नारायण झँवर, मनोज चितलांगिया, ललित झँवर, बाबूलाल मोहता, महेश दम्माणी, ओमप्रकाश गट्टाणी, ओमप्रकाश करनानी, कमल चाण्डक, जुगल राठी, कमल राठी, बाबूलाल लखोटिया, सुनील लधड़, कंचन राठी, विभा बिहाणी, निशा झँवर आदि उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ललित झँवर ने आगामी कार्यक्रमों ITGST व NSIC कार्यशाला, मेगा ट्रेड फेयर, खेलों के प्रोत्साहन छात्रवृत्ति के कोष का निर्माण, मोटिवेशनल सेमिनार के प्रस्ताव रखे। जिला सभा के संगठन मंत्री व माहेश्वरी गौरव-2024 के संयोजक संगठन मंत्री डॉ. राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि शैक्षणिक सम्मान समारोह में विभिन्न शैक्षणिक प्रतिभाओ सहित लगभग 250 प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला सभा के मंत्री बाबूलाल लाहोटी ने बताया कि इस कार्यक्रम के साथ हाल ही में बीकानेर जिले के नवगठित संगठनों के सभी पदाधिकारियों को अपने पद की शपथ अर्थमंत्री राजकुमार काल्या ने दिलाई। मंच संचालन रघुवीर झँवर व चाँदनी लाहोटी ने किया।

5 दिवसीय धार्मिक यात्रा का किया आयोजन

नागदा। माहेश्वरी समाज नागदा के अध्यक्ष घनश्याम राठी के नेतृत्व में 5 दिवसीय धार्मिक स्थलों की यात्रा विगत मास 22 सितम्बर से 26 सितम्बर तक निकाली गई। इसमें समाज के 60 सदस्य शामिल हुए। धार्मिक यात्रा में प्रयाग राज, अयोध्या एवं वाराणसी धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया गया। प्रयाग राज में त्रिवेणी संगम पर नाव में ले जाकर त्रिवेणी संगम दर्शन करवाकर डुबकी लगवाई गई। अयोध्या में भी श्री राम जी के मंदिर में श्री राम लला के सम्मुख दर्शन की व्यवस्था की गई एवं वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ में स्पर्श दर्शन की व्यवस्था की गई। उक्त जानकारी यात्रा संयोजक सतीश बजाज द्वारा प्रेषित की गई।

ईश्वर से जुड़ने के पांच साधन रंगनाथाचार्य जी

उज्जैन। रामानुजकोट उज्जैन अवंतिका पीठाधीश्वर स्वामी श्री रंगनाथाचार्य जी का अल्प समय के लिए गत दिनों सत्यनारायण लाठी एडवोकेट के निवास पर आगमन हुआ। यहां पर स्वामी जी की गगन लाठी, सुनिल दरक, वैभव लाठी ने आगवानी की। स्वामी जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि ईश्वर से जुड़ने के पाँच साधन हैं, नाम, रूप, गुण, लीला और धाम। स्वामी जी ने यह भी बताया कि सत्संग हमेशा सत्संग स्थल पर जाकर सुनने का प्रयास करना चाहिए। मनीषा लाठी, रूपाली दरक, सोनल बाकलीवाल, साधना छापरवाल, अनीता दरक, अरुणा भूतड़ा, एकता दरक, ममता राठी, पुष्पा लाठी, अरुणा लाठी, निधि लाठी, श्वेता मुंदड़ा, किरण नागोरी, सुनीला भूतड़ा, नूतन खंडेलवाल, चंचल छापरवाल, उमा नागोरी, शोभा भूतड़ा, अनीता मूंदड़ा आदि ने इस अवसर पर भजनों के माध्यम से स्वामीजी के प्रति अपनी गुरुभक्ति प्रकट की। इस अवसर पर अरविंद खंडेलवाल, अनिल दरक, अनिल नागोरी, विधीश मूंदड़ा, विष्णु बजाज, विशाल छापरवाल, अंशुल भूतड़ा, श्याम भूतड़ा ने भी स्वामी जी के दर्शन लाभ लिये।

अगर कोई आपसे उम्मीद करता है तो वह उसकी मजबूरी नहीं, बल्कि आपके साथ लगाव और विश्वास है।

शुभलक्ष्मी महिला को. ऑपरेटिव बैंक हुई डिजिटल

इंदौर। मध्यप्रदेश की एक मात्र महिला बैंक शुभलक्ष्मी को. ऑपरेटिव बैंक लि. की 36 वीं वार्षिक साधारण सभा हिंदी साहित्य भवन में संपन्न हुई। इस अवसर पर बैंक की अध्यक्ष ऊष्मा मालू ने सदस्याओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि बैंक इस वर्ष डिजिटल युग में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष के अंत तक बैंक अपना एटीम कार्ड आईएमपीएस एवं युपीआई सिस्टम लागू करने जा रहा है। अध्यक्ष द्वारा इस वर्ष रिकॉर्ड मुनाफा 32 लाख रूपये घोषित किया गया। सभा का प्रतिवेदन मुख्य प्रबंधक अर्चना डाबी द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभा में महिला सदस्यों को आह्वान किया गया कि महिला सदस्य ज्यादा से ज्यादा ऋण लेकर राशि का सदुपयोग कर परिवार का विकास करें। सभा का संचालन डॉ. उषा तोमर द्वारा किया गया एवं आभार संचालक गीता मूंदड़ा द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संचालक मंडल के अन्य सदस्य कृष्णा उपाध्याय, निर्मला बाहेती, क्लाश्री लाशकरी, सुमन जैन, सुशीला काबरा, शुभलक्ष्मी मेहरा, सुषमा मालू, माधुरी काबरा, रीता वोहरा सहित कई सदस्य उपस्थित थीं।

''मिशन आईएएस 2030'' का आयोजन

जयपुर। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा व दी एज्यूकेशन कमेटी माहेश्वरी समाज जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मिशन 100 आईएएस 2030 लक्ष्य का यूपीएससी कॅरियर सेमिनार एमजीपीएस, विद्याधर नगर, जयपुर के ऑडिटोरियम में गत दिनों आयोजित हुआ। इसमें पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष जुगल किशोर सोमानी, प्रदेश सचिव राजकुमार धूत, माहेश्वरी समाज जयपुर अध्यक्ष केदार भाला, ईसीएमएस के महासचिव व मिशन 100 आईएस के समन्वयक (पश्चिमांचल) मधुसूदन बिहाणी तथा मिशन IAS 100 टीम के मुख्य संरक्षक श्रीकांत बाल्दी, मुख्य संयोजक किशन प्रसाद दरक, सहसंयोजक कृष्ण कुमार भट्टड एवं कार्यक्रम संयोजक कैलाश सोनी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सुरेंद्र बजाज, महामंत्री गोविंद परवाल, क्षेत्रिय सभाओं के गणमान्य पदाधिकारी, माहेश्वरी समाज जयपुर के समाज संरक्षक रामअवतार अजमेरा, सत्यनारायण काबरा (मा.न.), सत्यनारायण काबरा (जे.डी.), व समाज उपाध्यक्ष (शिक्षा) बजरंग बाहेती, संजय माहेश्वरी आदि सहित कार्यकारिणी सदस्यों व जयपुर समाज के पूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखोटिया, एबीएमएम के युवा पदाधिकारी आशीष जाखोटिया, ब्रजमोहन बाहेती, अनुज सोनी आदि की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। इस कार्यशाला में 18-28 साल तक के तक़रीबन साठ पंजीकृत बच्चों ने भाग लिया व लगभग सौ सवा सौ समाज प्रबुद्धजनों व बच्चों के माता-पिता संरक्षकों की सहभागिता रही। कार्यशाला में पधारे आईएएस व विषय विशेषज्ञों ने यूपीएससी में भी समाज के नौजवानों/युवकों, युवतियों को कॅरियर बनाने के लिए उत्साहित किया व इसकी परीक्षा कैसे पास करें उसकी बारीकियों/प्रक्रिया को विस्तृत रूप से समझाया।

स्टार्टअप-माय शिशु का शुभारम्भ

इंदौर। अपनी शिक्षा और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध इंदौर अब एक नई पहचान बना रहा है, और इस परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं डॉ. अभिषेक पसारी। अभिषेक की यात्रा एक साधारण परिवारिक व्यवसाय से शुरू होकर टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप माय शिशु तक पहुंची है, जिसका उद्देश्य माता-पिता और बच्चों के सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान समय में माता-पिता की जिम्मेदारियाँ काफी बढ़ गई हैं। माय शिशु इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य माता-पिता को शुरुआती गर्भावस्था से लेकर बच्चों के पहले पंद्रह वर्षों तक के सफर में सहयोग देना है। ''पार्टनर टू पेरेंट'' नामक उनकी पहल माता-पिता को शुरुआती चरणों से ही जागरूक करने का काम करती है। इसका फोकस केवल बच्चों की परवरिश तक सीमित नहीं है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से तैयार करना है ताकि वे अपने बच्चों के लिए एक मजबूत आधार बना सकें।

कामयाब होने के बाद ही इंसान के असली स्वभाव का पता चलता है। नीच व्यक्ति वह होता है जो पद और प्रतिष्ठा पाने के बाद सबसे पहले उसी को नष्ट करता है जिसकी मदद से वह बड़ा बनता है।

मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। गत दिनों मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में रामजानकी सोमानी व बाल कृष्ण सोमानी चित्तौड़गढ़ के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। रमेश राठी, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा, ओम प्रकाश सोमानी, रामचंद्र मूंदड़ा, सुरेश जाजू, सत्यनारायण न्याति, मुकेश झंवर, सत्यनारायण सोमानी भी शुभारंभ अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के साथ चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में शाखाएं सेवारत है जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध है जहां प्रत्येक रविवार को यह सेवाएं उपलब्ध रहती है। चित्तौड़गढ़, कोटा, भीलवाड़ा शहर, ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावक परिचय पत्रक अवलोकन हेतु उपस्थित हुए। ओमप्रकाश सोमानी ने बताया कि अब तक 1901 संबंध हुए है। मुख्य संयोजक सुनील मूंदड़ा, ओम प्रकाश सोमानी, श्रवण समदानी ने सबका आभार व्यक्त किया।

मोतियाबिंद जांच व लेंस प्रत्यारोपण

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट का 19वाँ मासिक निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर स्व. इंद्रचन्दजी लाहोटी की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा गत दिनों माहेश्वरी भवन में आयोजित हुआ। ट्रस्टी व शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 87 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 37 मरीजों का चयन नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। शिविर में रतनगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष अर्चना सारस्वत, डॉ. सोनम अग्रवाल, दिनेश लाहोटी, पार्षद सुमन प्रजापत, रेखा शर्मा, किरण कंवर, आरती महर्षि, राजेन्द्र बबेरवाल, लालचंद, शशी गौड़, दिनेश कुमावत, मनोज सोनी व नन्दकिशोर भार्गव ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू लढ़ा, सुनीता झंवर, मंजू पेड़ीवाल व माहेश्वरी सभा के तहसील अध्यक्ष राकेश जाजू व मंत्री रामोतार चाण्डक ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम, माहेश्वरी समाज के महेश जाजू, एडवोकेट रजनीकांत सोनी, नरेश पेड़ीवाल, अर्चित झंवर, चन्दा सोनी, एडवोकेट पूर्णिमा लढ़ा, सरिता चाण्डक, जयश्री जाजू आदि ने अपनी सेवाएं दी।

MVPM SCHOLAR "Leaders of Tomorrow"

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल

MVPM Scholar Awards 2024

How to apply?

✓ Link for primary registration
https://www.mvpm.org/scholar
before 15th November 2024

Salutation to the Best amongst the Best

✓ **Scholar**
A Gold Medal worth
Rs. 1,00,000
with certificate

✓ **Promising Scholar**
A Gold Medal worth
Rs. 50,000
with certificate

Eligibility - Academic Excellence in Advance Studies

✓ Maheshwari students who have completed their studies between 16th March 2023 to 31st October 2024 from any of following disciplines:

- BE / B. Tech / B. Arch / ME / M.Tech / M.Arch / MCA
- BDS / MBBS / MD / MS / M.Ch / DM
- PGDM / MBA
- CA / ICWA / CS / CFA
- Ph.D
- UPSC (selected for appointment)
- Any post graduate degree from a foreign university / college
- Any other discipline in advance studies

Selection Process for Awardee

✓ The scholars must possess consistently outstanding academic credentials & are selected through a rigorous selection process carried out by distinguished Jury Board.

For more information scholar@mvpm.org www.maheshwarischolar.org Rashmi Bhandari – 7820951145 / Office - 20 2567 1090 / 91

Link of Awardees : https://www.mvpm.org/scholar/scholarList

बाबा रामदेव मन्दिर का स्वर्ण महोत्सव

दुर्ग। द्वारकाधीश अवतार बाबा रामदेव जी का जन्मोत्सव गत दिनों बारह दिनों तक धूमधाम से मनाया गया । बाबा रामदेव मन्दिर गंजपारा की प्राण प्रतिष्ठा को 50 वाँ वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष बाबा रामदेव का भादवा मेला स्वर्ण महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन धार्मिक आयोजन किये गए। 12 दिन के विभिन्न धार्मिक आयोजनों में अलग-अलग दिन व समय पर विशिष्टजनों की उपस्थिति रही जिसमे प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक गजेंद्र यादव, ललित चन्द्राकर, पूर्व विधायक अरुण वोरा, माहेश्वरी महासभा के नारायण राठी, सुरेश मूंधड़ा, नंदकिशोर राठी, गजेंद्र चाण्डक, सी ए मनोज राठी, देवरतन तापड़िया, नरेश चाण्डक, राहुल राठी आदि शामिल हैं। श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष अशोक राठी, सचिव डॉ. शंकर दम्माणी, कोषाध्यक्ष आनंद चांडक मंदिर समिति अध्यक्ष मुकेश मनमोहन राठी सहित प्रबंध कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

महेश अस्पताल का हुआ जीर्णोद्धार

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा संचालित महेश अस्पताल का जीर्णोद्धार कर नवीन सुविधाऐं विकसित की गईं। अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष जुगल किशोर सोमाणी, महासभा के व्यापार प्रकोष्ठ समिति सदस्य एवं सत्यनारायण काबरा (विद्याधरनगर) और महासभा की स्वास्थ्य समिति के सदस्य सत्यनारायण मोदानी का महेश अस्पताल की कार्यकारिणी द्वारा शॉल ओढ़ाकर भावभीना स्वागत किया गया। पूरी कार्यकारिणी ने महासभा की ऐसी पुनीत योजनाओं पर अपना भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर महेश अस्पताल के अध्यक्ष तेजप्रकाश रांदड़ सहित अन्य पदाधिकारी उपाध्यक्षद्वय देवनारायण खटोड़, ओमप्रकाश मानधना, बृजेश कुमार लड्ढा, द्वारकादास जाजू, रमेशचन्द्र माहेश्वरी, अनिल अत्तार, श्याम सुन्दर डागा, शंकरलाल राठी, अशोक खटोड़, दामोदरदास लोहिया, राजेन्द्र मून्धड़ा (सोडाला), शिवरतन मोहता और सुभाषचंद्र तोतला आदि उपस्थित थे। अस्पताल भवन के आधुनिकीकरण करने के बाद अब सोलर पैनल लगाया जाना भी प्रस्तावित है।

।। दीपो के पर्व दीपावली की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ ।।

हृदय में करें आत्मज्योति का प्रकाश

दीपावली सनातन हिन्दू धर्म के उन महान पर्वों में से एक है जिसे दुनियाभर में रहने वाला हर सनातनी बड़े ही गर्व के साथ मनाता है, क्योंकि ये पर्व धर्म की जय का प्रतीक कहलाता है । 'दीपावली' की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के दो शब्द 'दीप' और 'आवली' से हुई है, जिसका अर्थ 'दीपों की पंक्ति' होता है । ये पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचय देता है ।

देवी महालक्ष्मी की कृपा से आप सभी के घर में हमेशा उमंग और आनंद की रौनक हो । गहन अन्धकार में एक छोटा सा दीप प्रज्जवलित होकर तम को हर लेता है । हम सब के हृदय में आत्म ज्योति का प्रकाश है । दीपावली ज्ञान रूपी प्रकाश द्वारा अज्ञान रूपी अंधकार को समाप्त करने का उत्सव है। यह त्योहार आपसी सद्भावना, धार्मिकता और परिवारिक एकता का प्रतीक है । दिवाली के दिन, हम दीपों को जलाते हैं, यह पर्व सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा होता है और खुशियों का संदेश लेकर आता है ।

आईये! दीपावली में सुदर्शन क्रिया का ज्ञान रूपी दीपक जलायें और स्वास्थ्य, आनंद एवं समृद्धि पायें । आप सभी को दीपों के पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ!

निर्मला मल्ल

राष्ट्रीय समिति प्रभारी, स्वयंसिद्धा महिला सशक्तिकरण

एक दिवसीय गरबा का आयोजन

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन और अचिविंग स्कॉलर्स स्कूल, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नवरात्रि उत्सव पर एक दिवसीय गरबा कार्यक्रम श्री जी वाटिका में आयोजित किया गया। सनातन हिंदू धर्म के संस्कार एवं परंपराओं को स्कूल और क्षेत्र के पेरेंट्स के साथ ही बच्चों को समझाने और रुचिकर बनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम संयोजक प्रज्ञा सोमानी, मेघा मालपानी एवं शिखा हुरकट के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साधना कचोलिया, पिंकी काकाणी, अन्नपूर्णा मूंदड़ा, दीप्ति भूतड़ा, रुपेश भूतड़ा, कैलाश जाजू, युवा संगठन अध्यक्ष विशाल माहेश्वरी, मंत्री अंकित बल्दवा आदि उपस्थिति रहीं।

जिला कलेक्टर का किया स्वागत

राजसमंद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा समाज के गौरव नव नियुक्त राजसमंद जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा का मेवाड़ी पगड़ी, महाराणा प्रताप की प्रतिमा एवं उपर्णा ओढ़ाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। मीडिया प्रभारी कार्तिक बापडोत ने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा युवाओं को सामाजिक सरोकार में उत्कृष्ट कार्य में भागीदारी निभाने तथा वर्तमान में चल रहे स्वछता अभियान में युवाओं को भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान अखिल भा. माहेश्वरी महासभा सदस्य सत्यप्रकाश काबरा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकित मूंदड़ा, जिला अध्यक्ष बादल बियानी, संरक्षक लोकेश कोगटा, प्रदीप लड्ढा, डॉ.विशाल लाहोटी, नवीन सोमानी, राहुल मूंदड़ा, अभिषेक सोमानी, राकेश काबरा, अनिश मंत्री, रवि प्रकाश लड्ढा, राकेश दरक आदि समाज के कई युवा सदस्य मौजूद थे।

भावेश ने किया इंग्लैंड से स्नातकोत्तर

पाकिस्तान। कान्टियो निवासी संतराम चांडक के सुपुत्र भाविश राज ने इंग्लैंड की केंट युनिवर्सिटी से मास्टर इन कम्प्यूटर साईंस (स्पेशियलाईजेशन इन एआई) की उपाधि प्राप्त की। भाविश ने मेनचेस्टर की कम्पनी सीमेन्स इनर्जी से कन्ट्रोल व प्रोटक्शन इंजीनियर के रूप में अपनी कॅरियर की शुरुआत की है।

'मिले सुर मेरा तुम्हारा' का आयोजन

महाराष्ट्र। सेलु राजस्थानी महिला मंडल द्वारा साई नाट्यगृह में 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' कार्यक्रम राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष कांचन्जी बाहेती, सचिव पुष्पा तोषनीवाल, उपाध्यक्ष शोभा परतानी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। एक-एक कलाकार की एक महीने की कड़ी मेहनत ने हर प्रस्तुति को सुंदरता प्रदान की। शर्मिला मालानी ने सूत्र संचालन किया। डॉ. संजना बाहेती ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की कोरियोग्राफी का जिम्मा उठाया। बीच-बीच में प्रश्नोत्तरी ने सभागार को जागरूकता से कार्यक्रम का आनन्द लेने का मौका देकर पुरस्कार भी दिये। प्रमुख अतिथि के रूप में विधायक मेघना ताई बोर्डिकर, दक्षिणांचल सहप्रभारी सरोज गट्टाणी, व्याख्याता प्रो. डॉ. वर्षा डोडिया, श्रीमती बोराडे की प्रमुख उपस्थिति रही। समाज की एकता, बुद्धिमत्ता व ऊर्जाशक्ति का एक अनोखा उदाहरण देखने को मिला।

With Best Compliments

HIRALAL MOTILAL
Exclusive Gold Showroom

AJAY BANG 94221 65520 | RAKHI BANG 99232 80030

Tel: 07234-222014
E-mail: rakhibang1972@gmail.com

Main Road, Digras-445 203 Dist. Yavatmal

माहेश्वरी रोजगार प्रकोष्ठ का शुभारंभ

उज्जैन। गत दिनों माहेश्वरी सभा उज्जैन की कार्यकारिणी बैठक में रोजगार प्रकोष्ठ का शुभारंभ जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा के मुख्य आतिथ्य, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी की अध्यक्षता एवं भूपेन्द्र भूतड़ा निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश सोडानी, अध्यक्ष ट्रस्ट, अरूण कुमार भूतड़ा, पायल भूतड़ा, संध्या हेड़ा, विरेन्द्र कुमार गट्टानी, अर्पण इनानी के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। यह प्रकोष्ठ रोजगार प्रदान करने वाले तथा रोजगार चाहने वालों के मध्य सेतू का कार्य कर माहेश्वरी बेरोजगार युवाओं तथा युवतियों के आवेदन संबंधित माहेश्वरी परिवारों द्वारा संचालित कारखाने, कार्यालय, प्रोफेशनल सेवा संस्थान इत्यादि को प्रेषित करेगा ताकि संस्थान अपने स्तर पर जांच पड़ताल कर चयन की कार्यवाही कर प्रकोष्ठ को अवगत करा सकें। प्रत्याशी का नाम चयन उपरांत ही प्रसारित हो सकेगा। उक्त अवसर पर ही रतलाम मोटर्स यमाहा शोरूम उज्जैन के गौरव काकाणी प्रतिनिधि राहुल सामरिया तथा प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनी के प्रखर काकाणी का सम्मान किया गया तथा प्राप्त चार आवेदन सोंपकर प्रकोष्ठ का शुभारंभ संपन्न हुआ। माहेश्वरी सभा उज्जैन के अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी ने प्रकोष्ठ की विस्तृत जानकारी दी तथा संबंधित माहेश्वरी संस्थाओं से अपने यहां रिक्त पदों की जानकारी तथा रोजगार की तलाश कर रहे माहेश्वरी युवक युवतियों से आवेदन/बायोडाटा मो.नं. 9425918558 पर वाट्सएप के माध्यम से भिजवाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन विरेन्द्र कुमार गट्टानी ने किया तथा आभार लोकेंद्र काबरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश बाहेती, निरंजन हेडा अशोक परवाल कैलाश तोतला, सत्यनारायण चोधरी अर्जुन समदानी, प्रवीण डागा, नृसिंह देवपुरा, अशोक कुमार भट्टड़, महेश कुमार जावंधिया, सूर्य नारायण होलानी, सचिन बसेर, विजय चिचाणी, हेमंत मंत्री, संजय मूंदड़ा, प्रकाश काबरा, दीपक लाठी, लोकेंद्र भूतड़ा, संजय सोडानी, राजकुमार भूतड़ा, मनोज बियाणी, राकेश सोडानी, प्रकाश सोडानी संजय (नट्टू) मूंदड़ा सीमा कांसट, शीतल मूंदड़ा, कुसुम चौधरी, सुनिता जावंधिया, शकुन्तला होलानी सहित अनेक समाजजनों की उपस्थिति रही।

जन्म दिवस पर मंगेतर संग अंगदान संकल्प

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष में अपने मंगेतर के साथ अंगदान का संकल्प लिया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि जीवित व्यक्ति अपना कुछ भी देने से पहले सौ बार सोचता है। यह मोह-माया उसे कुछ भी करने ही नहीं देती। हम दोनों ने निःस्वार्थ भाव से अंगदान का संकल्प लिया है। यह संकल्प पत्र शाइन इंडिया फांउडेशन के ज्योति मित्र इदरीश बोहरा को भरकर सौंपा। शुभम दाखेड़ा ने कहा कि जल्द ही हम दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, इसलिए दोनों ने अंगदान का संकल्प साथ में लिया। ताकि बेबस जिंदगी से जूझते व्यक्तियों के लिए हम काम आ सके।

With Best Compliments from

Shrikant G. Mantri

Member : The Stock Exchange, Bombay

Surya Mahal, 2nd Floor, Nagindas Master Road Fort, Mumbai - 400 001, India
Tel. : 022-2261 8384, 2267 2526 6635 9003, 6635 9004, Fax : 022-22623198
E-mail : sgmantri@usa.net, Resi. : 022-26184126, 2614 4933, Mo. : 98210-26725

कन्या भोज एवं कन्या पूजा का आयोजन

इंदौर। श्री माहेश्वरी महिला संगठन मेघदूत क्षेत्र द्वारा नवरात्रि के चौथे दिन सामूहिक कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 108 कन्याओं एवं 20 बालकों ने भाग लिया। कन्याओं का पाद पूजन कर उन्हें हाथ से परोस कर भोजन करवाया गया तथा गिफ्ट दी गई। अध्यक्ष उर्मिला शारदा एवं सचिव नेहा माहेश्वरी ने बताया कि सभी बालिकाओं को अपनी सुरक्षा कैसे करें उसके बारे में बताया गया। बालिकाओं को Good Touch & Bad Touch की जानकारी दी, साथ ही सभी बालिकाओं को नमस्कार मुद्रा, उच्चारण व गायत्री मंत्र सिखा कर संस्कारित करने की एक छोटी सी पहल की गई। कार्यक्रम में नम्रता राठी, कांता सोढ़ानी, आरती मूंदड़ा, रुपाली नवाल, कविता चितलांगिया, सरोज कासट, किरण मोदानी, शांता मंत्री, कल्पना भराड़िया, कमल मालू सहित क्षेत्र के सदस्य उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजित

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय हृदय दिवस पर मारुति कन्वेंशन, रंगमपेट में अध्यक्ष प्रहालद सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मंत्री रामकिशोर मनियार ने मंच संचालन किया। इस शिविर में डॉ. रामचंदर दरक - चर्मरोग विशेषज्ञ, डॉ. संतोष मोदानी - हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. गिरीश लोया - मधुमेह एवं जनरल फिजीशियन, डॉ. अंकिता डोडिया/सारडा - प्रसूतिशास्त्र विशेषज्ञ ने समाज के करीब 185 मरीजों की जांच की। मध्यान्ह में सभी के लिए महा प्रसाद की व्यवस्था की गई। समाज की महिलाओं के लिए डॉ. अंकिता डोडिया/सारडा द्वारा 30 मिनट की काउंसिलिंग का कार्यक्रम रखा गया। उक्त जानकारी सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी द्वारा दी गई।

Harish Chandak
Mo. : 9100713837

समस्त समाज बन्धुओं को दीप पर्व की हार्दिक एवं मंगलकामनाएं

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises
(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS
ALMONARD REGD. TRADE MARK
HAVELL'S
khaitan®
USHA
ANCHOR by Panasonic
Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS
V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

पुण्यतिथि पर भाषण प्रतियोगिता

जायस। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नन्दग्राम, जायस, अमेठी, उत्तर प्रदेश मे सह-संस्थापक विष्णु माहेश्वरी की पुण्यतिथि पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। मुख्य अतिथि इंजीनियर विवेक माहेश्वरी सुपुत्र स्व. श्री विष्णु माहेश्वरी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. आशुतोष पाण्डेय ने स्व. श्री माहेश्वरी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि असाध्य बीमारी के बाद भी स्वयं खड़े होकर तन-मन-धन लगाकर छोटे अनुज पंकज माहेश्वरी की स्मृति में महाविद्यालय का निर्माण कराया। विवेक माहेश्वरी ने भाषण मे सुधार के लिये कुछ टिप्स देकर प्रतियोगियों का मार्ग दर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. माया शुक्ला ने किया। प्राचार्य डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुल्कित माहेश्वरी, रोहित माहेश्वरी, प्रतिभा मौर्या, कंचन त्रिपाठी, कशिश मिश्रा, उत्तम राय,श्रीराम यादव,सफिया नकवी आदि उपस्थित रहे।

गरबा महोत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। आजाद नगर माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष प्रदीप जागेटिया ने बताया कि गरबा महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत माहेश्वरी समाज के पूर्व सभापति रामपाल सोनी के करकमलों से मां दुर्गे के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित करके हुई। इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी सहित अशोक बाहेती, ओमप्रकाश गटानी, केदार गगरानी, ओम नारणीवाल, ममता मोदानी, सीमा कोगटा, प्रीती लोहिया, सुमन सोनी, सोनल माहेश्वरी, देवेंद्र सोमानी, राजेंद्र कचोलिया, राघव कोठारी आदि कई गणमान्य समाजसेवी उपस्थित थें। अतिथि का स्वागत शंकर ईनाणी, रवि पलोड़, सौरभ सोमानी, रोहित अजमेरा, रामकिशन सेठिया आदि ने किया। इस अवसर पर आजाद नगर की होनहार प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का भी अथितियों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष राकेश नुवाल एवं महेश मंडोवरा ने किया।

श्रद्धांजलि

श्री संपतकुमार मानधन्या

इन्दौर। माहेश्वरी समाज इन्दौर के संस्थापक और अध्यक्ष, माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी मर्यादित, इन्दौर के संस्थापक संचालक, समाज की पत्रिका 'समाज संगठन' के संस्थापक संपादक संपतकुमार मानधन्या का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य, माहेश्वरी विद्यालय छत्रीबाग इन्दौर के मंत्री, माहेश्वरी डीडवाना थोक के अध्यक्ष, समाज के पंच, राम जानकी शिलालेख यात्रा के स्वागत मंत्री, राम मंदिर आंदोलन कार सेवा व्यवस्था संयोजक रहे हैं। आप रामानुज संप्रदाय के सर्वोच्च सम्मान शिरोभूषण से सम्मानित हो चुके थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड भी उनके आशीर्वाद को लेकर धन्य समझते थे। कई मंचों से आपको सम्मान मिला था। गत 20 अक्टूबर को माहेश्वरी समाज इन्दौर ज़िला की ओर से माहेश्वरी भवन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इसमें कई समाजजनों की उपस्थिति में समाज की विभिन्न संस्थाओं के वरिष्ठ समाजसेवी रामस्वरूप धूत, मुकेश असावा, रामअवतार जाजू, गीता मूंदडा, ईश्वर बाहेती, अशोक डागा, पुष्प माहेश्वरी, घनश्याम झँवर, कल्याण मंत्री, रामेश्वरलाल असावा, राजेश मूंगड, राधेश्याम सोमानी, राधाकिशन सोनी, नम्रता बियानी, देवेंद्र बाहेती, गोरीशंकर लखोटिया सहित कई समाजसेवियों ने विभिन्न प्रसंगों को बताते हुये श्रृद्धाजंलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनमें कभी पद लुलुप्ता नहीं रही, विधान और साहित्य के ज्ञाता थे, समाज की नींव जिनने रखी, स्पष्ट वक्ता, सबको साथ लेकर चलने वाले, लेखनी के धनी, कुशल नेतृत्व क्षमता के धनी, पारदर्शिता से कार्य करने वाले, सिद्धांतों पर चलने वाले, समाज को सीमितता से व्यापकता की ओर ले जाने वाले व्यक्ति थे।

श्री नथमलजी बिड़ला

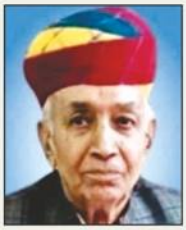

मेड़ता सिटी। श्री अ.भा.माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के मार्गदर्शक व ट्रस्टी तथा माहेश्वरी पंचायत मेड़ता सिटी के पूर्व अध्यक्ष श्री नथमल बिड़ला सुपुत्र स्वर्गीय श्री सीताराम बिड़ला का आकस्मिक निधन गत 2 अक्टूबर को हो गया। धर्म पारायण, सहज, सरल स्वभाव के श्री बिड़ला अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर ब्रम्हलीन हो गए हैं।

श्री नेमीचंद कांकाणी

कोयंबटूर। समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष सीताराम कांकाणी के अग्रज एवं कमल एवं श्री विमल कांकाणी के पिता श्री नेमीचंद कांकाणी का 95 वर्ष की आयु में 07 अक्टूम्बर 2024 को हृदय गति रुकने से देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

मधु भूतड़ा 'अक्षरा' का हुआ सम्मान

जयपुर। अखबार 'खबर जयपुर की गलियों से' एवं सह कार्यक्रम संयोजक रामदास राठी मेमोरियल ट्रस्ट जयपुर द्वारा आयोजित नवरात्रि समारोह 2024 में साहित्यकार मधु भूतड़ा 'अक्षरा' को सम्मानित किया गया। प्रेसिडेंट राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं संस्थापक जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड डॉ. के. एल. जैन एवं राजस्थान उच्च न्यायालय अधिवक्ता व नगर निगम ग्रेटर जयपुर के भवन निर्माण एवं संकर्म समिति के चेयरमैन जितेंद्र श्रीमाली द्वारा उन्हें मोमेंटो प्रदान किया गया। श्री माहेश्वरी महिला परिषद् की अध्यक्ष ज्योति तोतला द्वारा पुष्प हार पहनाया गया और अखबार की ब्रांड एंबेसडर जोधपुर की सिद्धि जौहरी द्वारा जयपुर की साहित्यकार मधु भूतड़ा 'अक्षरा' को साहित्यिक सेवा एवं उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवक दिलीप जाजू ब्यावर, प्रकाशचंद्र पोरवाल भीलवाड़ा, जयपुर जिला अध्यक्षा उमा सोमानी के साथ श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष केदार भाला, संरक्षक सत्यनारायण काबरा (मा. न.), सीताराम मालपानी, सत्यनारायण काबरा (जे. डी. सुपारी), निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप बाहेती सहित 200 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही। उक्त जानकारी देते हुए अखबार के प्रधान संपादक नीरज अजमेरा ने बताया कि किशन राठी, सुनीता पेरीवाल, कल्पना माहेश्वरी, नीरू अजमेरा, महेश भूतड़ा और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अहम भूमिका निभाई गई। इस कार्यक्रम में मधु अक्षरा की स्वरचित काव्य पुस्तक 'एक पहल' से मां शारदे का अभिनंदन किया गया।

खरी-खरी...

बहुत तक़रीर करते हैं
बड़ी बातें बनाते हैं

अँधेरे को मिटाने की
कसम सौ बार खाते हैं

सबेरा रोज होता, नींद भी
खुलती ही है लेकिन

न तो अँधियार छँटता है
न हम ही जाग पाते हैं

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

महेश सार्वजनिक ट्रस्ट के चुनाव संपन्न

इन्दौर। माहेश्वरी समाज के 46 साल पुराने प्रतिष्ठित ट्रस्ट श्री महेश सार्वजनिक ट्रस्ट इंदौर महेश्वरी भवन के सत्र 2024-26 के लिये द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। सुभाष राठी अध्यक्ष, अश्विन लखोटिया सचिव एवं मुकेश कचोलिया कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष एवं मंत्री ने घोषणा की कि प्रतिमाह 21 लोगों का डायलिसिस ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क कराया जाएगा एवं दो लोगों की आंखों का निःशुल्क आपरेशन भी ट्रस्ट द्वारा प्रतिमाह करवाया जाएगा। इस अवसर पर रामेश्वरलाल असावा, राम बिलास राठी, घनश्याम गिलड़ा, केदार शारडा, केदार हेड़ा, गोपाल न्याती आदि उपस्थित थे।

चारभुजानाथ की पद यात्रा सम्पन्न

बागोर। चारभुजा पद यात्रा संघ की बागोर से गढबोर तक की पद यात्रा जल झुलनी महोत्सव के पूर्व गढबोर नाथ श्रीचारभुजा नाथ के नयनाभिराम दर्शन करने के साथ ही सम्पन्न हुई। तीन दिवसीय यात्रा में 81 सदस्य शामिल थे। प्रथम बार पद यात्रा 1990 के दशक में प्रारम्भ हुई जिसमें बालमुकुंद रामजस, अनिल, दिनेश सोनी, मनोहर झंवर, रामगोपाल आगाल, राजमल सेठिया आदि शामिल हुए थे। उक्त जानकारी रामजस सोनी ने दी।

जयेश प्रदीप बेहेड़े को सुयश

महाराष्ट्र। जयेश बेहेड़े (मैनेजर, इंटरनेशनल बिज़नेस डेवलपमेंट, एनटीपीसी लिमिटेड) ने एनटीपीसी स्कूल ऑफ़ बिज़नेस द्वारा संचालित एक्जीक्यूटिव एमबीए इन एनर्जी मैनेजमेंट की परीक्षा में सर्वाधिक 93.49% अंको के साथ कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हाल ही में नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्हें स्वर्ण पदक, प्रशस्ति पत्र एवं डिग्री से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि जयेश, जलगांव महाराष्ट्र निवासी प्रदीप बेहेड़े (इन्शुरन्स एडवाइजर) एवं मंगला बेहेड़े के सुपुत्र हैं।

डांडिया नाईट का किया आयोजन

कोयंबटूर। विगत सप्ताह स्थानीय माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी युवा मंडल एंव सुरभि महिला मंडल कोयंबटूर के अंतर्गत नवरात्री के पावन पर्व पर डांडिया नाईट का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यक्रम में समाज के 150 से ज्यादा सदस्यों ने पारम्परिक परिधान पहनकर भाग लिया। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ। माहेश्वरी सभा सचिव संतोष मूंदड़ा, सहसचिव प्रदीप करनानी, युवा मंडल अध्यक्ष-गिरीराज फोमरा, सदस्य सुमिरन मालु, आशीष चांडक, यादव सोमाणी एंव सुरभि मंडल सदस्या उर्मिला कांकाणी, नीतु मण्डोवरा, अंजना माहेश्वरी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

ब्लेड की धार तेज होती है लेकिन पेड़ को नहीं काट सकती। कुल्हाड़ी मजबूत होती है लेकिन बाल नहीं काट सकती। वैसे ही हर इंसान अपनी काबिलियत के अनुसार ही श्रेष्ठ होता है, इसलिए अपनी तुलना किसी और से कभी भी न करें।

राठी को उत्कृष्ट संयोजक पुरस्कार

नागपुर। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की गत 20 अक्टूबर की गढ़चिरौली सभा में महेश नवमी पर्व 2024 के प्रदेश संयोजक गोपाल मालपानी ने महेश नवमी के विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा की। इसमें नागपुर जिला महेश नवमी पर्व 2024 के मुख्य संयोजक योगेश राठी को जिला महेश नवमी 2024 के उत्कृष्ट संयोजक का प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। नागपुर जिला माहेश्वरी सभा का महेश नवमी पर्व के उत्कृष्ट आयोजन के लिए तृतीय पुरस्कार देकर अभिनंदन किया गया। नागपुर जिला अंतर्गत बड़ी तहसील नगर माहेश्वरी सभा नागपुर को महेश नवमी शोभा यात्रा के शानदार आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा घोषित विशेष पुरस्कार दिया गया। नागपुर जिला अंतर्गत सावनेर तहसील के केलोद के आनंद गांधी परिवार को मातृपूजन वीडियो प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मंच पर महासभा के निवर्तमान सभापति श्यामसुंदर सोनी, संयुक्त मंत्री दिनेश राठी, कार्यसमिति सदस्य रमेश मंत्री, विदर्भ प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष दामोदर सारडा, निवर्तमान अध्यक्ष रमेश चांडक, सचिव अजय मोदानी, कोषाध्यक्ष सीए राजेश काबरा, संगठन मंत्री बृजगोपाल दरक, उमरेड तहसील के दामोदर मूंधड़ा, युवा संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिमांशु चांडक, माहेश्वरी पाक्षिक पत्रिका के राकेश भैया, जगदीश बंग आदि उपस्थित थे।

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

माहेश्वरी प्रवीलेज कार्ड की लांचिंग

उज्जैन। शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर माहेश्वरी सभा उज्जैन के तत्वावधान तथा प्रगति महिला मंडल के संयोजकत्व मे शरदोत्सव कार्यक्रम अन्तर्गत महात्मा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय इन्दौर के एसोसिएट प्रोफेसर तथा हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट डॉक्टर साधना सोडानी के मुख्य आतिथ्य, सभा अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी की अध्यक्षता तथा लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा अध्यक्ष जिला सभा उज्जैन, गिरीश मूंदड़ा कार्पोरेट हेड सोडानी डायग्नोस्टिक, सुनिल पंवार सीनियर प्रबंधक हेड पोस्ट आफिस उज्जैन, पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र भूतड़ा, प्रकाशचन्द्र सोडानी अध्यक्ष ट्रस्ट विरेन्द्र कुमार गट्टानी, सचिव संगीता भूतड़ा अध्यक्ष महिला मंडल, रेखा कमलेश मंत्री, सुनिता अतुल देवपुरा, अर्पण इनानी अध्यक्ष, युवा संगठन शीला मंडोवरा, किरण पलोड आदि के विशेष आतिथ्य में माहेश्वरी प्रिवीलेज कार्ड की लांचिंग संपन्न हुई। गिरीश मूंदड़ा ने प्रिविलेज कार्ड के महत्व के बारे में बताया। सभा अध्यक्ष श्री राठी ने मुख्य अतिथि डाक्टर साधना का परिचय देते हुए बताया कि आपकी भारत के बाहर 52 से अधिक कान्फ्रेंस में सहभागिता के साथ 40 से अधिक रिसर्च पेपर प्रकाशन हुए हैं। कोविड के दौरान अनेक सेवाऐं तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि साधना सोडानी द्वारा स्वस्थ बने रहने के लिए अपने खानपान, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करते हुए क्रोध से बचने तथा मुस्कराते हुए अपना कार्य करने, मोबाइल के अधिक तथा अनावश्यक उपयोग से बचने के बारे में अपील की गई।

कार्यक्रम का संचालन अर्चना भूतड़ा तथा आभार प्रदर्शन विरेन्द्र कुमार गट्टानी ने किया। गरबे में भाग लेने वाली सभी महिलाओं को रेखा मंत्री, सुनिता देवपुरा, कैलाश नारायण राठी सभा अध्यक्ष, लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा अध्यक्ष जिला माहेश्वरी सभा, सुनिता गोपाल मूंगड़ द्वारा पुरस्कार वितरित किया गया।

महिला मंडल ने करवाया करवाचौथ का उद्यापन

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल व श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर छोटा सराफा द्वारा करवा चौथ पर सामूहिक चंद्र दर्शन एवं पूजा आरती का आयोजन समाज के नवनिर्मित भवन पर किया गया। इस अवसर पर समाज की नौ महिलाओं के करवाचौथ का उद्यापन भी करवाया गया जिसमें 130 से अधिक महिलाओं ने भोजन किया एवं उन्हें उपहार स्वरूप करवा और सुहाग का सामान दिया गया। सामुहिक गीत द्वारा उत्सव का समापन हुआ। अध्यक्ष रेखा लड्ढा एवं सचिव उषा भट्टड़ के साथ मंडल की सभी सदस्याओं ने उपस्थित रहकर अपना सहयोग दिया। यह जानकारी प्रचार मंत्री सुधा बागड़ी ने दी।

सुप्रीम इलेक्ट्रिकल्स को बिजनेस लीडरशिप अवार्ड

जयपुर। सुप्रीम इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को बिजनेस लीडरशिप अवार्ड - 2024 से सम्मानित किया गया। न्यू महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कंपनी के एमडी श्रीधर बियाणी को उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान सांसद तीरथ सिंह रावत ने यह पुरस्कार प्रदान किया। कंपनी के एमडी श्रीधर बियाणी व रामगोपाल बियाणी ने बताया कि हमारी कंपनी डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर की मैन्युफैक्चरिंग में डिस्कॉम की बड़ी सप्लायर है। कंपनी को पूर्व में भी वर्ष 2022 में इंडिया SME 100 अवार्ड एवं SME एंपावरिंग इंडिया अवार्ड-2024 से सम्मानित किया जा चुका है।

महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र प्रशिक्षण

अकोला। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत संस्कार सिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति द्वारा नवरात्रि में 4,5,6 अक्टूबर को तीन दिवसीय महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति की राष्ट्रीय प्रदर्शक अनुसया मालू द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। प्रशिक्षण गीता परिवार की वरिष्ठ मार्गदर्शिका, गीता पारंगत सुवर्णा मालपाणी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूरी संरचना समिति की राष्ट्रीय प्रभारी अंजलि तापड़िया द्वारा की गई। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा ने संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला। 3 दिवस में लगभग 2400 प्रशिक्षणार्थियों ने जूम लिंक एवं फेसबुक, यूट्यूब से जुड़कर महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र प्रशिक्षण का लाभ लिया। तकनीकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय संचार समिति की भाग्यश्री चांडक, राष्ट्रीय प्रभारी, सपना लाहोटी, सहप्रभारी दक्षिणांचल तथा मनीषा सोमाणी सहप्रभारी पूर्वांचल ने सम्भाली। समिति की आंचलिक सह प्रभारी चंचल राठी पूर्वांचल, ज्योति बाहेती मध्यांचल आदि ने आभार प्रकट किया गया।

माहेश्वरी आधार समिति की कार्यकारिणी गठित

अमरावती। माहेश्वरी समाज के अत्यल्प आय वाले जरूरतमंद परिवार, विधवा माता-बहनों, वरिष्ठजन, अपंग-रुग्ण आदि के लिये अमरावती के दानवीर घनश्यामदास कासट द्वारा अखिल भारतीय माहेश्वरी ट्रस्टों की तर्ज पर अमरावती में स्थापित माहेश्वरी आधार समिति, अमरावती प्रतिवर्ष हिराका वरिष्ठ पेंशन सहायता राशि, कन्यादान अनुग्रह राशि, मृत्युपरांत सहायता, वैद्यकीय सहायता के माध्यम से करीब 75 परिवारों में आठ से दस लाख की सहायता वितरित करती है। गत दिनों आधार समिति के निर्विरोध चुनाव में सर्वसम्मति से संपन्न हुये। इसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष राजेशकुमार कासट, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश नावंदर, सचिव बंकटलाल राठी, कोषाध्यक्ष प्रशांतकुमार मूंदड़ा एवं कार्यकारिणी सदस्य नंदकिशोर राठी, नितिन कुमार राठी, ओमप्रकाश कासट, प्रकाश लड्ढा, संजयकुमार जानु, प्रतीककुमार लड्ढा एवं रमेशचंद्र प्रमाणी आदि चुने गये।

दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीनिवास एंड ब्रदर्स

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

एगमार्क उपवन मधु 'ए ग्रेड', सुपर कोकिला मेहँदी,
एगमार्क सच्चासाबू साबूदाना

स्टॉकिस्ट: नटराज ब्रांड केसर एवं हींग

Dalia's™
High In Quality, Rich In Taste

Avani Impex

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

14-7-371/16, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने,
बेगमबाजार, हैदराबाद-500012
फोन: 24745570, 24606726, 24615438

फ्रेन्ड्स ग्रुप की साधारण सभा सम्पन्न

इंदौर। माहेश्वरी फ्रेन्ड्स ग्रुप की साधारण सभा माई मंगेशकर सभागृह में आयोजित की गई। सरस्वती की मूर्ति पर मोती की माला पहनाकर दीप प्रज्जवलित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत मारवाडी लोकगीत पर आधारित केशरिया बालम का मंचन मोहनलाल चौधरी के कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोकनृत्य प्रस्तुत कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार कनकलता साबू को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। ग्रुप के सभी सदस्य दम्पत्ति ने कलाकारों के साथ मिलकर गरबा किया। इस अवसर पर सुरेश सावित्री सिंगी, सम्पत कुमार राधा साबू, भरत सावित्री भट्टड आदि ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री सम्पत कुमार राधा साबू ने दी।

डॉ. बरखा राठी को शीर्ष सम्मान

नागपुर। शहर की ख्यात डेंटल इम्प्टोलॉजिस्ट डॉ. बरखा राठी को इंदौर में हाल ही में संपन्न इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट के 30वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित आईएसओआई फेलोशिप से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. बरखा राठी विदर्भ क्षेत्र की पहली महिला इंप्लांटोलॉजिस्ट हैं जिन्हें भारत में ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। नागपुर में एडवांस डेंटल क्लिनिक में प्रैक्टिस करने वाली डॉ. बरखा के पास पहले से ही ओरल इंप्लांटोलॉजी में उनकी अभिनव सर्जिकल प्रक्रिया के लिए कॉपीराइट है और उन्हें प्रतिष्ठित इंप्लांटोलॉजिस्ट में से एक माना जाता है।

प्रेम सिर्फ अपने काम और ईश्वर से करो क्योंकि ये दोनों कभी धोखा नहीं देते, अपनों पर भी उतना ही विश्वास रखो, जितना दवाइयों पर रखते हो।

सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर सम्पन्न

भीलवाडा। श्री नगर माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा द्वारा श्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की योजनाओं के अंतर्गत माहेश्वरी बालिकाओं में निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण का शुभारम्भ गत 23 अक्टुबर को प्रातः 9.15 बजे श्रीमती केसरबाई सोनी हॉस्पीटल में हुआ। शुभारम्भ महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी के मुख्य आतिथ्य एवं राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, राधेश्याम सोमानी, जगदीश कोगटा, अनिल बांगड़, अशोक बाहेती, केदार जागेटिया, केदार गगरानी के आतिथ्य में किया गया। नगर मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि महासभा की इस टीकाकरण योजना का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करना है। टीकाकरण मे श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा महासभा की प्रेरणा से विभिन्न सहयोगी ट्रस्टों जिसमें सुश्रुत चेरिटेबल न्यास, श्रीमती राधादेवी रामपाल सोनी फाउंडेशन, श्रीमती राधाबाई चतुर्भुज भुतड़ा फाउंडेशन, पुष्पा रामेश्वरलाल काबरा फाउंडेशन, जावंदिया फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा। मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया कि शिविर में लगभग 130 रजिस्ट्रेशन हुए। साथ ही डॉ. प्रशान्त आगाल के नेतृत्व मे लगभग 100 बालिकाओ के टीकाकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। दूसरा कैम्प 3 नवम्बर 2024 को प्रातः 9.00 बजे से सोनी हॉस्पिटल में लगाया जाएगा। 14 वर्ष तक की बालिकाओं को पहला टीका लगाने के बाद दूसरा टीका छह महीने बाद लगाया जायेगा तथा 15 से 26 वर्ष की बालिकाओं को दो-दो महीनों के अंतराल में कुल तीन टीके लगाये जायेगे। इस दौरान सत्येंद्र बिरला, सुरेश कचोलिया, प्रदीप बल्दवा, अतुल राठी, अभिजीत सारडा, महावीर समदानी, प्रहलाद नुवाल, गोपाल नराणीवाल, प्रमोद डाड, सुमन सोनी, श्याम बिरला, रामकिशन सोनी, सुशील मरोटिया, राजेश कोठारी, राजेन्द्र तोषनीवाल सहित विभिन्न क्षेत्रिय सभाओं के अध्यक्ष, मंत्री व विभिन्न प्रभारी के साथ ही कई समाजजन उपस्थित रहे।

माया माहेश्वरी सम्मानित

भोपाल। गत दिनों 1996 बैच की भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी और वर्तमान में प्रधान आयकर आयुक्त माया माहेश्वरी भोपाल को उनके अद्वितीय योगदान के लिए सराहनीय सेवा प्रमाण पत्र 2024 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान प्रत्यक्ष कर क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व विशिष्ट कर्त्तव्यनिष्ठा के लिए प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि माया माहेश्वरी ने अपने कॅरियर में कई संवेदनशील प्रभार संभाले हैं और आयकर विभाग में छापे के मामलों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। हाल ही में 2022-24 तक आयकर आयुक्त (टीडीएस) के पद पर रहकर माइनिंग और ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में करोड़ों की टैक्स चोरी उजागर की।

कभी गिर जाओ तो खुद ही उठ जाना, आजकल तो लोग सिर्फ गिरे हुए पैसे उठाते हैं इंसान नहीं।

With Best Compliments From

DISINFECTANTS BEST BY TEST

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

Post Box No. 1457, Regd. Off : 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059.T.S.Tel: 2453 4523, Cell No: +919701343335
e-mail: sales@nathpeters.com, Website: www.nathpeters.com

कोजागिरी उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

नागपुर। नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा का कोजागिरी उत्सव माहेश्वरी पंचायत भवन सीताबर्डी में करीब 170 से अधिक माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति मे आनंद पूर्वक संपन्न हुआ। संस्था के प्रचार प्रमुख प्रकाश चांडक ने बताया कि इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में नागपुर शहर के सुप्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट एवं एंड्रोलॉजिस्ट डॉ. नरेन्द्र मोहता ने यूरोलॉजी एवं एंड्रोलॉजी से संबंधित बीमारियों की विस्तृत जानकारी दी एवं उसके लक्षण, इलाज और रोगमुक्त रहने की जीवनशैली के बारे में संस्था के सदस्यों को मार्गदर्शन दिया। संस्था के अध्यक्ष कन्हैयालाल मानघना एवं सचिव मधुसूदन सारडा ने उपस्थित सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। चांद, चांदनी शब्दों से जुड़े मुखड़े पर कराओके पर गीत गायन, विभिन्न रंगारंग मनोरंजक गेम्स, वरिष्ठ दंपतियों का कैटवॉक, नृत्य एवं हाऊजी के साथ लजीज भोजन का सभी ने भरपूर लुत्फ उठाया। इस आयोजन में नगर माहेश्वरी सभा नागपुर के अध्यक्ष कमल तापड़िया, सचिव गिरधर चांडक, माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी के अध्यक्ष शिवदास राठी, सचिव गोपाल चांडक, बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के सचिव अजय मल के साथ अनेक गणमान्य समाजबंधुओं की उपस्थिति रही।

गीता मून्दड़ा हुई सम्मानित

इंदौर। वनबंधु परिषद राष्ट्रीय महिला समिति की वार्षिक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता जाजू एवं उनकी टीम द्वारा गीता मून्दड़ा को उनकी सेवाओं के लिए FTS महिला गौरव से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय महिला समिति के गठन एवं विस्तार में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। 6 वर्ष तक संस्थापक राष्ट्रीय महामंत्री एवं दो वर्ष अध्यक्ष रहने के बाद वनबंधु परिषद नेशनल की संगठन मंत्री एवं जनरल सेक्रेटरी का दायित्व संभालने वाली पहली महिला हैं। इस अवसर पर वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सरावगी, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी सहित रतनी देवी काबरा, पुष्पा मूंदड़ा, लता मालपानी, शांता सारड़ा, विमला दम्मानी, प्रीति बाहेती, सविता कोठारी, मुंबई चैप्टर की अध्यक्ष नयनतारा जैन, मंत्री उमा पचीसिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। सदन ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ श्रीमती मूंदड़ा का अभिनन्दन किया।

तृतीय पुण्य स्मरण

जीवन पथ पर प्रेरणा हो आप, यादों में खुशनुमा अहसास हो आप
क्या हुआ जो पास, नही सदा हमारे पास हो आप

स्व. श्री प्रवीण मालू
(श्रीजी शरण दिनांक 7 सितम्बर 2021)

मालू परिवार
अमरावती

गौशाला को दवाइयां भेंट

भीलवाड़ा। विजयादशमी के पावन पर्व पर श्री राम कथा सेवा समिति की ओर से श्री हरनी महादेव स्थित श्री कृष्णा गौशाला को दवाइयां भेंट की गई। श्री राम कथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज ने बताया कि संकट मोचन हनुमान मंदिर के पूज्य मंहत बाबूगिरी जी महाराज के मार्गदर्शन में समिति के पदाधिकारियों ने गौशाला पहुंच कर आवश्यक औषधि समिति की ओर से समर्पित की। श्री हरनी महादेव स्थित इस गौशाला में बीमार और असहाय गौवंश की सेवा होती है। समिति के उपाध्यक्ष बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वर ईनाणी, महासचिव पीयूष डाड आदि उपस्थित थे।

त्रिदिवसीय श्याम कथा का आयोजन

जोधपुर। गत दिनों जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्याम संचालन समिति के तत्वावधान में सांईधाम स्थित श्याम मंदिर पर तीन दिवसीय श्याम कथा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष उषा बंग ने बताया कि श्री श्याम कथा में आचार्य सत्य कृष्ण जी महाराज ने कथा का वाचन किया। हजारों श्याम प्रेमियों ने बाबा की कथा में हिस्सा लिया। सचिव नीलम भूतड़ा ने बताया कि संतोष राठी एवं मंजू कैला, श्याम बाबा एवं कृष्ण की मनमोहक जीवन जीवन्त झांकी के रूप में उपस्थित हुई थीं। संयोजिका सुनीता हेडा ने बताया कि श्याम बाबा कथा की संपूर्ण आरती में मुख्य यजमान डॉक्टर फूल कौर मुंदडा, आशा फोफलिया, मधु पुंगलिया, उर्मिला अग्रवाल, सुनिता हेड़ा सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं।

मनुष्य अहंकार और गलतफहमी के कारण महत्वपूर्ण चीजों से दूर रहता है। गलतफहमी सच नहीं बताती और अहंकार सत्य को नहीं देखने देता।

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा सत्र 2022-25 में आरंभ की गई "महेश अन्न सेवा" का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में सत्यनारायण काबरा (जे.डी. सुपारी) के सहयोग से गत 17 अक्टूबर को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदार मल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, संयोजक शंकरलाल लढ्ढ़ा, सचिव अभिनन्दन महेश साबू, प्रचार मंत्री अरूण बाहेती, समाज संरक्षक सत्यनारायण काबरा (मा.न.), विनोद मारू, राजरतन पटवारी, गोविन्द परवाल, संजय बियानी, घनश्याम भण्डारी, परशुराम बागड़ी, अनिल मालपानी सहित समाज के कई गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्व. श्यामसुन्दर मालपाणी

ब्रिजमोहन श्यामसुन्दर मालपाणी
मो. 7775028333, 9423128333

अमेय ब्रिजमोहन मालपानी
मो. 8381028333

यशोदा एग्रो इंडस्ट्रीज
होटल किंग तुवर दाल एवं त्रिमूर्ति तुवर दाल के निर्माता

किन्ही रोड बायपास कारंजा लाड, जिला वाशीम
मो. 9423128333, पिन कोड-444105 (महाराष्ट्र)

सुंदरकांड पाठ का आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी समाज एवं सुंदरकांड समिति, कोयंबटूर ने दशहरा के उपलक्ष्य में गत 12 अक्टूबर को सायंकाल में अमित मण्डोवरा के निवास पर सामुहिक संगीतमय सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया। दामोदर सोमाणी, प्रकाश माहेश्वरी, अभिषेक बागड़ी, चंदा सोमाणी, विमला सोनी, लीला चांडक, मनोज गग्गड़, संगीता गग्गड़, गोविंद मण्डोवरा, नीतू मण्डोवरा, किरण मालाणी, सुरेश मालाणी, सुनीता भट्टड़ आदि उपस्थित थे। अंत में महाप्रसादी का वितरण किया गया।

पथ संचलन का किया स्वागत

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925–2025) के पूर्व वर्ष 2024 पर विजयादशमी स्थापना दिवस पर हजारों राष्ट्र भक्तों ने 'पथ संचलन' में कदम ताल मिलाकर भीलवाड़ा का भ्रमण किया। श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, हेड पोस्ट ऑफिस के यहां महंत बाबूगिरी जी महाराज के सान्निध्य में श्री राम कथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज, उपाध्यक्ष बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वर ईनानी, महासचिव पीयूष डाड, गोपाल अग्रवाल, रमेश बंसल, संरक्षक रमेश बांगड़, राजेश कुदाल सहित कई गणमान्यजनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

रात भर हजारों कीड़े खाने वाली छिपकली सुबह होते ही महापुरुषों की तस्वीर के पीछे छुप जाती है। यही चरित्र आज के इंसान का है।

अन्नदान का हुआ आयोजन

कोयंबटूर। विगत सप्ताह माहेश्वरी युवा परिषद के तत्वावधान में अन्नदान का आयोजन 'अन्नपुर्णेश्वरी देवी मंदिर', आर एस पुरम, कोयंबटूर के प्रांगण में संचालित वैदिक पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए किया गया। आवासीय पाठशाला में 40 से ज्यादा विद्यार्थी वैदिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अन्नदान के तहत चावल, दाल, चीनी आदि शुष्क खाद्य सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा परिषद के अध्यक्ष-गिरीराज फोमरा, भूतपूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम भुराड़िया, सदस्य रेणु भुराड़िया, सुनील एवं अन्नु पनपालिया, अभिषेक बागड़ी, रामबाबू कांकाणी, मनोज गग्गड़, इशिका फोमरा, तनीषा फोमरा आदी ने भाग लिया।

दिवंगत का किया श्राद्ध-तर्पण

इन्दौर। संस्था आनंद गोष्ठी के संयोजक लव गोविन्द मालू ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश के शहीदों, महापुरुषों, आर.एस.एस. के दिवंगत प्रचारकों, स्वयंसेवकों और भाजपा के दिवंगत नेताओं, कार्यकर्ताओं ब्रह्मलीन संतो, मनीषियों और आतंकी हमलों में दिवंगत हुए निर्दोष नागरिकों का 'कृष्णपुरा छत्री' पर श्राद्ध, तर्पण आचार्य पं. मनोज भार्गव (रामायणी) के सान्निध्य में किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी योगेन्द्र महन्त, वरिष्ठ भाजपा नेता जगमोहन वर्मा सहित कई गणमान्यजन, पुरुष एवं महिलाओं भाजपा कार्यकर्ताओं तथा संस्था के स्वयं सेवकों ने तर्पण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

'अपनों' की मदद में आगे आऐ 'अपने'

वाराणसी। प्रदेश के एक परिवार का एक सदस्य असाध्य रोग से पीड़ित है, जिसमें 14.50 लाख रूपए खर्च के अनुमान का प्रकरण सामने आया। समाज बन्धुओं को कार्यकर्त्ताओं से जैसे ही इस विषय की जानकारी मिली, कई महानुभावों ने नाम की चाहत किए बिना अपना सहयोग प्रदेश सभा अथवा प्रादेशिक ट्रस्ट में जमा करा दिया। सभी को ऐसा एहसास हो रहा था कि जैसे उनके परिवार में किसी सदस्य पर यह संकट आ गया है। 14.50 लाख (चौदह लाख पचास हजार) रूपए की राशि अपने प्रदेश के कार्यकर्त्ताओं द्वारा संग्रहित करने का एक उदाहारण प्रस्तुत हुआ। नैमिषारण्य अधिवेशन इस प्रयास की एक कड़ी है। उक्त जानकारी पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा ने दी।

दीप पर्व पर सभी समाज बन्धुओं
को हार्दिक शुभकामनाएँ

राजकुमार काल्या

राष्ट्रीय अर्थमंत्री
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

राष्ट्रीय अध्यक्ष (त्रयोदश सत्र)	राष्ट्रीय अध्यक्ष (द्वादश सत्र)	राष्ट्रीय महामंत्री (एकादश सत्र)	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष (दशम सत्र)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री (नवम सत्र)

संस्थापक ट्रस्टी - श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन
संस्थापक ट्रस्टी - शोर्य भवन जनोपयोगी सेवा केन्द्र, अयोध्या
संस्थापक ट्रस्टी - अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
संस्थापक ट्रस्टी - श्री नाकोडा पार्श्वनाथ भैरव मन्दिर ट्रस्ट
संरक्षक ट्रस्टी - एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन
प्रबंधकारिणी सदस्य - श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन
ट्रस्टी - अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट, कोटा
ट्रस्टी - अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट, मुम्बई
ट्रस्टी - बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र
ट्रस्टी - श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी
ट्रस्टी - श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल
ट्रस्टी - श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट
ट्रस्टी - अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट, दिल्ली
ट्रस्टी - श्री महेश जनसेवा ट्रस्ट, इंदौर

Realistic
Life Time Satisfaction

• Explosives • Real Estate • Mining • Finance • Agro Farming • Media • Water Park

Station Road, Gulabpura –311021, Distt. Bhilwara (Raj.) Ph. No. +91 1483 224203/04, rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office: 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara. 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

ख्यात समाजसेवी व उद्यमी आर.आर. ग्रुप के संचालक त्रिभुवन काबरा ने संगठन आपके द्वार के अन्तर्गत विदर्भ की तीन दिवसीय यात्रा की। इस दौरान उन्होंने अमरावती, अकोला, शेगांव, खामगांव और मलकापुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने समाजजनों से सम्पर्क कर संगठन की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान समाजजनों से मिले स्नेह से वे अत्यंत अभिभूत हुए। आईये जानें उनकी यात्रा की कहानी उन्हीं की जुबानी।

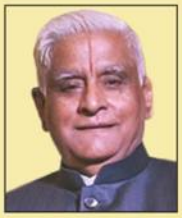

त्रिभुवन काबरा
(भाईजी)

मेरी त्रिदिवसीय 'संगठन आपके द्वार यात्रा'

इस यात्रा के दौरान मुझे ऐसा अनुभव हुआ जैसे चार धाम की यात्रा का सौभाग्य यहीं प्राप्त हो गया हो। इन स्थानों पर समाज के बंधुओं ने जिस प्रकार से मेरा आदर सत्कार किया, मुझे मान-सम्मान दिया, उसके लिए मेरे पास शब्दों की कमी पड़ रही है। मैं उन सभी समाज बंधुओ का ऋणी बन गया हूँ। मेरा निर्धारित कार्यक्रम तो शेंगांव जाने का ही था परंतु प्रभु की कृपा से 15 अक्टूबर को अमरावती से मेरी यात्रा का प्रारम्भ हुआ। अमरावती में समाज के बंधुओ एवं प्रेस - मीडिया के साथ वार्तालाप का अवसर प्राप्त हुआ। 'प्रतिदिन अखबार' के संस्थापक संपादक नानक आहूजा, संपादक श्री प्रवीण आहूजा, चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के अध्यक्ष श्री विनोद कलंत्री सहित अनेक महानुभावों से चर्चा हुई, जिसे 'क्वालिटी के भरोसे ही बिजनेस में मिलती है सफलता' इस शीर्षक के साथ 16 अक्टूबर के दैनिक प्रकाशन मे विस्तृत रूप से प्रकाशित किया गया।

15 तारीख को शाम को मुझसे समाज के कुछ बंधु मिलने आए एवं श्री महेश सेवा समिति, अमरावती की देखरेख मे बन रहे वृद्धाश्रम की चर्चा वहाँ उपस्थित समिति अध्यक्ष श्री आर. बी. अटल एवं उनकी टीम के साथ की। बातों बातों मे उन्होने बताया कि हमारी विधवा बहनों को उपयुक्त सहायता नहीं मिल रही है। तो मैंने हाथों-हाथ माहेश्वरी महासभा, मध्यांचल के संगठन मंत्री श्री दिनेश राठी को इस बारे मे सूचित करके योग्य कार्यवाही करने को कहा और उनका भी तुरंत जवाब आया कि 'भाईजी, यह कार्य हम यथाशीघ्र करेंगे'।

15 तारीख की रात मैं अकोला पहुंचा, वहा भी समाज के बंधु मुझसे मिलने आए और मेरा मान-सम्मान किया। फिर अगले दिन 16 अक्टूबर को मैं मेरे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए शेगांव पहुंचा, जहां पर श्री माहेश्वरी भवन के नवनिर्मित सभागृह के नामकरण के समारोह में मुझे प्रमुख अतिथि के रूप में बुलाया गया था। प्रभु कृपा से सभागृह के निर्माण में सहयोग देने का सौभाग्य हमारे काबरा परिवार को प्राप्त हुआ।इस सभागृह का नाम 'स्व. सौ. उमादेवी त्रिभुवनजी काबरा, वडोदरा सभागृह' रखा गया है। यहाँ पर समाज के करीब 400 समाजजन उपस्थित थे। लोगो ने मुझे जितना मैं नहीं हूँ, उससे कहीं अधिक आँका। शेंगांव की बात बिजली की तरह आगे से आगे पहुँचती गयी। आगे के मार्ग पर खामगांव के समाज बन्धुवों ने मुझे खामगांव में रुका कर वहाँ पर भी मेरा स्वागत किया। वहाँ पर भी 60 से अधिक समाजजन उपस्थित थे। करीब 2 बजे हमारे पास फोन आया कि हमे मलकापुर भी जाना है, तो मै 4 बजे मलकापुर पहुंचा और वहाँ जाकर देखता हूँ कि मेरे पहुँचने से पहले ही हॉल के गेट के बाहर एवं स्टेज के पास बड़ी संख्या मे लोग स्वागत के लिए उपस्थित थे। यहीं पर विदर्भ माहेश्वरी संगठन के भूतपूर्व अध्यक्ष मदन मालपानी से भी मुलाक़ात करने का अवसर प्राप्त हुआ।

संगठन आपके द्वार में इन विषयों पर हुई चर्चा

1. समाज की घटती जनसंख्याः आज हमारे समाज के लोगो की जनसंख्या मे निरंतर कमी हो रही है। महासभा ने तो तीसरे बच्चे के जन्म पर अनुदान राशि देने का प्रावधान भी किया हुआ है। हमारा पहला कर्तव्य है कि हमारे समाज के लोगो की जनसंख्या को बढ़ाएँ, नहीं तो हमारी हालत भी पारसी समाज की तरह हो जाएगी। इसके लिए माताओं को भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आजकल की ज़्यादातर बहुएँ सर्विस करती हैं।

2. संस्कार और परिवारः हम अपनी बच्चियों को खूब पढ़ा रहे हैं और पढाना भी चाहिए लेकिन साथ ही साथ हमे संस्कार सिंचन भी करना होगा। उनमे संस्कार एवं सद्भाव पैदा करना, लोगो को मान सम्मान देना जैसी अच्छी बातें हम उनको नहीं सीखा पा रहे हैं, जिसकी वजह से आज 'I AM SOMETHING'का अहम उनके अंदर पैदा होता है, जिससे 'EQUAL STATUS'की भावना को बढ़ावा मिलता है और फिर धीरे - धीरे अनबन होकर कुछ समय के बाद 'DIVORCE'। पश्चिम से हम सीख रहें हैं, PRE-WEDDING SHOOT, शादी से पहले मिलना जुलना एवं साथ मे रहना। कभी - कभी यह महसूस होता है कि इन वजहों से रिश्ता टूट जाता है। हम जानते हुए भी इन सभी चीजों के लिए बच्चो को मना नहीं कर पाते क्योंकि परिवार एवं समाज क्या है,उसका महत्व क्या है, उसके बारे मे हमने उनको सही तरह से नहीं बताया। हम यही कहते रहते हैं कि जमाना बदल गया। परंतु सच तो यह है कि हम बदल गए हैं। आजकल टीवी सीरियल और मोबाइल का बढ़ता उपयोग दोनों ही कहीं न कही इन बदलाव के लिए कारण है।

3. समाज के ट्रस्ट और उनकी जानकारीः समाज के लगभग 17 ट्रस्ट हैं परंतु इन ट्रस्ट्स की जानकारी समाज के सभी लोगों को नहीं है। इनकी जानकारी लोगो तक पहुंचाने की जवाबदारी तहसील एवं जिला स्तर के

पदाधिकारियों की है। मेरी सोच है कि समाज के हर बंधु को अच्छा खाना मिले, रहने के लिए मकान मिले और रोजगार के लिए उचित व्यवस्था मिले।

4. मेहनत और सही योजना: केवल मेहनत करने से ही जीवन की गाड़ी नहीं चल सकेगी, मेहनत के साथ – साथ बुद्धि एवं सही प्लानिंग को जोड़ देंगे तब जाकर गाड़ी चलेगी भी और दौड़ेगी भी। मेरा यह कहना है कि बुद्धि एवं प्लानिंग के साथ मेहनत करने की जरूरत है। मेरा क्या गोल है, मेरा क्या भविष्य है, इन सबका योग्य चिंतन करके हमें आगे कदम बढ़ाने चाहिए। हमारे बुजुर्ग लक्ष्मीजी की पूजा को ही अधिक महत्व देते थे, लेकिन आज के समय मे सरस्वतीजी का अधिक महत्व है। आज सरस्वती माता मतलब सही ई के द्वारा आप अपनी सफलता के द्वार खोल सकते हो। गूगल एवं टेक्नोलॉजी के माध्यम से हर उपयोगी जानकारी आज उपलब्ध है जिसका उपयोग करके आप प्रगति कर सकते हो। बड़ी बड़ी कंपनियाँ आपको चेनल फाइनेंस की व्यवस्था मुहैया करके देती है जिसकी मदद से कम लागत के साथ अधिक टर्नओवर एवं बड़ा व्यापार करने का मौका मिलता है। नवयुवक आज इन सेवाओ एवं आधुनिक टेक्नोलॉजी के सही उपयोग से सफलता के नए शिखर हासिल कर सकते हैं।

5. गुणवत्ता : भविष्य मे गुणवत्ता याने की 'क्वॉलिटी' एवं 'सर्विस' पर आपको विशेष ध्यान देने की जरूरत है, तभी आप व्यापार में लंबे समय तक टिक सकते हो। साथ ही साथ सही दाम का ध्यान रखते हुए आपको मार्केटिंग पर ध्यान देना होगा। मार्केटिंग यदि सही जगह पर पहुँच जाती है तो ब्रांड को एस्टाब्लिश करना है और जब एक बार ब्रांड एस्टाब्लिश हो जाता है तो फिर ग्राहक स्वयं आपके पास पहुँचते हैं।

6. टीम और ग्राहक : हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारे ग्राहक एवं हमारी टीम है। हमें यह सोचने एवं समझने की जरूरत है कि व्यापार सिर्फ 'मेरे' कारण से नहीं होता। जब तक आपके पास अच्छे ग्राहक एवं सही टीम नहीं होगी तब तक आपकी गति नहीं है। यदि मै हमारे परिवार की बात करूँ तो मेरी टीम में कुछ लोग ऐसे हैं जिनके साथ हमारे परिवार की तीसरी पीढ़ी काम कर रही है। तीन पीढ़ियों के इस समांतर टीमवर्क से और टीम पर भरोसा रखने से आज हमारी नींव इतनी मजबूत है। पारिवारिक एवं प्रोफेशनल जीवन का समन्वय करके हम अपने कार्य मे कैसे आगे बढ़े उसका चिंतन करके उसका इम्प्लीमेंट करना चाहिए। मुझे खुशी होती है कि हमारी इन्ही नीतियों की वजह से आज हम इतने आगे बढ़ पाएँ है। आप सभी से भी निवेदन है कि आप लोग भी इन नीतियों के अनुकरण पर चिंतन अवश्य करें।

7. व्यापार में विकास की सीढ़ी : जीवन मे बहुत ऊपर उठाने के लिए तीन हाई जंप बहुत जरूरी हैं। मेरा यह मानना है कि यदि आज आपका टर्नओवर '50लाख' है तो सबसे पहले उसको डबल '1 करोड़' करें (पहली हाई जम्प)। फिर तीन साल 25-30% की ग्रोथ से उसको मेंटेन रखें और चौथे साल उसे डबल '2करोड़' करें (दूसरी हाई जम्प)। फिर से आगे के तीन साल तक 25-30% की ग्रोथ से उसको मेंटेन रखें और चौथे साल उसे वापिस डबल (4 करोड़) करने के लिए तीसरी हाई जंप लें। इस जंप के बाद आपको अपने व्यापार मे पॉलिसी का पालन करवाना, टीम एवं सहयोगी लोगो को मोटीवेट करना इन बातों पर ध्यान देना चाहिए, प्रगति अपने आप होती रहेगी। इस उपलब्धि के बाद व्यापार के साथ-साथ देश एवं समाज सेवा के कार्यों मे लगना चाहिए।

8. व्यापार में ध्येय: आपने देखा होगा कि जो भी टॉप फाइव के बिल्डर, वकील, प्रोफेसर, डॉक्टर या अन्य कोई भी व्यावसायी होते हैं, लोग मधुमक्खी की तरह उनके इर्दगिर्द रहने की कोशिश करते हैं। इसका कारण है, उन लोगो की सोच, उनका बर्ताव, उनकी गुणवत्ता, उनकी सफलता का रिकॉर्ड एवं इन सबको मेंटेन रखने की उनकी आदत। इसीलिएआपका ध्येय हमेशा टॉप फाइव मे रहने का होना चाहिए।

9. जीवन का मतलब : इन सब बातों के बीच हमें यह सोचना चाहिए कि मैं कहाँ खड़ा हूँ और क्या लोग मुझे जानते हैं? मेरे जीवन का उद्देश्य केवल मैं, मेरी पत्नी और मेरा परिवार है? क्या इसमें समाज और देश भी शामिल हैं? किसी भी कार्य की शुरुआत हमें अकेले ही करनी पड़ती है, फिर धीरे-धीरे लोग उससे जुड़ते जाते हैं। यदि प्रभु आपको छोटा-बड़ा व्यापार या अच्छी नौकरी, रहने के लिए मकान, घूमने के लिए गाड़ी और इन सबका आनंद लेने के लिए अच्छा स्वास्थ्य देते हैं, तो हमें इन उपलब्धियों को जीवन का अंतिम लक्ष्य मानकर रुकना नहीं चाहिए। हमें प्रभु-सेवा और देश-सेवा में संलग्न होकर और ऊंचाईयों को प्राप्तकरने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी की यह इच्छा होनी चाहिए कि जब हम इस संसार से विदा लें,तो हंसते हुए जाएं और हमारे जाने के बाद दुनिया हमें हमारे द्वारा किए गए अच्छे कार्यों की वजह से सदैव याद रखे।

दीपावली एवं नव वर्ष की हार्दिक शुभकामना !!

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

आम तौर पर लक्ष्मीजी को धन-समृद्धि-सुख-ऐश्वर्य की देवी ही माना जाता रहा है जबकि ऋग्वेद के अनुसार लक्ष्मी सौभाग्य और धर्म की देवी है। तात्पर्य यही है कि यदि सौभाग्य है और धर्म भी शाश्वत् है तो लक्ष्मीजी की कृपा और सुख-ऐश्वर्य-धन-समृद्धि स्वत: ही सुलभ होते जाते हैं...

केवल धन और समृद्धि की देवी ही नहीं है

महालक्ष्मी

हमारे प्राचीन ऋषियों का प्रत्येक कार्य तप, ध्यान इत्यादि का उद्देश्य हमेशा शुभ एवं आध्यात्मिक समृद्धि के लिए होता था। तब लक्ष्मी का अर्थ जीवन के चार आयामों धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष के समन्वय से जीवन को परमतत्व के मार्ग पर ले जाना था अर्थात केवल धन और समृद्धि की देवी ही नहीं है महालक्ष्मी। हमारी सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद में भी लक्ष्मी देवी का उल्लेख आता है परंतु वहां लक्ष्मी का अर्थ धन की देवी नहीं, सौभाग्य एवं धर्म की देवी है, जो मानवीय लक्ष्य की ओर किया हुआ इशारा है। धन की उपयोगिता सीमित है। इस संसार में आप धन से सबकुछ नहीं प्राप्त कर सकते। न धन से आप माता-पिता खरीद सकते हैं, न प्रेम, न ज्ञान। ऐसा बहुत कुछ है जो धन से नहीं खरीदा जा सकता। परंतु सौभाग्य से आप जो चाहें वो प्राप्त कर सकते हैं। अथर्ववेद में भी लक्ष्मी को शुभता, सौभाग्य, संपत्ति, समृद्धि, सफलता एवं सुख का समन्वय बताया गया है। पुराणों में लक्ष्मी के आठ प्रकार बताए गए हैं जिन्हें 'अष्ट-लक्ष्मी' के नाम से संबोधित किया गया है। ये हैं आदिलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, धैर्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी एवं धनलक्ष्मी।

विभिन्न शक्तियों का मूल स्त्रोत भी माता लक्ष्मी

लक्ष्मी की उत्पत्ति समुद्र मंथन के समय मानी गई है। विभिन्न देवताओं की भिन्न-भिन्न शक्तियों का मूल स्त्रोत भी माता लक्ष्मी ही हैं। पुराणों कें अनुसार माता लक्ष्मी ने अग्निदेव को अन्न का वरदान दिया, वरुण देव को विशाल साम्राज्य का, सरस्वती को पोषण का, इंद्र को बल का, बृहस्पति को पांडित्य का इत्यादि-इत्यादि। इससे सिद्ध होता है कि माता लक्ष्मी की कृपा जिस पर भी हो जाए उसे नाना प्रकार के ऐश्वर्य, सुख, साधन, वैभव की प्राप्ति होती है। माता लक्ष्मी के हाथ में कमल है। शास्त्रों में कमल को ज्ञान, आत्म एवं परमात्म साक्षात्कार एवं मुक्ति का प्रतीक माना गया है। हमारा लक्ष्य जल-कमलवत् रहने की शिक्षा देना है। इसका अर्थ है कि समस्त ऐश्वर्य के बीच रहते हुए भी जीव को निर्लिप्त रखना। माता के दोनों ओर दो गज शक्ति का प्रतीक हैं। माता लक्ष्मी का वाहन उल्लू है जो अंधेरे में भली-भांति देखने में सक्षम है। इसका अर्थ है कि जब चहुंओर दुःख का अंधकार छाया हो तो माता की कृपा से हमारी दृष्टि सम्यक रहती है एवं हम अपना मार्ग सरलता से ढूंढ सकते हैं। माता लक्ष्मी के हाथ से हमेशा धनवर्षा होती रहती है जो इस बात की सूचक है कि हमें केवल धन का संग्रह ही नहीं करना है अपितु उसे वास्तविक सत्य-धर्म कार्य के लिए खर्च कर धर्मार्थ के मार्ग को सार्थक भी करना है।

विष्णु प्रिया हैं लक्ष्मीजी

माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को पति रूप में वरण किया है जो सर्वश्रेष्ठ हैं। लक्ष्मीजी विष्णुप्रिया हैं। माता सदा विष्णुजी के चरणों में रहती हैं। यह इस बात का द्योतक है कि धन आदि ऐश्वर्य सदा उत्तम पुरूषों के पास ही टिकता है जो विष्णु भगवान के गुण अपनाते हैं अर्थात सिर्फ लक्ष्मीजी की पूजा आराधना से लक्ष्मी नहीं आती। अधम पुरुष जो विष्णुजी के आचरण के विपरीत व्यवहार करते है उनको लक्ष्मीजी की प्राप्ति नहीं होती और यदि संयोगवश प्राप्ति हो भी जाए तो लक्ष्मीजी वहां हमेशा के लिए टिकती नहीं है। कलियुग में लक्ष्मी का वास नारी में कहा गया है। अतः कन्या के जन्म पर कहा जाता है कि लक्ष्मी जी पधारी हैं। विद्वानों का ये भी कहना है कि यदि हम कन्या के अवतरण पर निराश हो जाते हैं तो लक्ष्मी उल्टे पांव लौट जाती है। जिस घर में नारी का आदर होता है, वहां माता लक्ष्मी की विशेष कृपा होती है एवं जहां नारी का अनादर होता है, वहां से लक्ष्मी का पलायन हो जाता है। माता लक्ष्मी की कृपादृष्टि हेतु समस्त नारी जाति का सम्मान करना अत्यावश्यक है। चूंकि माता लक्ष्मी समस्त प्रकार के ऐश्वर्य की प्रदात्री हैं इसलिए माता लक्ष्मी को केवल धन की देवी मानने की भूल न करें।

जहाँ नारी की पूजा वहाँ लक्ष्मी जी का निवास

यदि आप चाहते हैं कि दीपावली पर माता महालक्ष्मी को इस तरह प्रसन्न करें जिससे सुख समृद्धि की आपके परिवार पर वर्षा हो, तो शास्त्रोक्त पूजा के साथ कुछ उपाय भी जरूरी हैं। इसमें सबसे प्रथम है, गृहलक्ष्मी की प्रसन्नता। याद रखें शास्त्र वचन है, ''यस्य नार्यस्तु पूज्यंते'' अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ लक्ष्मी का वास होता है। वास्तव में देखा जाऐ तो यहाँ इस वचन का सम्बंध सुखी दाम्पत्य से भी है। आपका दाम्पत्य जीवन स्नेहिल, सुगंधित और पुष्पित हो, इसके लिए आवश्यक है कि आप अपनों से आत्मीय रूप से जुड़ें, एक-दूसरे को अपनाएं। दाम्पत्य जीवन में उस लड़की को मान-सम्मान दें, जो सब कुछ छोड़कर आपके घर-संसार में आकर मिल गई है। आप उसका जितना आदर करेंगे, वह आपके प्रति, आपके परिवार के प्रति उतनी ही अधिक समर्पित होगी। समर्पण का यह भाव ही दाम्पत्य जीवन का आदर्श है।

समुद्र मंथन से प्राप्त लक्ष्मी यों तो भगवान विष्णु के हृदय स्थल में रहती है किंतु देवताओं के राजा इंद्र, भक्त प्रहलाद और श्रीकृष्ण की पटरानी रूक्मिणी से हुए संवाद में लक्ष्मी जी खुद बता रही हैं कि वे कहाँ-कहाँ रहती है और कहाँ-कहाँ नहीं रहती हैं-

समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों में सर्वश्रेष्ठ हैं महालक्ष्मी

विष्णु समृद्धि की देवी लक्ष्मी के स्वामी हैं

पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से 14 रत्न निकले थे। लक्ष्मी इनमें से एक हैं, जिन्हें विष्णु ने ग्रहण किया था। लक्ष्मी कभी विष्णु से अलग नहीं होती। उन्होंने स्वयं विष्णु को पति के रूप में चुना है और वे सदा उनके वक्षस्थल में निवास करती हैं। प्राचीन साहित्य में उल्लेख है कि विष्णु भक्तों को धन प्रदान करते हैं। धन और ऐश्वर्य से संबंध होने के कारण विष्णु समृद्धि की देवी लक्ष्मी के स्वामी हैं। 'विष्णु पुराण' में कहा गया है कि लक्ष्मी समृद्धि हैं और उसको धारण करने वाले विष्णु श्रीपति हैं। लक्ष्मी स्वर्ण वर्ण की, चार भुजाओं वाली, सदैव युवती एवं सुंदरी के रूप में विद्यमान रहने वाली देवी हैं जो धन की अधिष्ठात्री हैं। समृद्धि, संपत्ति, आयु, आरोग्य, परिवार, धन-धान्य की विपुलता आदि की प्राप्ति के लिए लक्ष्मी की उपासना की जाती है। पुराणों में वर्णित लक्ष्मी कमल पर विराजित हैं, उनके हाथों में कमल है और वे कमल-पुष्पों की माला धारण करती हैं। ऐरावत हाथी द्वारा स्वर्णपात्र में लाए गये जल से वे स्नान करती हैं। महाभारत में लक्ष्मी के 'विष्णुपत्नी लक्ष्मी' एवं 'राजलक्ष्मी' दो रूप बताये गये हैं। इनमें से पहली लक्ष्मी हमेशा विष्णु के साथ रहती हैं और राजलक्ष्मी पराक्रमी व्यक्ति का वरण करती हैं।

ब्रह्मवैवर्तपुराण के अनुसार श्रीकृष्ण के वामभाग से उत्पन्न

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' में लक्ष्मी की पुनः उत्पत्ति की रोचक कथा प्राप्त होती है। सृष्टि के पहले रासमण्डल में श्रीकृष्ण के वाम भाग से लक्ष्मी की उत्पत्ति हुई थी। ये देवी परम सुन्दरी थीं। उत्पन्न होते ही ये दो रूपों में विभक्त हो गयी। ये दोनों मूर्तियाँ अवस्था, आकार, भूषण, सुंदरता आदि सभी बातों में समान थी। एक मूर्ति का नाम लक्ष्मी और दूसरी मूर्ति का नाम राधा है। लक्ष्मी वाम (बायें) भाग से उत्पन्न हुई और राधिका दक्षिण (दाहिने) भाग से। इन दोनों मूर्तियों की अभिलाषा पूर्ण करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपने दाहिने भाग से दो भुजाओं वाला तथा बायें भाग से चार भुजा वाला रूप धारण किया। द्विभुज मूर्ति राधाकांत और चतुर्भुज मूर्ति नारायण हुई। श्रीकृष्ण तो राधा तथा गोप-गोपियों को लेकर वहीं रह गये और नारायण लक्ष्मी को लेकर वैकुंठ चले गए। वैकुंठ में ही उनका रहना निश्चित हुआ। लक्ष्मी नारायण को अपने वश में करके सब रमणियों में प्रधान हो गईं। ये देवी लक्ष्मी, स्वर्ग में इंद्र की संपत्तिरूपिणी स्वर्ग लक्ष्मी के रूप में, पाताल और मृत्युलोक के राजाओं के पास राजलक्ष्मी के रूप में, गृहस्थों के यहां गृहलक्ष्मी के रूप में, चंद्र, सूर्य, अलंकार, रत्न, फल, महारानी, अन्न, वस्त्र, देव प्रतिमा, मंगल, घर, हीरा, चंदन, नूतन, मेघ आदि में शोभारूप से विद्यमान रहती हैं। देवी लक्ष्मी ही शोभा का आधार है। जिस स्थान पर लक्ष्मी नहीं है, वह स्थान शोभा शून्य है।

भारतीय गुणों वालों के यहाँ रहती हैं लक्ष्मी

▸▸ **लक्ष्मी-प्रह्लाद संवाद -** असुरराज प्रह्लाद ने एक ब्राह्मण को अपना शील प्रदान किया, जिस कारण क्रमानुसार उसका तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवम अंत में उसकी लक्ष्मी उसे छोड़कर चले गए। तत्पश्चात लक्ष्मी ने प्रह्लाद को साक्षात दर्शन देकर कहा 'तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवं शील आदि मानवीय गुणों में मेरा निवास रहता है, जिनमें शील अथवा चरित्र मुझे सबसे अधिक प्रिय है। इसी कारण श्रेष्ठ आचरण करने वाले पुरुष के यहां रहना मैं सबसे अधिक पसंद करती हूं।'

▸▸ **लक्ष्मी-इंद्र संवाद -** असुरराज प्रह्लाद के समान उसके पौत्र बलि का भी लक्ष्मी ने त्याग किया। बलि का त्याग करने के कारणों को इंद्र से बताते हुए लक्ष्मी ने कहा, 'पृथ्वी के सारे निवास स्थानों में से भूमि (वित्त), जल (तीर्थादि), अग्नि (यज्ञादि) एवं विद्या (ज्ञान) ये चार स्थान मुझे अत्यधिक प्रिय हैं।' लक्ष्मी ने आगे कहा, 'चोरी, वासना, अपवित्रता एवं अशांति से मैं अत्यधिक घृणा करती हूं, जिनके कारण क्रमशः भूमि, जल, अग्नि एवं विद्या में स्थित प्रिय निवास स्थानों का भी मैं त्याग कर देती हूं।'' दैत्यराज बलि ने उच्छिष्ट भक्षण (जूठा भोजन) किया एवं देव ब्राह्मणों का विरोध किया, इसी कारण अत्यंत प्रिय होते हुए भी लक्ष्मी ने उसका त्याग कर दिया।

▸▸ **लक्ष्मी-रुक्मिणी संवाद -** लक्ष्मी के निवास स्थान से संबंधित एक प्रश्न युधिष्ठिर ने भीष्म से पूछा था जिसका जवाब देते समय भीष्म ने लक्ष्मी एवं रुक्मिणी के बीच हुए एक संवाद की जानकारी युधिष्ठिर को दी। इस कथा के अनुसार लक्ष्मी ने रुक्मिणी से कहा था-'सृष्टि के सारे लोगों में प्रगल्भ, भाषण कुशल, दक्ष, निरलस (जो आलसी न हो), आस्तिक, अक्रोधन, कृतज्ञ, जितेंद्रिय, वृद्धजनों की सेवा करने वाले (वृद्ध सेवक), सत्यनिष्ठ, शांत स्वभाव वाले एवं सदाचारी लोग मुझे सबसे अधिक प्रिय हैं, जिनके यहां रहना मुझे प्रिय है। निर्लज्ज, कलहप्रिय, निंद्राप्रिय, मलिन, अशांत एवं असावधान लोगों का मैं अतीव तिरस्कार करती हूं, जिस कारण ऐसे लोगों का मैं त्याग करती हूं। महाभारत में अन्यत्र प्राप्त उल्लेख के अनुसार गायों एवं गोबर में भी लक्ष्मी का निवास रहता है।

लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' के अनुसार अपना राज्य छिन जाने पर इन्द्र ने लक्ष्मी की उपासना कर अपनी खोई हुई सम्पत्ति प्राप्त की थी। ब्रह्मा ने इन्द्र को लक्ष्मी की उपासना के लिए द्वादशाक्षर मन्त्र का उपदेश दिया था। वह मन्त्र है ''श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा''। इस मन्त्र का विधिपूर्वक दस लाख जप करने से इन्द्र को सिद्धि प्राप्त हुई। कुबेर ने भी इस मन्त्र द्वारा समस्त ऐश्वर्य को प्राप्त किया।

बढ़ते विकास और तकनीकी संसाधनों ने कार्य प्रबंधन को भी प्रभावित किया है। जो काम घंटों में किया जाता था उसे सचेत मस्तिष्क और ऊर्जा के साथ समय प्रबंधन कर मिनटों में किया जा सकता है। इचलकरंजी (महा.) निवासी टाईम मैनेजमेंट कोच अखिल बाहेती इस आलेख में बता रहे हैं कि कैसे कम समय में पूरा और अच्छा काम किया जा सकता है।

उन्नति की सीढ़ी समय प्रबंधन

अखिल बाहेती
इचलकरंजी

दस मिनिट का चमत्कार-बन जाओ प्रोडक्टिव निन्जा

प्रोडक्टिविटी एक ऐसा टूल है, जो हमें हमारे गोल्स को प्राप्त करने में मदद करता है। लेकिन कई बार, हम अपने कार्यों को इतना बड़ा और चुनौतीपूर्ण समझते हैं कि हम उन्हें शुरू करने से ही डर जाते हैं। यही कारण है कि 'दस मिनट का चमत्कार' यह सिद्धांत इतना प्रभावी है। यह सिद्धांत कहता है कि यदि आप किसी कार्य को छोटे-छोटे दस मिनट के टुकड़ों में विभाजित करें, तो आपको उस कार्य को पूरा करने में आसानी होगी और आप अधिक प्रोडक्टिव महसूस करेंगे।

कैसे काम करता है दस मिनट का चमत्कार?

आपको अगर कहा जाए की 100 पीसेज वाले पजल को एक ही बार मे जोड़ना है तो हमें एक प्रेशर सा महसूस होगा और उसे पूरा करने में अधिक समय लग जायेगा, वहीं पर आपको कहा जाए की एक बार मे बस 5 पीस को जोड़ना है, तो वह हमें बेहद आसान लगेगा। मानव मन की इसी प्रवृत्ति पर यह सिद्धांत आधारित है। हम अक्सर बड़े कार्यों को देखकर अभिभूत हो जाते हैं और हमे लगता है कि उन्हें पूरा करने के लिए बहुत अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है। लेकिन जब हम किसी कार्य को छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित करते हैं, तो यह हमें कम चुनौतीपूर्ण और अधिक प्रबंधनीय लगता है। हम सोचते हैं, 'मैं सिर्फ दस मिनट के लिए काम कर लूंगा या कर लूंगी।' और जब हम दस मिनट के बाद देखते हैं, तो हम अक्सर पाते हैं कि हमने उस कार्य को पूरा कर लिया है या कम से कम उसमें काफी प्रगति कर ली है।

दस मिनट के चमत्कार का लाभ

- **अधिक उत्पादकता:** दस मिनट के छोटे-छोटे टुकड़ों में काम करने से आप अधिक प्रोडक्टिव बन सकते हैं। आप कम समय में अधिक काम पूरा कर पाएंगे।
- **कम तनाव:** बड़े कार्यों को छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित करने से आप तनाव कम महसूस करेंगे। आपको लगता है कि आप स्वयं के नियंत्रण में हैं और आप अपने गोल्स को प्राप्त कर सकते हैं।
- **बढ़ा हुआ आत्मविश्वास:** जब आप दस मिनट के छोटे-छोटे टुकड़ों में काम करते हैं और देखते हैं कि आप उस कार्य को पूरा कर सकते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।
- **बेहतर फोकस:** दस मिनट के छोटे-छोटे टुकड़ों में काम करने से आपको बेहतर फोकस करने में मदद मिलती है। आपको अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय नहीं लगाना पड़ता।

दस मिनट का चमत्कार कैसे लागू करें

- **अपने कार्यों को छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित करें:** अपने बड़े कार्यों को छोटे-छोटे, प्रबंधनीय टुकड़ों में विभाजित करें।
- **समय सीमा निर्धारित करें:** प्रत्येक छोटे कार्य के लिए एक समय सीमा निर्धारित करें।
- **टाइमर सेट करें:** एक टाइमर सेट करें और उस समय सीमा के लिए काम करें।
- **विराम लें:** प्रत्येक कार्य के बाद एक छोटा विराम लें ताकि आप ताज़ा महसूस करें।
- **प्रगति का ट्रैक रखें:** अपनी प्रगति का ट्रैक रखें ताकि आप देख सकें कि आप कितना दूर आ गए हैं।

दस मिनट का चमत्कार एक शक्तिशाली उपक्रम है जो आपको अधिक प्रोडक्टिव बनने में मदद कर सकता है। आप भी निन्जा की तरह जल्दी से अपने सारे काम पूर्ण करना शुरू कर देंगे!

इसे आज ही अपने जीवन में लागू करें और देखें कि यह आपके लिए क्या कर सकता है। याद रखें, छोटे-छोटे कदम बड़े परिणाम ला सकते हैं।

कोई तिथि से अपना जन्मदिन मनाता है तो कोई स्कूल में लिखी गयी अपनी जन्मतारीख, से तो कोई जन्मतिथि पर नियत तारीख पर। जन्मदिन के इस झमेले से कई लोग दो चार होते होंगे। श्रीमती मधुजी बाहेती का आलेख जन्मदिन का गड़बड़झाला आपमें से कईयों को ऐसी अनुभूति दे सकता है।

मधु बाहेती, कोटा

जन्मतारीख का गड़बड़झाला

हमारा जमाना भी क्या जमाना था। बचपन में घर बाहर में ही धूम धमाचौकड़ी करते रहते और पांच बरस के होते होते फिर कहीं स्कूल की बात माता-पिता को याद आती थी। स्कूल भी सरकारी होते थे और बस घर में से कोई भी जाकर प्रवेश करा देता था। हमारे साथ भी यही हुआ। हमारी उम्र के सभी लोगों के साथ लगभग यही हुआ है। पिताजी ने एक भाई को कह दिया कि इसका स्कूल में नाम लिखा दो, अंगुली पकड़कर हम चल दिये स्कूल। हेडमास्टर/मास्टरनी ने कहा कि फार्म भरो। फार्म में पूछा गया कि जन्मतारीख क्या है? अब भाई को कहाँ याद जन्मतारीख क्या है? पहले की तरह हैपी बर्थडे का रिवाज तो था नहीं। बस माँ ने बताया कि फलां तिथि पर हुई थी। भाई को जो याद आया वह लिखा दिया गया। तारीख भी और वर्ष भी। आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ होगा। हमारी पढ़ाई शुरू हो गयी, एक जन्म तारीख हमारी भी लिख दी गयी, कागजों पर।

लेकिन जब दसवीं कक्षा में पहुँचे तब पता लगा कि हम दसवीं की परीक्षा नहीं दे सकते क्योंकि उम्र कम है। पिताजी पढ़ाई के प्रति जागरूक थे तो आनन-फानन में नए कागजात मय जन्मपत्री बनाई गयी और अब हमारी जन्म तारीख बदल गयी।

माँ कहती कि तुम्हारा जन्म नवरात्रों की दूज को हुआ है और स्कूल कहता कि 11 महीने पहले सितम्बर में हुआ है। जैसे-जैसे हम बड़े हो रहे थे, जन्मदिन मनाने की प्रथा भी बड़ी हो रही थी। हमें लगता कि हमे तो माँ ने जो बताया है उसे ही जन्मदिन मानेंगे लेकिन स्कूल में जो दर्ज था लोग उसी दिन बधाई दे देते। इतना ही नहीं तिथि तो अपनी गति से आती और अंग्रेजी कलेण्डर से आगे-पीछे हो जाती, अब तिथि और तारीख में भी झगड़ा होने लगा हमने फिर पंचांग का सहारा लिया और असली तारीख ढूंढ ही डाली। वास्तविक जन्मपत्री भी मिल गयी तो तारीख पक्की हो गयी।

लेकिन कठिनाई यह है कि सरकारी कागजों में जन्म तारीख कुछ और है और हमारे मन में कुछ और सरकारी कागजों की तारीख याद रहती भी नहीं, लेकिन कभी-कभी अचानक से कोई कह देता है कि जन्मदिन की बधाई तो हम बगलें झांकने लगते हैं कि आज? आपके साथ भी होता ही होगा। कल ऐसा ही हुआ, चुनाव आयोग का बीएलओ आया। उसने कहा कि मतदाता सूची आनलाइन हो रही है तो आपको कुछ बदलाव कराने हों, वे करा सकती हैं। जन्म तारीख की जब बात आयी तो ध्यान आया कि यहाँ तो सरकारी ही लिखवानी है। मैंने बताया कि 14 सितम्बर तो वह युवा एकदम से बोल उठा कि अभी से जन्मदिन की बधाई दे देता हूँ। मैं चौंकी, लेकिन मुझे ध्यान आ गया और उसकी बधाई स्वीकार की।

ऐसा ही एक बार अमेरिका के इमिग्रेशन ऑफिसर के सामने हुआ। उसने आने का कारण पूछा, मैंने कहा कि बेटे से मिलने आयी हूँ। फिर वह बोला कि ओह आपका जन्मदिन सेलीब्रेट होने वाला है, मैं एक बार तो चौंकी लेकिन दूसरे क्षण ही मुझे ध्यान आ गया और उसकी हाँ में हाँ मिलाकर आ गयी। यदि मुझे तारीख का पता नहीं होता तो शायद वह मुझे वापस भेज देता कि कागजों में गड़बड़ है।

लेकिन ठाट भी हैं कि मैं जब चाहे बधाई स्वीकार कर लेती हूँ, ज्यादा सोचने का नहीं। कौन से जन्मदिन पर तीर मारने हैं। ना तो हम अनोखे लाल हैं जो हमने धरती पर आकर किसी पर अहसान किया है और ना ही हमारे जाने से धरती खाली हो जाएगी। लेकिन जन्मदिन मनाते समय एहसास जन्म लेता है कि चलो एक दिन ही सही, कोई हमें विशेष होने का अवसर तो देता है। नहीं तो हमारे आने की सूचना थाली बजाकर भी नहीं दी गयी थी और ना ही किन्नर आए थे नाचने। लेकिन माँ बहुत खुश थी, पिताजी भी खुश थे। हम उन्हीं की खुशी लेकर बड़े होते रहे और अब अपने जमाने की रीत के कारण दो-तीन जन्मदिन मना लेते हैं। सोच लेते हैं कि क्या कुछ अच्छा कर पाए या यूँ ही बोझ बढ़ाते रहे। अभी बधाई मत देना, अभी जन्मदिन दूर है।

With Best Compliments from

SHREE BALAJI OIL MILLS

Off. "Ganpati Prasas" Marwadi lane, Erandol Dist. jalgaon
Phone : 91+2588-44452, 44453, Fax : 91+2588-44055
Factory: Mahswad Road, Erandol. Dist. Jalgaon, 425109
Phone : Fact 91+2588-44451, 54, 55

शनि, सूर्य, राहु, 12 वें भाव का स्वामी एवं राहु अधिष्ठित राशि का स्वामी इन पांच विच्छेदात्मक ग्रहों में से किन्हीं दो या अधिक ग्रहों की युति अथवा दृष्टि संबंध जब सप्तम भाव अथवा उसके स्वामी से होता हो तो विवाह में अनावश्यक विलंब होता है। आईये विस्तार से जानें कैसे बनती है, यह स्थिति और क्या है, इनका उपाय?

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर

बिटिया के विवाह में विलंब कारण और निवारण

विवाह योग्य बिटिया की शादी में अनावश्यक बिलंब के कारण माता-पिता का चिंतातुर होना स्वाभाविक है। ज्योतिषीय कारण जातक की शादी में बिलंब के लिए प्रमुख रुप से उत्तरदायी होते हैं। यदि बिटिया की शादी तय होने में बार-बार रुकावट आ रही हो तो शादी से संबंधित बाधक ग्रह-योगों के उपाय करने से शादी के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा होकर शीघ्र उत्तम घर व वर मिलने में मदद मिलती हैं।

कुंड़ली में विवाह का विचार मुख्यतः सातवें भाव, सप्तमेष, लग्नेश, शुक्र एवं गुरु की स्थिति को ध्यान मे रखकर किया जाता है। सप्तम भाव इसलिए, क्योंकि कुंडली में विवाह से संबंधित भाव यही है। सप्तमेश को देखना इसलिए आवश्यक है क्योंकि वही इस भाव का स्वामी होगा। कन्या की कुंडली में गुरु की स्थिति प्रमुख रुप से विचारणीय होती है क्योंकि उनके लिए गुरु पति का स्थायी कारक है। लग्नेश का सप्तमेष एवं पंचमेष के साथ संबंध भी विवाह को प्रभावित करता है। विवाह संबंधी प्रश्नों में लग्न कुंडली, चन्द्र कुंडली तथा नवमांश कुंडली तीनों से ही विचार करना चाहिए। जन्म कुंडली में कुछ ऐसे योग होते हैं जो जातिका के विवाह में विलंब का कारण बनते हैं।

विवाह में विलंब के कारण

जन्म कुंडली में शुक्र वैवाहिक सुख से संबंधित है। वहीं महिलाओं के लिए गुरु पति, पुत्र तथा धन का प्रतिनिधि ग्रह है। अतः पति सुख के लिए महिलाओं की कुंडली में गुरु की स्थिति विचारणीय है। स्त्री की कुंडली में सप्तम भाव में शनि या चौथे भाव में मंगल आठ अंश तक हो तो विवाह में बाधा आती है। इसी प्रकार स्त्री कुंडली में सप्तम भाव के स्वामी के साथ शनि बैठा हो तो विवाह बडी आयु में होता है। सातवें भाव में शनि हो और कोई पापी ग्रह उसे देखता हो तो उसका विवाह काफी मुश्किल से होता है। शनि, सूर्य, राहु, 12वें भाव का स्वामी (द्वादशेष) तथा राहु अधिष्ठित राशि का स्वामी (जैसे राहु मिथुन राशि में बैठा हो तो, मिथुन का स्वामी बुध राहु अधिष्ठित राशि का स्वामी होगा) यह पांच ग्रह विच्छेदात्मक प्रवृति के होते हैं। इनमें से किन्हीं दो या अधिक ग्रहों की युति अथवा दृष्टि संबंध जन्म कुंडली के जिस भाव/भाव स्वामी से होता है तो उसे नुकसान पहुंचाते हैं। अतः सप्तम भाव अथवा उसके स्वामी को इन ग्रहों द्वारा प्रभावित करने पर विवाह मे विलंब हो सकता है तथा दाम्पत्य जीवन में कटुता आती है। सप्तम भाव, सप्तमेश और द्वितीय भाव पर क्रूर ग्रहों का प्रभाव वैवाहिक जीवन में क्लेश उत्पन्न करता है। शुक्र की नेष्ट स्थिति हो, वह सप्तमेश होकर पाप प्रभाव में हो, नीच व शत्रु नवांश का या षष्ठांश में हो तो विवाह में विलंब तथा दाम्पत्य सुख में बाधा आती है। राहु-केतु सप्तम भाव में हों व उसकी क्रूर ग्रहों से युति हो या उस पर पाप दृष्टि हो, तो विवाह मे विलंब होता है तथा दाम्पत्य जीवन तनाव पूर्ण होता है।

ये भी हैं विलम्ब के कारण

घर-परिवार के मुखिया की कुंडली में ग्रहदोष, पितृदोष आदि के कारण संतान के विवाह में अनावश्यक विलंब होता है, घर में सम्पन्नता नहीं आ पाती है। ऐसी स्थिति में पितृदोष आदि की शांति करा लेनी चाहिए। विवाह में बाधक ग्रहों की शांति, जप आदि कराने से विवाह शीघ्र होता है। कन्या की कुंडली में विवाह में विलंब के कुछ प्रमुख योग इस प्रकार हो सकते हैं।-

- विवाह से संबंधित सातवें भाव का स्वामी शुभ युक्त न होकर 6, 8, 12वें भाव में हो और नीच या अस्त हो, तो जातक के विवाह में विलम्ब हो सकता है। यदि 6, 8, 12वें भाव का स्वामी सप्तम भाव में विराजमान हो, उस पर किसी ग्रह की शुभ दृष्टि न हो या किसी ग्रह से उसका शुभ योग न हो, तो विवाह मे विलंब तथा वैवाहिक सुख मे बाधा आती है।
- लग्न में सूर्य बैठा हो और शनि स्वग्रही (मकर या कुंभ राशि में) होकर सप्तम भाव में विराजमान हो तो विवाह विलंब से होता है।
- सप्तमेश वक्री हो व शनि की दृष्टि सप्तमेश व सप्तम भाव पर पड़ती हो तो विवाह में विलंब होता है।
- सप्तम भाव व सप्तमेश पाप कर्त्तरी योग में हों तो विवाह विलंब से होता है।

- शनि, सूर्य अथवा चन्द्रमा से युत या दृष्ट होकर लग्न या सप्तम भाव में स्थित हो, सप्तमेश कमजोर हो, तो विवाह में विलंब होता है।

यह करें उपाय

सर्व प्रथम विवाह में बाधक ग्रहों की पहचान कर उस ग्रह से संबंधित व्रत, दान, जप आदि करने चाहिए। पितृ शांति कराएं। पति के कारक ग्रह गुरु के व्रत विशेष लाभकारी होते हैं। इस दिन हल्दी मिश्रित जल केले को चढ़ाएं, घी का दीपक जलाएं तथा गुरु मंत्र *'ॐ ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः'* का जप करें। गुरुवार को पके केले स्वयं नहीं खायें। इनका दान करें। विवाह योग्य कन्या को मकान के वायव्य दिशा में सोना चाहिए। इसके अलावा अपनी राशि के अनुसार उपाय करें, शीघ्र विवाह के अवसर प्राप्त होगें।

उत्तम वर प्राप्ति हेतु मंत्र साधना

- *'ॐ क्लीं विष्वासुर्नाम गन्धर्वः। कन्यानामधिपतिः लभामि। देवदत्तो कन्यां सुरूपां सालकारां तस्मै विष्वासवै स्वाहा।।'* गुरुवार को किसी शुभ योग में इस मंत्र का फिरोजा की माला से पांच माला जप करें। यह क्रिया ग्यारह गुरुवार करें, उत्तम वर व घर शीघ्र मिलेगा।
- *"ॐ ह्रीं कुमाराय नमः स्वाहा।'* सात सोमवार तक नियमित रुप से पारद शिवलिंग के सम्मुख इस मंत्र की 21 माला का जप प्रत्येक सोमवार को करें। योग्य वर के साथ शीघ्र विवाह के योग बनेगें।
- *'ॐ बहि प्रेयसी स्वाहा।'* महाविद्या भुवनेश्वरी यंत्र के सम्मुख इस मंत्र का सवा लाख जप करें, उत्तम वर से शीघ्र विवाह के योग बनेगें।
- *"कात्यायिनी महामाये महायोगिनीधीश्वरी। नन्द-गोपसुतं देवि! पतिं मे कुरु ते नमः।।"* मां पार्वती के चित्र के सामने, पूजा करने के पश्चात इस मंत्र की ग्यारह माला का जप करें। यह क्रिया 21 दिनों तक नियमित रुप से करें, मां पार्वती मनोवांछित वर प्रदान करेंगी।
- *'ॐ लक्ष्मीनारायणाय नमः।'* गुरुवार का व्रत करें, स्नान के जल में तीन चुटकी हल्दी अवश्य मिलाएं। पीले पुष्प, पीला प्रसाद व पीले फल मां लक्ष्मी व भगवान विष्णु को अर्पित कर इस मंत्र की ग्यारह माला जप करें। ऐसा हर गुरुवार को करते रहें, उत्तम वर के साथ विवाह शीघ्र होगा।

वर प्राप्ति के राशिगत उपाय

मेष: सप्तम भाव के स्वामी, शुक्र की नेष्ट स्थिति होने पर शुक्रवार को दुर्गा जी की मूर्ति अथवा चित्र पर लाल पुष्प अर्पित करें तथा घी का दीपक जलाकर इस मंत्र का स्फटिक की माला से 108 बार जप करें। मंत्र - *हे गौरि! शंकरार्धांगि। यथा त्वं शंकर प्रिया। तथा मां कुरु कल्याणि कान्तकान्तां सुदुर्लभाम्।।*

वृष: सप्तमेश मंगल के व्रत, दान करें। *"कात्यायिनी महामाये महायोगिनीधीश्वरी। नन्द-गोपसुतं देवि! पतिं मे कुरु ते नमः।।"* मंत्र का जप करें।

मिथुन: सप्तमेश गुरु की प्रिय वस्तुओं का दान करें। गुरुवार का व्रत करें। *'ॐ देवेन्द्राणि! नमस्तुभ्यं देवेन्द्र प्रियभामिनि। विवाहं भाग्यमारोग्यं शीघ्रलाभं च देहि मे।।'*

कर्क: सप्तमेश शनि की शांति के लिए शनिवार का व्रत करें और *'ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः'* मंत्र का जप करें। दूध में काले तिल मिलाकर सोमवार को शिवजी पर चढ़ाएं। *'ॐ हिरण्यगर्भाय अव्यक्तरूपिणे नमः' मंत्र का जप करें।*

सिंह: आपका सप्तमेश शनि है। अतः शनिवार का व्रत करें, शनि की प्रिय वस्तुओं का दान करें, लोहवान युक्त बत्ती बनाकर सरसों के तेल का दीपक संध्या के समय पीपल वृक्ष के नीचे जलाएं। *'ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः'* मंत्र का प्रत्येक शनिवार को जप करें। इसके अतिरिक्त *"ऐं श्रीं क्लीम् नमस्ते महामाये महायोगिन्धीश्वरी। सामान्जस्यम सर्वतोपाहि सर्व मंगल कारिणीम्।।"* मंत्र का यथा शक्ति जप करें।

कन्या: *"ॐ सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते।।"* मंत्र का जप करें। कुल देवता तथा पितृश्वरों की पूजा करें। सप्तमेश गुरु के दान, मंत्र तथा व्रत गुरुवार को करें।

तुला: सप्तमेश मंगल के व्रत, दान तथा जप करें। *'ॐ ह्रीं गौर्यै नमः।।'* मंत्र के यथा शक्ति जाप करें।

वृश्चिक: विजया सुंदरी मंत्र *"ॐ विजया सुंदरी क्लीं।।"* का प्रत्येक शुक्रवार को 108 बार जप करें। सप्तमेश शुक्र के मंत्र *"ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः।।"* का जप करें।

धनु: सप्तमेश बुध का व्रत करें, बुध की प्रिय वस्तुओं का दान करें। *'हे माते! त्वं शक्तिस्त्वं स्वाहा त्वं सावित्री सरस्वती। पतिं देहि गृहं देहि सुतान् देहि नमोऽस्तुते।।* मंत्र का यथा शक्ति जाप करें।

मकर: शीघ्र विवाह के लिए सप्तमेश चन्द्रमा की शांति हेतु सोमवार का व्रत करें और पारद शिवलिंग का दूध, दही, घी, शहद तथा शक्कर से अभिषेक करें। *"ॐ षं शंकराय सकल जन्मार्जित पापविध्वंसनाय। पुरुषार्थचतुष्टयलाभाय च पतिं देहि कुरु कुरु स्वाहा।।"* मंत्र का जप करें।

कुंभ: आठवें भाव में स्थित होकर गुरु अशुभ प्रभाव दे रहा हो तो पीले रंग के फूल घर से बाहर जमीन में दबा दें। *"ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं मम वांछित देहि देहि स्वाहा।।"* इस मंत्र को शुभ मुहूर्त्त में भोजपत्र पर अनार की कलम और अष्टगंध से लिखकर प्रतिदिन पूजा करें।

मीन: सप्तमेश बुध के व्रत व दान करें। *"ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।।"* मंत्र के यथा शक्ति जप करें। *"फलै मन्मथाय महाविष्णु स्वरुपाय, महाविष्णु पुत्राय, महापुरुषाय। पति सुखं मोहे शीघ्रं देहि।।"* इस मंत्र की 11 माला शुभ मुहूर्त्त में जप करें और प्रत्येक बुधवार को तीन माला जप करें। ऐसा 21 बुधवार तक करें, विवाह शीघ्र होगा।

लाल किताब के टिप्स

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए लाल किताब के निम्न उपाय अजमाएं लाभ होगा।

- शुक्र व राहु की किसी भी भाव में युति वैवाहिक जीवन के लिए दुःखदायी होती है। यह युति 1-4-7वें भाव में प्रबल दुःखदायी हो जाती है। ऐसी ग्रह स्थिति किसी कन्या के बने तो उपाय के तौर पर एक चांदी के बर्तन में गंगाजल भरें, उसमें चांदी का टुकड़ा ड़ालकर घर के ईशान में रखें।
- यदि लग्न या सातवें भाव में राहु हो तो विवाह के संकल्प के समय पिता एक चांदी का टुकड़ा बेटी को दें।
- सूर्य और बुध के साथ शुक्र की युति किसी भी भाव में होने पर विवाह में दोष अवश्य ही उत्पन्न होता है। उपाय के तौर पर तांबे के लोटे में साबुत मूंग भरकर विवाह के संकल्प के समय हाथ लगाकर रखना चाहिए और इसे जल में प्रवाहित करना चाहिए।

दीप पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या

Govt. Contractor & Building Material Supply

Ph. : 0721-2660046
Mo. : 9822200631

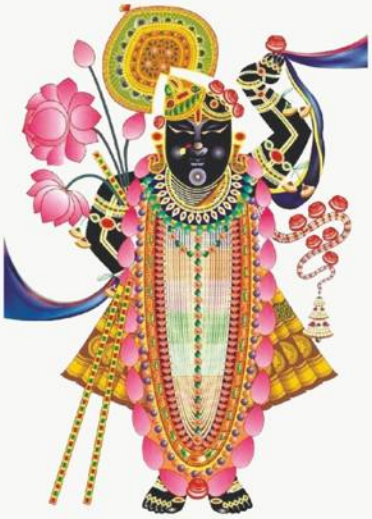

श्रीनाथ दाल मिल

A-35, Near Aanand Marbles, MIDC, Amravati
Ph. : 0721-2520013, 2520699

पियुष ओ. भैय्या
9822731007

अखिलेश अ.भैय्या
9823231276

कैसा रहेगा आपका आने वाला एक वर्ष

दीपावली के पावन अवसर से कई पंचांगों का तो शुभारम्भ होता ही है, व्यापारी वर्ग भी दीपावली से दीपावली की कालावधि को एक वर्ष की तरह प्रयुक्त करते हैं। तो आईये ज्योतिष के आइने में देखें कैसा रहेगा इस दीपावली से प्रारम्भ आपका वर्ष?

(स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और आर्थिक प्रबंधन का वर्ष) - मेष राशि के जातकों के लिए यह वर्ष मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। कार्तिकादि संवत्सर के प्रारम्भ में बारहवें भाव में स्थित राहु का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर रहेगा, जिससे आप मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। हालांकि, 18 मई 2025 के बाद राहु ग्यारहवें भाव में स्थानांतरित होंगे, जिसके बाद आपका स्वास्थ्य बेहतर हो जाएगा।

वर्ष के आरंभ में गुरु द्वितीय भाव में स्थित रहेंगे और 15 मई 2025 से तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। इस समय के बाद आपका आत्मविश्वास भरपूर रहेगा और आप नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित होंगे। वहीं, वर्ष की शुरुआत में शनिदेव ग्यारहवें भाव में होंगे, जो अनुकूल है, लेकिन आय में कमी की संभावना रहेगी। 29 मार्च 2025 से शनिदेव बारहवें भाव में जाकर साढ़े साती के प्रथम ढैय्या का प्रभाव देंगे। साढ़े साती से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए पंचांग में देख सकते हैं और इसके बचाव के उपाय कर सकते हैं।

इस संवत्सर में पूंजी निवेश की नई योजनाएं बन सकती हैं। हालांकि, बारहवें राहु के कारण अचानक खर्चों में वृद्धि हो सकती है, परंतु आर्थिक संकट नहीं आएगा। राहु की अनुकूलता से पूरे वर्ष समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अविवाहित जातकों के लिए यह वर्ष विवाह के लिए श्रेष्ठ रहेगा, और इस वर्ष विवाह के योग बनेंगे।

शुभ रंगः लाल
शुभ दिशाः पूर्व
शुभ दिनः मंगलवार और गुरुवार

उपायः साढ़े साती के दौरान प्रत्येक शनिवार को सूर्यास्त के बाद सुंदरकांड का पाठ करें और हनुमान जी की आराधना करें। इससे स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी, और जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी।

(स्वास्थ्य, कॅरियर और वित्तीय स्थिरता पर ध्यान) - वृषभ राशि के जातकों के लिए कार्तिकादि संवत्सर का प्रारम्भ स्वास्थ्य के लिहाज से चुनौतीपूर्ण रहेगा। विशेष रूप से जिन लोगों को थायरॉइड की समस्या है, उन्हें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही करना उचित नहीं होगा, खासकर हृदय रोगियों को परहेज और देखभाल की जरूरत होगी।

29 मार्च 2025 तक शनि दशम भाव में स्थित रहेंगे, जो कार्य क्षेत्र के लिए शुभ रहेगा। हालांकि, इस दौरान सुखों में कमी महसूस हो सकती है और अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। राहु आय भाव में स्थित रहेंगे, जिससे अचानक अत्यधिक आय या लाभ की संभावना बनेगी। 18 मई 2025 के बाद राहु दशम भाव में गोचर करेंगे, जो आपके लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्र में श्रेष्ठफलदायक सिद्ध होगा। उच्च पद की प्राप्ति के योग भी बन सकते हैं।

29 मार्च 2025 से शनिदेव मीन राशि में गोचर करेंगे, जिससे आय में कमी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, नवंबर 2024 से 15 मई 2025 तक गुरु लग्न में रहेंगे, जो आपको श्रेष्ठफल प्रदान करेंगे। इस दौरान आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, काम में मन लगेगा और ज्ञान के नए मार्ग खुलेंगे। मार्च 2025 के बाद धन और प्रॉपर्टी के मामलों में आपको अनुकूलता प्राप्त होगी और नए संपत्ति के क्रय के योग बनेंगे। परिवार में तनाव की स्थिति से बचने का प्रयास करना जरूरी रहेगा। सहनशीलता और धैर्य से समस्याओं का समाधान संभव होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा, जिससे घर का वातावरण भी अच्छा रहेगा।

शुभ रंगः सफेद
शुभ दिशाः दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य)
शुभ दिनः शुक्रवार और बुधवार

उपायः दुर्गा जी की आराधना करें और नियमित रूप से उनका ध्यान करें। इससे आपके जीवन में शांति और सकारात्मकता बनी रहेगी।

(मेहनत, आर्थिक उन्नति और संतुलन का वर्ष) - मिथुन राशि के जातकों के लिए वर्ष 2025 का कार्तिकादि संवत्सर मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। मई 2025 तक दशम भाव में राहु के स्थित रहने से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्र में समृद्धि के योग बनेंगे। हालाँकि, मार्च 2025 तक आपको भाग्य के भरोसे नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि इस दौरान कड़ी मेहनत के बावजूद प्रतिफल अपेक्षाकृत कम मिलेगा। आय में कमी होने के कारण मन में असंतोष और तनाव रहेगा, लेकिन मार्च 2025 के बाद भाग्य का साथ मिलने लगेगा।

मार्च 2025 के बाद अनावश्यक खर्चों पर रोक लगेगी, लेकिन मानसिक तनाव और स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ परेशानियाँ बनी रह सकती हैं। वैसे मई 2025 तक अनैतिक कार्यों पर व्यय नहीं होगा, बल्कि आपके खर्च सद्कार्यों में ही होंगे। मई 2025 से वर्ष के अंत तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, और मानसिक उत्साह भी भरपूर रहेगा। जीवन साथी का सहयोग भी इस दौरान आपको मिलेगा, जिससे जीवन में स्थिरता और संतुलन बना रहेगा। हालांकि, सुखों की पूर्ण प्राप्ति इस वर्ष नहीं होगी।

8 मई 2025 के बाद आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है, आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा, और व्यापारी जातक पर्याप्त लाभ अर्जित करेंगे। परिवार में मान-सम्मान की चिंता बनी रहेगी, लेकिन जीवन साथी के साथ लंबी यात्रा के योग बनेंगे, जिससे मन में उल्लास रहेगा।

शुभ रंगः पीला
शुभ दिशाः पश्चिम
शुभ दिनः मंगलवार और गुरुवार

उपायः पीपल के वृक्ष पर दूध और पानी मिलाकर चढ़ाएं। यह उपाय आत्मविश्वास में कमी से निपटने और आर्थिक उन्नति के लिए लाभकारी रहेगा।

(स्वास्थ्य, आर्थिक चुनौतियाँ और आत्मविश्वास की परीक्षा का समय) - कर्क राशि के जातकों के लिए वर्ष 2025 का कार्तिकादि संवत्सर चुनौतीपूर्ण रहेगा, क्योंकि प्रारम्भ से ही शनि अष्टम भाव में लघु कल्याणी ढैया के प्रभाव में रहेगा। स्वास्थ्य के मामले में थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। शनिदेव की दृष्टि द्वितीय, पंचम और दशम भाव पर होगी, जिससे सिर दर्द और पेट संबंधी रोगों की संभावना बनी रहेगी।

29 मार्च 2025 तक शनि की दृष्टि धन भाव पर रहेगी, जिसके कारण आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, एकादश भाव में गुरु के होने से आय का स्रोत बराबर चलता रहेगा। 15 मई 2025 के बाद गुरु व्यय भाव में प्रवेश करेंगे, जिससे सौम्य और धार्मिक कार्यों पर व्यय होगा। राहु नवम भाव में रहकर प्रारंभ से प्रबल भाग्य योग बनाएंगे, और 18 मई 2025 से दशम भाव में आकर सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक रूप से आपको शुभफल देंगे। वर्षभर आर्थिक समृद्धि के योग बनेंगे, हालांकि कभी-कभी आत्मविश्वास की कमी महसूस हो सकती है।

वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी, लेकिन संपत्ति से संबंधित मामलों और मुकदमों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी। व्यापार-व्यवसाय में हानि की संभावनाएँ बन सकती हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्य से मन प्रसन्न रहेगा। इस वर्ष अनैतिक संबंधों से बचने की आवश्यकता होगी, क्योंकि ऐसे मामलों में भंडाफोड़ होने से परिवार में कटुता का माहौल बन सकता है।

शुभ रंगः ऑफ व्हाइट
शुभ दिशाः पूर्व-दक्षिण (आग्नेय कोण)
शुभ दिनः सोमवार और मंगलवार

उपायः लघु कल्याणी ढैया के अशुभ फलों के निवारण हेतु शनिवार को सूर्यास्त के बाद सुंदरकांड का पाठ करना लाभकारी रहेगा। इससे स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

(मिश्रित परिणाम और सतर्कता का वर्ष)- सिंह राशि के जातकों के लिए यह वर्ष मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। स्वास्थ्य के मामले में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें। आर्थिक मामलों में आपको जमा पूंजी को लेकर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, आय निरंतर बनी रहेगी, लेकिन व्यय की योजना पहले से ही तय हो जाने के कारण बचत या संचय करना मुश्किल होगा। म्यूचुअल फंड और अन्य निवेश योजनाओं में धन लगाना जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए सावधानी बरतें, अन्यथा जमा पूंजी डूबने का खतरा रहेगा।

आपके कर्म इस वर्ष अच्छे रहेंगे और सत्कर्मों के परिणामस्वरूप आपको शुभफल की प्राप्ति होगी। 15 मई 2025 के बाद नैतिक कार्यों से अच्छी आय प्राप्त होने की संभावना है। हृदय रोग से पीड़ित जातकों को 18 मई 2025 तक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में भी किसी प्रकार की लापरवाही से बचना चाहिए, अन्यथा नुकसान हो सकता है। 18 मई 2025 के बाद आत्मविश्वास में कमी आ सकती है, लेकिन धार्मिक यात्राओं के योग भी बनेंगे। साथ ही, सामाजिक और राजनैतिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आपके गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे, लेकिन वे आपको कोई हानि नहीं पहुँचा पाएंगे। 29 मार्च 2025 के बाद वैवाहिक जीवन में कटुता आने की संभावना है, इसलिए आपसी समझदारी से रिश्ते को सँभालने की आवश्यकता होगी। व्यापार-व्यवसाय में साझेदारों से धोखा मिलने की भी संभावना है, इसलिए किसी पर भी अंधविश्वास करना इस वर्ष विपरीत परिणाम दे सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा।

शुभ रंग : सुनहरा रहेगा
शुभ दिशा : पूर्व
शुभ दिन : रविवार और मंगलवार

उपाय : आपके आराध्य देव नारायण रहेंगे, जिनकी आराधना से विशेष लाभ मिलेगा।

(उतार-चढ़ाव और सतर्कता का वर्ष) - कन्या राशि के जातकों के लिए यह वर्ष भारी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। सप्तम भाव में राहु की उपस्थिति के कारण जातक अनैतिक संबंधों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक आस्था दृढ़ होने के बावजूद मन का भटकाव संभावित रहेगा। 18 मई 2025 से राहु षष्ठम भाव में और केतु द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप पारिवारिक सौहार्द में वृद्धि होगी और कई गलतफहमियाँ दूर होंगी। आपके शत्रु अपनी चालें चलेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे।

वर्ष की शुरुआत से शनि पंचम भाव में स्थित रहेंगे, जो विद्यार्थियों के लिए यह समय श्रेष्ठ बनाएंगे। 29 मार्च 2025 के बाद शनि के षष्ठम भाव में गोचर करने से स्थायी किस्म के रोगों की संभावना बनेगी, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरतनी होगी। पेट संबंधी रोगों की अधिकता हो सकती है, इसलिए खानपान पर ध्यान देना आवश्यक है।

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा, लेकिन भाग्य प्रबल रहेगा, जिससे आपके कार्य सफलता से संपन्न होंगे। 15 मई 2025 से दशम भाव में गुरु की उपस्थिति आपके कार्यों को प्रशंसा और यश प्रदान करेगी। इस दौरान खर्चे भी बढ़ेंगे, लेकिन आय अच्छी होने के कारण आय-व्यय का संतुलन बना रहेगा। विदेश यात्रा के इच्छुक जातकों के लिए इस वर्ष विदेश जाने के योग बनेंगे।

भाई-बहनों के साथ संबंधों में तनाव की संभावना रहेगी, इसलिए विवेकपूर्ण निर्णय लेकर किसी भी प्रकार की गलतफहमी से बचने की आवश्यकता है। वैवाहिक जीवन इस वर्ष शुभ रहेगा और धार्मिक यात्राओं के योग भी बनेंगे।

शुभ रंगः हरा
शुभ दिशाः दक्षिण
शुभ दिनः बुधवार और शुक्रवार

उपायः गाय को गुड़ मिश्रित रोटी खिलाने से जीवन में सकारात्मकता और शांति बनी रहेगी। श्री गणेश की आराधना इस वर्ष विशेष फलदायी रहेगी।

(स्वास्थ्य और सफलता का वर्ष) - तुला राशि के जातकों के लिए यह वर्ष स्वास्थ्य और सफलता का स्वामी रहेगा। छठे भाव में राहु संक्रमण से संबंधित रोगों से बचाव करेगा, जिससे आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। हालांकि, 18 मई 2025 के बाद राहु पंचम भाव में प्रवेश करेगा, जिससे संतान संबंधी चिंताओं में वृद्धि हो सकती है। इस दौरान धार्मिक कार्यों में व्यय होगा, जो आपको मानसिक शांति और संतोष प्रदान करेगा।

शनि सुख भाव में स्थित रहेंगे, जिससे माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होगी, क्योंकि उन्हें कुछ कष्ट हो सकता है। परिवार में आपसी सामंजस्य और सौहार्द्र में वृद्धि होगी। भविष्य को लेकर रियल एस्टेट में निवेश करने के प्रबल योग बनेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सकती है। इस वर्ष संवाद शैली को प्रभावी और सारगर्भित बनाने का प्रयास करें, अनावश्यक चर्चा से बचना बेहतर रहेगा।

15 मई 2025 के बाद भाग्य अत्यधिक प्रबल रहेगा। आप कई नए कार्यों की योजना बनाएंगे और उन पर सफलता के साथ क्रियान्वयन भी करेंगे। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत जातकों के लिए यह वर्ष अत्यधिक सफल साबित होगा। व्यापार और व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए भी यह समय शुभ और फलदायी रहेगा। उद्योग के क्षेत्र में कार्यरत जातकों को बड़े विनिवेश के प्रस्ताव प्राप्त होंगे, जो निर्णायक सिद्ध होंगे और आपके व्यवसाय में प्रगति लाएंगे। विवाहोत्सुक जातकों के लिए यह वर्ष विवाह बंधन में बंधने के लिए अनुकूल है। साथ ही, पैतृक संपत्ति के मामलों में भी इस वर्ष सफलता मिलेगी और संपत्ति प्राप्ति के प्रबल योग बनेंगे।

शुभ रंगः सफेद
शुभ दिशाः पश्चिम
शुभ दिन : शुक्र व शनिवार

उपायः इस वर्ष दुर्गाजी की आराधना से विशेष लाभ प्राप्त होगा।

(समस्याओं से मुक्ति और सफलता का वर्ष)- वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह वर्ष कष्टों और चुनौतियों के बाद राहत और सफलता का समय होगा। संवत्सराम्भ से ही आप कन्टक शनि के लघु कल्याणी ढैया से प्रभावित रहेंगे, जिसके कारण आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। 29 मार्च 2025 के बाद यह ढैया समाप्त हो जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप आपको मनोवांछित समाधान और राहत मिलेगी। रोगों से मुक्ति मिलेगी, और शत्रुओं से भय लगभग समाप्त हो जाएगा।

वर्ष के प्रारम्भ में सप्तम भाव में स्थित गुरु जीवनसाथी का सहयोग और स्नेह दिलाएगा, जिससे पारिवारिक सौहार्द्र में वृद्धि होगी। व्यापार, व्यवसाय और नौकरी में भी अनुकूल परिस्थितियाँ बनेंगी, जिससे कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। पंचम भाव में राहु विद्यार्थियों के लिए शुभ फल प्रदान करेगा, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे।

18 मई 2025 के बाद राहु चौथे भाव में प्रवेश करेगा, जिससे सुखों में कुछ कमी आ सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा। शनि स्थावर संपत्ति में सफल निवेश करवाएगा, लेकिन ऋण लेने में सावधानी बरतनी होगी। पारिवारिक सुख इस वर्ष पर्याप्त मिलेगा, और आपको परिवार के साथ अधिक समय बिताने की सलाह दी जाती है। इस वर्ष आप नया आवासीय घर बनाने का भी कार्य कर सकते हैं। 11वें भाव में राहु के प्रभाव से आपकी आय में उतार-चढ़ाव रहेगा। कभी बहुत अधिक आय तो कभी कम हो सकती है, और अचानक धन लाभ और हानि की भी संभावना रहेगी। विवाह के इच्छुक जातकों को इस वर्ष कुछ इंतजार करना पड़ सकता है।

शुभ रंगः लाल रंग
शुभ दिशा : पूर्व-उत्तर
शुभ दिनः मंगलवार और गुरुवार

उपायः आपके आराध्य देव इस वर्ष श्री हनुमानजी रहेंगे, जिनकी आराधना से विशेष लाभ मिलेगा।

(स्वास्थ्य, आर्थिक उन्नति और पारिवारिक संतुलन का वर्ष)- धनु राशि के जातकों के लिए 2025 का वर्ष 29 मार्च तक स्वास्थ्य और आर्थिक दृष्टि से श्रेष्ठ फलदायी रहेगा। इस समय आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे आप स्वास्थ्य के प्रति मजबूती महसूस करेंगे। 29 मार्च 2025 के बाद चौथे शनि का लघु कल्याणी ढैया प्रारंभ होगा, जिससे आपको विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जब शनि तीसरे भाव में होंगे, तो स्वास्थ्य लाभ होगा, लेकिन चौथे भाव में जाते ही अगले ढाई साल में रोग वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना आवश्यक होगा।

आर्थिक रूप से यह वर्ष उत्तम रहेगा। आय पर्याप्त होगी, जिससे आप बचत भी कर सकेंगे। हालांकि, छठे भाव में गुरु संक्रामक रोगों के योग बना सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक होगा। 15 मई 2025 से वर्ष के अंत तक सप्तम भाव में गुरु आपको कई शुभ फल प्रदान करेंगे। इस समय वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार और व्यवसाय में उन्नति के श्रेष्ठ योग बनेंगे।

18 मई 2025 से संवत्सर के अंत तक माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। भाइयों से विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए विवाद से बचते हुए संवाद को प्राथमिकता दें। विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा पर पूर्ण ध्यान केंद्रित करना चाहिए और सोशल मीडिया पर समय बर्बाद करने से बचना चाहिए। इस वर्ष आपको मानसिक रूप से सुदृढ़ और संगठित रहना होगा। किसी भी प्रकार के भ्रम या कनफ्यूजन से बचने की सलाह दी जाती है।

शुभ रंगः पीला
शुभ दिशाः पूर्व
शुभ दिनः गुरुवार और रविवार

उपायः इस वर्ष श्री हनुमान जी की आराधना करें और विष्णु सहस्रनाम का पाठ भी करें। इससे आपको मानसिक और शारीरिक बल मिलेगा और जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी।

(स्वास्थ्य, शिक्षा और सफलता की ओर अग्रसर)- मकर राशि के जातकों के लिए यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत शुभ रहेगा। राशि के स्वामी शनि स्वगृही रहेंगे, जिससे आत्मविश्वास और शारीरिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। हालांकि 29 मार्च 2025 से मीन राशि में शनि के प्रवेश से स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता होगी, लेकिन गुरु की कृपा से कोई बड़ा स्वास्थ्य संकट नहीं आएगा।

इस साल मकर राशि के जातक विद्या, ज्ञान और बुद्धि कौशल के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे। सन्तान पक्ष से भी संतोषजनक परिणाम मिलेंगे और उनका साथ आपको सुख देगा। संवत्सर के आरंभ से लेकर 18 मई 2025 तक आत्मविश्वास और उत्साह से भरपूर आप कई कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण करेंगे।

यह समय नकारात्मक विचारों को त्यागने और अपने आचरण पर ध्यान देने का है। खान-पान और नशे से बचें, अन्यथा आपको इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और राजनीति से जुड़े जातकों के लिए उच्च पद प्राप्त करने की संभावनाएँ बनेंगी। नवविवाहित जातक इस वर्ष प्रणय यात्रा का आनंद लेंगे। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष अत्यंत लाभकारी रहेगा। जो लोग व्यवस्थित मेहनत करेंगे, उन्हें शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र से जुड़े व्यवसायी इस वर्ष भारी सफलता अर्जित करेंगे।

शुभ रंग : आसमानी
शुभ दिशा : दक्षिण
शुभ दिन : शनिवार और बुधवार

उपायः भगवान शिव की पूजा और नियमित ध्यान इस वर्ष आपके लिए विशेष लाभकारी सिद्ध होंगे।

(स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में सतर्कता की आवश्यकता) - कुंभ राशि के जातकों के लिए वर्ष 2025 का कार्तिकादि संवत्सर सामान्य रूप से ठीक नहीं रहेगा, खासकर स्वास्थ्य के मामले में। इस वर्ष आपको स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना होगा, क्योंकि लापरवाही से इन्फेक्शन और अन्य रोग उत्पन्न हो सकते हैं। जो लोग व्यसन का सेवन करते हैं, उन्हें इस वर्ष भारी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए योग, प्राणायाम और ध्यान का सहारा लेना आवश्यक होगा।

आर्थिक दृष्टि से इस संवत्सर में आपके लिए योग अच्छे रहेंगे, हालांकि आपको वांछित आय नहीं मिल पाएगी। फिर भी, कोई कार्य रुकने वाला नहीं है। 29 मार्च 2025 के बाद पैतृक संपत्तियों से संबंधित मामलों में सफलता मिलने के संकेत हैं, परन्तु इस दौरान सुखों में कमी महसूस हो सकती है। माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी।

18 मई 2025 के बाद राहु की स्थिति के कारण मति भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे व्यापार-व्यवसाय और नौकरी में विशेष सावधानी रखनी होगी। लिए गए निर्णय गलत साबित हो सकते हैं, और मानसिक तनाव का वातावरण बनेगा। भाई-बहनों के जीवन में भी उथल-पुथल हो सकती है, इसलिए सभी की राय लेकर विवेकपूर्ण निर्णय लेना उचित रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष कठिन मेहनत की मांग करेगा। सही दिशा में प्रयास करने पर सफलता जरूर मिलेगी।

शुभ रंगः आसमानी
शुभ दिशाः पश्चिम
शुभ दिनः बुधवार और शुक्रवार

उपायः भगवान शिव की उपासना करें और नियमित योग-प्राणायाम अपनाएं। इससे मानसिक और शारीरिक बल मिलेगा।

(सावधानी और अवसरों का वर्ष)- मीन राशि के जातकों के लिए वर्ष 2025 का संवत्सर मिश्रित फलदायी रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि संवत्सरारम्भ से 18 मई 2025 तक मतिभ्रम की स्थिति बनी रहेगी। 29 मार्च 2025 से शनि देव मीन राशि पर संक्रमण करेंगे, जिससे साढ़े साती का प्रभाव रहेगा। साढ़े साती से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए पंचांग में देखा जा सकता है, जहां इसका फलादेश बताया गया है।

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। आय कम और खर्च अधिक होने से वित्तीय दबाव महसूस हो सकता है, जिससे ऋण की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस वर्ष बचत करना मुश्किल होगा। परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, जिससे मन को संतोष मिलेगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्य होने से भी आनंद की प्राप्ति होगी।

प्रेम विवाह करने के इच्छुक जातकों को फिलहाल विवाह की योजना स्थगित करनी चाहिए, क्योंकि विवाह सुखद नहीं रहेगा। वहीं, इस वर्ष वाहन पर निवेश करने की संभावना रहेगी, परंतु सोच-समझकर निर्णय लेना उचित रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष अत्यंत शुभ रहेगा। यदि वे अपने वरिष्ठ या विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर सही दिशा में प्रयास करेंगे, तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। जो लोग नौकरी में परिवर्तन की योजना बना रहे हैं, उनके लिए भी यह वर्ष नए अवसर लेकर आएगा।

शुभ रंगः पीला
शुभ दिशाः उत्तर
शुभ दिनः गुरुवार और सोमवार

उपायः बुधवार के दिन मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं और नियमित रूप से दुर्गा माता की आराधना करें। इससे जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने में सहायता मिलेगी।

महालक्ष्मी पूजन के दौरान पंचांग को भी वरीयता दी जाती है। पंचांग में वर्णित पांचों अंग- वर्ष, माह, वार, तिथि और नक्षत्र के माध्यम से उपयुक्त समय की खोज की जाती है। यह उपयुक्त समय ही मनुष्य की उपलब्धि होता है। आईये जानते हैं पंचांग के माध्यम से क्या-क्या जाना जा सकता है?

आखिर क्यों पूजा जाता है पंचांग

क्या है पंचांग

पंचांग शब्द का शाब्दिक अर्थ है, पांच अंगों की जानकारी। काल गणना में पांचों प्रमुख अंगों की जानकारी जो दे उसे ही पंचांग कहते हैं। इनमें प्रमुख पांच अंग हैं, वर्ष, माह, वार, तिथि और नक्षत्र। वास्तव में देखा जाए तो स्थूल रूप से पंचांग की शुरुआत इन्हीं के लिए हुई थी, जो कलांतर में सतत शोध से और भी गहन व सूक्ष्म होता चला गया। वर्तमान में पंचांग ज्योतिष का आधार स्तंभ है, जिसके आधार पर ही कोई ज्योतिषी फलकथन करता है।

स्थान विशेष अनुसार काल निर्धारण

सर्वप्रथम तो हम पंचांग से संबंधित शहर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उस शहर में संबंधित दिन का दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त का समय, चंद्रोदय-चंद्रास्त तथा खगोलिय जानकारी के लिए संबंधित शहर के अक्षांश व देशांश शामिल होते हैं। वर्तमान में पंचांग में देश के सभी प्रमुख शहरों के साथ ही लगभग संपूर्ण विश्व के प्रमुख शहरों के देशान्तर भी दिए होते हैं। इनके द्वारा कुछ गणना कर हम इन सभी शहरों के संबंध में भी यह सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पंचांग के पांचों अंग में समाहित काल

पंचांगों में ईसवी वर्ष के अनुसार दिनांकों के साथ लगभग उनके सामने ही उस दिनांक की तिथि भी अंकित होती है। उसके आगे संबंधित तिथि की समाप्ति का समय ज्योतिषिय कालगणना के अनुसार घटी-पल में और उसके आगे वर्तमान कालगणना पद्धति के अनुसार घंटा-मिनट में भी दिया होता है। गत दिनांक की तिथि समाप्ति से उक्त दिनांक की तिथि समाप्ति तिथि तक संबंधित तिथि रहती है। अतः हम शुद्धतापूर्वक किसी भी दिनांक को किसी भी समय रहने वाली तिथि को ज्ञात कर सकते हैं। इस सारिणी में संबंधित दिनांक के वार के साथ ही नक्षत्र, योग, दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त आदि की जानकारी भी दी जाती है। वर्तमान में इसी सारणी में संबंधित दिवस के व्रत-त्योहार की जानकारी भी अंकित की जाती है।

मुहूर्त विषयक जानकारियाँ

कहा जाता है कि सही समय पर किसी कार्य के शुभारंभ का अर्थ ही उसकी आधी सफलता है। इसीलिये हमारी संस्कृति में हर शुभ कार्य के लिए मुहूर्त देखा जाता है। यह कार्य सामान्यतः ज्योतिषाचार्य ही करते आये हैं, लेकिन अच्छे व सरल पंचांगों से आम व्यक्ति भी आसानी से मुहूर्त ज्ञात कर सकता है। जैसे उदाहरणार्थ उज्जैन से प्रकाशित श्री विक्रमादित्य पंचांग में प्रारम्भ के पृष्ठों में विभिन्न कार्यों के लिये मुहूर्त शुद्ध कर दिए होते हैं। अतः पाठक इनके द्वारा अपने इच्छित कार्य के लिये मुहूर्त को देख सकते हैं। इतना ही नहीं विवाह जैसे गहन अवसरों के लिये भी सामान्यतः घर बैठे मुहूर्त देखा जा सकता है। इसके लिये वर-वधू की चंद्र राशि के अनुसार विवाह मुहुर्त शुद्धता पूर्वक दिये जाते हैं। इनमें अतिश्रेष्ठ, पूजा योग्य (अर्थात् मध्यम) व नेष्ट (त्याज्य) का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। चौघड़िये भी सूर्योदय के अनुसार स्पष्ट किये जा सकते हैं।

विशिष्ट ज्योतिषीय जानकारियाँ

ज्योतिष के विशेषज्ञ तिथि आदि की गणना वाले पृष्ठ के नीचे दी गई ग्रह स्थिति और लग्न मान से गणना कर जन्म कुंडली आदि का निर्माण जैसे समस्त ज्योतिषीय कार्य कर सकते हैं। वैसे इसके लिये ज्योतिष की कम से कम सामान्य जानकारी होना आवश्यक है। फिर भी इसमें सूर्योदयकालीन समस्त ग्रह स्पष्ट इस तरह किए जाते हैं कि इनसे बड़ी आसानी से संबंधित समय व शहर के अनुसार ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं। वर्तमान में पंचांग अत्यंत वृहद रूप ले चुके हैं। इनमें सूर्य व चंद्र ग्रहण की स्पष्ट स्थिति उसके ग्रहणकाल के अनुसार तो दी ही जाती है, साथ ही देश आदि के लिये वर्षफल भी स्पष्ट होते हैं। इनके साथ जातक का सामान्य राशिफल भी स्पष्ट होता है। और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां पंचांगकर्ता शामिल करते हैं, जैसे 'श्री विक्रमादित्य पंचांग' में अनिष्टकारी ग्रहों की शांति के उपाय, कुंडली मिलान, स्वप्न विचार, वैधव्य, विष कन्या तथा मांगलिक योग, व्यापार भविष्य आदि कई जानकारियां दी गई हैं।

वर्तमान में कब्ज एक ऐसी समस्या बन गया है, जिसका स्थायी इलाज ही नहीं मिलता। मात्र योग की ''शुचि मुद्रा'' के प्रयोग से इससे मुक्ति प्राप्त की जा सकती है।

कब्ज से छुटकारा पाने के लिए

शुचि मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

अनहेल्दी डाइट, इनएक्टिव लाइफस्टाइल और बढ़ता तनाव कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता जा रहा है। इन्हीं में से एक है कब्ज। कब्ज होने पर मल त्याग करने में परेशानी होती है। कब्ज की वजह से व्यक्ति को तरह-तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए इसका समय पर इलाज जरूरी है। शुचि का अर्थ है-सफाई। यह मुद्रा बड़ी आंत को साफ रखती है। कब्ज नहीं होने देती। यदि यात्रा करते हुए कब्ज हो जाये या वैसे ही कभी कब्ज हो जाये तो बिस्तर पर लेटे लेटे ही इस मुद्रा को 5 से 6 बार करें।

कैसे करें : दोनों हाथों की मुट्ठियां बंद करके अपनी छाती पर रखें। अब बायां हाथ तो छाती पर रहने दें और श्वास भरते हुए दाएं हाथ को सामने सीधा करें और तर्जनी उंगली (वायु तत्व) को ऊपर की ओर करें। फिर दाएं हाथ की मुट्ठी छाती पर रखें और बायां हाथ सीधा करते हुए तर्जनी उंगली को ऊपर की ओर रखें। इस क्रिया को बारी-बारी छः बार करें।

लाभ : यह पुराने से पुराने कब्ज से राहत दिलाने में फायदेमंद है। आंतों को डिटॉक्स या साफ करने के लिए इस मुद्रा को किया जा सकता है। शरीर से गंदगी निकालने के लिए रोजाना अभ्यास करें। माइग्रेन, सीने में दर्द और जलन को दूर करने में भी यह लाभकारी होती है। पेट और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करता है। गैस, अपच और कब्ज के लिए फायदेमंद है। ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है तथा याददाश्त और जागरूकता में सुधार होता है। आध्यात्मिकता की ओर मार्ग प्रशस्त होता है। शरीर को रिचार्ज करने में मदद करती है और यह मन और मस्तिष्क को शांत करती है। इससे निराशा, अवसाद, और क्रोध दूर होता है व यह तनाव, चिंता दूर करके दिमाग को तरोताजा रखता है।

विशेष सावधानियां : मुद्रा को करते हुए किसी तरह की परेशानी हो, तो अभ्यास करना बंद कर दें। हाथों में चोट या दर्द की स्थिति में न करें।

With Best Compliments from :

SACCHIDANAND L MALANI

Engineers & Contractors

MURTIZAPUR-444107, District : Akola-Maharashtra
Mobile : 9422162213 / 8600047213
E-mail ID : office.slmalani@gmail.com

Specialist in Asphalting of Roads, Bridges & Earthen Dams

आज से एक दशक पूर्व गणगौर, तीज, होली, दीपावली और दशहरे आदि बड़े त्योहारों पर हम अपने नाते रिश्तेदारों और परिचितों का आशीर्वाद लेने और राम-राम करने उनके घर आया जाया करते थे। पर जब से हम सोशल मीडिया में सक्रिय हुए हैं, परिवार और समाज में निष्क्रिय हो गए हैं। व्यक्तिगत तौर पर मिलना जुलना तो नहीं के बराबर हो गया है। हम मशीनों को अपना मान बैठे हैं और इंसानों को पराया। वर्षभर में तीन या चार त्योहार ही तो विशेष होते हैं, जब हम एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं और आशीर्वाद का प्रेमपूर्वक लेन देन करते हैं। एक दूसरे के परिवार के साथ समय बिताते हैं और आपसी संबंध मजबूत बनाते हैं। पर आजकल ऐसा नहीं होता है हम मात्र सोशल मीडिया के द्वारा शुभकामनाएं संदेश भेजकर इस पारंपरिक रिवाज से इतिश्री कर लेते हैं। हमारा यह सोशल मीडिया व्यवहार उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

विशेष अवसरों पर सोशल मीडिया द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करना उचित अथवा अनुचित?

त्यौहारों पर मेल मिलाप आवश्यक

त्यौहारों पर एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हमारी परंपरा रही है, पर आजकल दिखावटी व्यस्तता के साथ-साथ स्वयं को टेक्नोलॉजी में अप-टू-डेट साबित करने के चक्कर में हमने इस परंपरा को इतिहास बना दिया है। व्यस्तता की बात करें तो त्योहारों पर मिलने वाली छुट्टियों को हम आजकल पर्यटन में इस्तेमाल करने लगे हैं अथवा मोबाईल में ही अपना समय गंवा देते हैं, पर जब किसी से मिलने जुलने की बात करो तो व्यस्तता का बहाना बनाते हैं। आभासी दुनिया के लिए समय जितनी आसानी से निकलता है वास्तविक दुनिया के लिए समय निकालना उतना ही मुश्किल हो जाता है।

जैसे जैसे परिवार छोटे हो रहे हैं तो वैसे वैसे रिश्ते कम हो रहे हैं। आने वाले दशक में तो चाचा, मामा, बुआ, मासी भी इक्के दुक्के घरों में ही दिखाई देंगे। इतना ही नहीं रिश्तेदारों से अधिक दोस्तों को अहमियत देने का नया रिवाज भी चल रहा है। रिश्तेदारों के लिए समयाभाव देखा गया है, दोस्तों के लिए नहीं। आखिर खून के रिश्तों से इतना अलगाव क्यों हो रहा है, आज की पीढ़ी को? कोरोना वायरस हमें काफी अच्छी सीख देकर गया है कि संकट के समय परिवार का साथ कितना आवश्यक है? 'ढाक के वही तीन पात' कोरोना का रोना जब तक चल रहा था हम संयुक्त परिवार और रिश्तों की अहमियत को समझ रहे थे, पर उसके जाते ही हम फिर से अपने पुराने लिबास में आ गए जो कि शत प्रतिशत गलत है। तीज त्यौहार पर हमें एक दूसरे से मिलना चाहिए, संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए यह सबसे बड़ा कदम है। मुश्किल वक्त में यही आपसी संबंध तो काम आते हैं; मशीनें नहीं। मशीनें हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए बनाई गई हैं, उनमें भावनाएं नहीं हैं, मशीनें कभी भी हमारे सुख-दुख की साथी नहीं बन सकती।

भले ही हम अपने कामकाज और दिनचर्या में व्यस्त रहें पर तीज त्योहारों के साथ-साथ रिश्तों को भी जीवंत रखने के लिए हमें पारंपरिक तरीके से ही त्योहारों पर समय निकालकर अपने सगे-संबंधियों रिश्तेदारों से व्यक्तिगत रूप से मिलना जुलना चाहिए। अपने बच्चों को भी इस परंपरा का निर्वहन करने की सीख देनी चाहिए क्योंकि एकल और छोटे परिवार होने के कारण भविष्य में यही बचे-खुचे थोड़े बहुत रिश्ते ही हमारी खुशी में शामिल होंगे और हमारे मुश्किल समय में भी साथ निभाएंगे।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव, (नाशिक)

मिलजुल कर दे बधाइयां और शुभकामनाएं

आज से कुछ साल पहले की दुनिया ही कुछ अलग थी, हर त्यौहार का मजा भी कुछ अलग था। जब भी कोई त्यौहार होता था। सभी अपने सगे संबंधियों के आने का इंतजार करते थे और हम भी अपने सभी सगे संबंधियों के यहाँ जाने के लिए आतुर रहते थे। विशेष अवसर और त्योहार पर सोशल मीडिया द्वारा शुभकामनाएं देना यह मुझे तो अनुचित लगता है, क्योंकि हम जब सोशल मीडिया द्वारा किसी को शुभकामनाएं देते हैं, तो उसमें आशीर्वाद भी कॉपी पेस्ट होकर ही मिलता है। लेकिन जब हम प्रत्यक्ष रूप से किसी के यहां जाते हैं और उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उनसे जो आशीर्वाद लेते हैं वह आशीर्वाद और शुभकामनाएं और सबसे मिलने का मजा, अपनापन और अपने संबंधों को जोड़ कर रखने के लिए जो एक कड़ी बंधती है, उसमें प्रेम की परिभाषा ही अलग होती है। प्रत्यक्ष रूप में जाकर सबसे मिलने व आशीर्वाद लेने से आज की पीढ़ी तो एक दूजे से जुड़ेगी ही लेकिन दूसरी पीढ़ी भी अपने परिवार को और परिवार के सदस्यों को जानेगी, पहचानेगी और अपने परिवार के सारे सदस्यों के साथ संपर्क में रहने की, परिवार को एकजुट रखने की जिम्मेदारी हमारी भी है। आज की पीढ़ी को यह सारी बातें समझनी होगी। हमारे दादाजी, हमारे पिताजी यह सब परिवार से जुड़े हैं। जब हम सब मिलते रहेंगे, रोज ना सही त्योहार बार को मिलेंगे, तो आज की पीढ़ी भी अपने परिवार की एक जूटता समझेगी और आज की सोशल मीडिया वाली पीढ़ी भी संस्कारवान बनेगी।

❐ **पूनम नंदकिशोर जाजू,** मुखेड़ (महाराष्ट्र)

सोश्यल मीडिया पर सिर्फ मूक संदेश सम्भव

आज कम्प्यूटर के साथ-साथ मोबाइल और सोशल मीडिया ने सभी को वैसे तो सबसे जोड़ा है परंतु एक अलगाववाद की भावना निश्चित रूप से सभी में आ गई है। विवाह के कार्ड, जन्मोत्सव के निमंत्रण, होली, दीपावली, तीज, त्योहारों पर भी केवल व्हाट्सएप मैसेज भेज कर अपने व्यवहारों एवं मिलन सरिता की इतिश्री समझ लेते हैं। हम सभी समझ रहे हैं कि आज पूरी दुनिया हमारी मुट्ठी में है। हम सभी यही समझ बैठे हैं कि हम सभी बहुत व्यस्त हैं, अब मिलना जुलना शहरों में कहां संभव है, हम तो बस फोन द्वारा वीडियो कॉल करते हैं और अपना मैसेज उन्हें पहुंचा देते हैं और उनका मैसेज स्वयं ग्रहण कर लेते हैं। मान लिया आज समय नहीं है, हम सभी व्यस्त हैं परंतु इस व्यस्ततम जिंदगी में भी क्या हम अपनों के लिए कुछ वक्त त्योहारों पर नहीं निकाल सकते हैं? इससे हमारी संबंधों की श्रृंखला सिर्फ यही तक सीमित रह जाएगी। पहले हम लोग सब राम श्याम करने जाते थे, घर की बहुएं अपने परिवार वालों के पैर छूने के लिए जाती थी और आशीर्वाद प्राप्त करती थी। 10 मिनट अथवा 5 मिनट बैठकर चाय कॉफी अथवा एक पीस मिठाई का जब हम खाकर आते हैं तो वह खुशी और उसका अंदाज ही अलग होता है। सब घरों में जाना-आना और हमारी उपस्थिति एक नई ऊर्जा हमें प्रदान करती है और त्योहार का आनंद ही अलग होता है। हम घर से बाहर मिलने जाएंगे तभी तैयार होने का आनंद आएगा, तैयार होने का मन भी होगा। कोई घर आएगा तभी तो हम बेडशीट चेंज करेंगे, नाश्ता की प्लेटें तैयार करेंगे, नए-नए सामान एवं नए-नए तरीके से घर की सजावट करेंगे और सोचेंगे कि आज हमारे यहां सब मिलने आएंगे तो हमें एक अलग सा लुक हमारे मकान को देना है, हमें भी अच्छे से तैयार होना है। हमें अपना प्रेम प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर मिलता है और एक नई ऊर्जा की प्राप्ति होती है। व्हाट्सएप पर भेजे गए संदेश तो मूक संदेश हैं, जिनका कोई और औचित्य नहीं है। मैं तो मिलने जाना ही अच्छा समझती हूँ। एक दूसरे से उत्साह से मिलना ही त्यौहार का आनंद है। अन्यथा अपने घरों में तो हम बैठे ही रहते हैं।

❐ **उर्मिला तापड़िया,** नोखा, (बीकानेर)

मेल-मिलाप रिश्तों की जड़

त्यौहार पर खुशियां चौगुनी हो जाती हैं, जब सब साथ मिलकर कोई त्यौहार मनाऐं। चाहे गांव हो या शहर होली -दीपावली आदि पर सभी रिश्तेदार, पड़ोसी एक दूसरे के घर राम-राम के लिए जाते हैं, फिर चाहे कोई मन मुटाव ही क्यों ना हो। इस दिन सब भूल कर सभी आनंद से समय व्यतीत करते हैं। एक दूसरे के यहां व्यंजन, मिठाई खाना और मिठाई आदान प्रदान, लगभग एक हफ्ते तक त्यौहार की रौनक रहा करती थी। किंतु कुछ वर्षों से सब फोन पर बात करके ही इति श्री समझ लेते हैं। सबको अपनी ही डिजिटल दुनिया में रहना भाने लगा है। बड़े शहरों में दूरियों के नाम पर मिलना जुलना और भी कम हो गया है। सभी समय की व्यस्तता का बहाना लगाकर बचना चाहते हैं। लेकिन क्या सचमुच हम इतने व्यस्त हैं, या हम इन सब से नजरें चुराना चाहते हैं? आज रिश्तेदारी में भी कोई दूसरी पीढ़ी के बच्चों को नहीं जान पाता क्योंकि मिलना जुलना ही नहीं होता। फिर ऐसे में कैसे कोई किसी के बच्चे के लिए विवाह सम्बन्ध बताएगा? ये सब प्रथाएं किसी न किसी उद्देश्य से ही बनी थी जिसे अब हम मॉडर्न होने के नाम से नकारते जा रहे है। कितने ही लोगों को तो हम फोन भी नहीं करते, बस सोशल मीडिया से ही बधाई दे देते है। फिर जब विपत्ति में हमें किसी अपने की जरूरत होती है तो वो भी कैसे आपके काम आ पाएगा। तो आइए अपनी जड़ों की ओर लौटे, मेल मिलाप बढ़ाए, खुशियां पाए।

❐ **नेहा बिनानी,** मुंबई

रिश्तों में दूरी ना आए

तकनीकी उन्नति ने संचार के साधनों मे क्रांतिकारी विकास करवके हमारी जीवनशैली के साथ हमारे रिश्तों को भी प्रभावित करना आरंभ कर दिया है। पहले हम विभिन्न अवसरों पर परिजनों और मित्रों से मिल कर रिश्तों मे निरंतरता बनाए रखते थे। बड़ों के पैरों मे झुककर प्रणाम करने पर सर पर हाथ रखकर जो आशीर्वाद मिलता है, अपनों के गले लगने पर जो आल्हाद की अनुभूति होती है, आमने-सामने बैठ कर एक दूसरे की आँखों में देखकर बात करने से जो भाव संप्रेषण होता है, एक दूसरे की मुस्कुराहट को देख कर जो आनंद अनुभव होता है वो सोशल मीडिया पर घूमने वाले संदेश भेज कर त्यौहार की इतिश्री करने से अनुभव नही हो सकता। इसलिए जो संबंधी और मित्र अपने नगर मे हों अथवा जाकर मिल सकें इतनी दूरी पर हों उनसे तो जाकर ही मिलना चाहिए। किंतु जहाँ जाकर मिलना संभव नही है वहाँ रिश्तों की ऊष्मा बनाए रखने मे सोशल मीडिया की सकारात्मक भूमिका भी है। जिनसे जाकर नही मिल सकते, वहाँ धीरे-धीरे संबंधों में दूरियाँ आने लगती थी। किंतु अब हम फोन पर बात कर सकते हैं, वीडियो कॉल करके कुछ कुछ सामने बैठने जैसा अनुभव कर सकते हैं। अपनों से मिलें, ना मिल सकें तो वीडियो कॉल करें, फोन करें, किंतु सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले संदेश भेज कर इतिश्री ना करें। प्रौद्योगिकी को हमारे संबंधों को दृढ़ बनाने मे काम लें किंतु रिश्तों को तकनीकी के भरोसे ना छोड़ें।

❐ **नम्रता माहेश्वरी,** पाली (राजस्थान)

वक्त की मांग है सोश्यल मीडिया

हमारे जन्म-दिवस, विवाह-दिवस या त्योहारों पर कोई हमें सोशल मीडिया द्वारा शुभेच्छा देते हैं, तो हमें बड़ी खुशी मिलती है। किसी ने हमें याद किया यह अनुभव बड़ा सुखद होता है। अगर कोई भूल गया तो हमें दुख भी होता है। कहते हैं, यह दुनिया एक बड़ा देहात (ग्लोबल विलेज) है और यह सोशल मीडिया की वजह से ही संभव है। इसी वजह से हम एक दूसरे के करीब हैं, एक दूसरे को संदेश भेज सकते हैं, या आमने-सामने बात भी कर सकते हैं। तो हो गई ना यह दुनिया एक बडा देहात। आजकल बहुत से लोग अपना गृह-स्थान छोड़कर अलग-अलग जगहों पर बस गए हैं। चाहे वह शिक्षा के लिए हो, या नौकरी-व्यवसाय के लिए हो। ऐसे में एक दूसरे के साथ रहने का, करीब आने का साधन सोशल मीडिया ही है। एक दूसरे से मिलने जाना, साथ छुट्टियां मनाना, यह पहले जैसे संभव नहीं रहा। सब अब इतने व्यस्त हो गए हैं तो सोशल मीडिया ही वह 'भगवान' है जो एक दूसरे को आपस में मिलाता है। सोशल मीडिया की वजह से ही बहुत-से पुराने मित्र या सगे संबंधी आजकल स्नेह सम्मेलन (गेट टुगेदर) करने लगे हैं। वैसे किसी शायर ने कहा है, कि आपस में प्रेम है, मित्रता है तो रोज मिलना, या रोज बात करना जरूरी नहीं है। पर जब बात हो तो उसमें अपनापन हो और संकट के समय में एक दूसरे की मदद हो। यह सब बातें सोशल मीडिया की वजह से ही संभव हो पाई हैं।

❐ **डॉ. कमल अशोक काबरा,** मलकापुर

रिश्तों में सोश्यल मीडिया की मांग उचित नहीं

आज समय की माँग है कि हम कम समय में ज्यादा लोगों तक अपनी बात पहुँचायें, भले उसके लिए समय-समय पर विभिन्न तरीके क्यों न आजमाना पड़े? आज के दौर में अपने व्यस्त कार्यक्रमों के कारण हर व्यक्ति इतना ज्यादा परेशान है कि वह अपने खुद के भोजन के लिए भी समय निकाल ले तो जैसे पेट पर अहसान कर रहा हो। समय की अति व्यस्तता और पैसे के हद से ज्यादा लालच ने इंसान को अपनों से दूर कर दिया है। हर व्यक्ति एक दूसरे की बराबरी करने या अपनी रईसी जताने, व्यस्तता हो ना हो अपने आपको दुनिया का सबसे काम वाला बताने के चक्कर में परिवार और समाज से दूर होता जा रहा है। वैसे हमारे यहाँ होली, दीपावली, दशहरा इस तरह के गिने चुने त्यौहार ही बचे हैं, जब हम एक दूसरे के घर जाकर बड़ो का आशीर्वाद और अपनों से मेल मिलाप करते थे, मगर आज अति व्यस्तता का बहाना और 'वह नहीं आया तो हम क्यों जाऐ' वाला ईगो इंसान को इंसान से दूर कर रहा है, इसमें कोई शक नहीं है। जहाँ रिश्ते खून के हो और जहां जाना संभव हो वहां तो जरूर जाना ही चाहिए, भले ही सामने वाला आये या ना आये। हमें अपना रिश्ता अपनी तरफ से बनाये रखना ही चाहिए। रही बात यार दोस्तों की तो वहां भले ही हम सोशल मिडिया द्वारा शुभकामनायें भेजे कोई दिक्कत नहीं, मगर रिश्ते हर हाल में निभाने ही चाहिए।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,** सुरेंद्रनगर (गुज.)

व्यक्तिगत सम्पर्क सभी से सम्भव नहीं

हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत ऐसी है कि यहाँ आए दिन विशेष दिवस बने रहते हैं। चाहे वह त्योहार हो, उत्सव हो, जन्म दिवस हो, वैवाहिक वर्षगांठ हो या परिवार में नए सदस्य का आगमन। ऐसे विशेष अवसरों पर यदि संबंधित व्यक्ति हमारे आसपास ही रहता है, तो हम उसे अवश्य व्यक्तिगत रूप से मिलकर शुभकामनाएं प्रेषित कर सकते हैं। परंतु हमेशा ऐसा नहीं होता। भौगोलिक दूरियों की वजह से इस तरह के सभी अवसरों पर प्रत्येक व्यक्ति को जाकर शुभकामनाऐं देना व उपस्थित रहना ना तो संभव है और ना ही उचित। ऐसे में सोशल मीडिया द्वारा प्रेषित शुभकामनाऐं संबंधित व्यक्ति को प्रसन्नता का अनुभव कराती है और उसकी प्रसन्नता भी दोगुनी हो जाती है। विशेष अवसरों पर सीमित व्यक्तियों को ही आमंत्रित भी किया जाता है। अतः सोशल मीडिया द्वारा शुभकामना संदेश प्रेषित करने में कोई बुराई नहीं है। आज सोशल मीडिया के माध्यम से ही सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसी के माध्यम से सूचनाऐं प्रेषित होती है, बधाई व शुभकामनाऐं दी जाती है और इसी के द्वारा अपनों व संबंधियों के संदेश भी प्राप्त होते हैं।

आज सभी के रिश्तेदार, मित्रों व संगठनों का दायरा बहुत बढ़ गया है। ऐसे में सभी से व्यक्तिगत रूप से मिलकर बधाई देना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है। अतः सोशल मीडिया ही एकमात्र माध्यम है, जिसके द्वारा बधाई संदेश देकर हम स्वयं को उनकी खुशियों में सम्मिलित कर सकते हैं। फोन करके ईमेल द्वारा या वीडियो कॉल द्वारा भी शुभकामनाएं प्रेषित की जा सकती हैं। यदि हम किसी भी माध्यम से किसी की खुशियों का एक भाग बन पाए तो इससे बढ़कर सौभाग्य की बात और क्या हो सकती है। यही कारण है कि प्रत्येक विशेष अवसर पर सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की बाढ़ सी आ जाती है और पाने वाला भी स्वयं को आनंदित अनुभूत करता है।

❐ **पल्लवी दरक न्याती,** कोटा (राज.)

सोशल मीडिया से शुभकामना गलत नहीं

पहले के दशक में त्योहारों पर प्रेम माधुर्य से हर दिल झूमता था।विशेष अवसरों पर मेल-मिलाप और पत्रों द्वारा शुभकामनाए संदेश स्नेह की डोर मजबूत करता था। आजकल विशेष अवसरों पर सोशल मीडिया द्वारा शुभकामनाऐ संदेश पर पल भर ही सही, खुशियों का एहसास कराती हैं, जो कि आजकल के भागदौड़ के जीवन में अपनो के संग मीठी मुस्कान सी मिठास घोलती है। माना कि सोशल मीडिया ने पारंपरिक रीति-रिवाज और रस्मों को लुप्त कर दिया है। लेकिन ये भी सच है, सोशल मीडिया ने रीति-रिवाज और रस्मों को नया स्वरूप दिया है। नये-नये आडियास से त्योहारों में उमंग उत्साह का रंग बिखेरा है। दूर हो या पास हों ग्रुप काल में सबने अपनो के संग त्योहारों का आनंद सबने उठाया है। मेल मिलाप का सिलसिला हर युग में अलग अंदाज से गुलाबी रंग की छटा बिखेरता है। कलयुग में व्यस्त दिनचर्या के कारणवश लोग त्योहारों में गेट टु गेदर के रूप में मेल मिलाप करते हैं। त्योहारो का आनंद हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। सोशल मीडिया द्वारा शुभकामनाऐ संदेश प्रेषित करना गलत नहीं है, लेकिन मेलमिलाप से दूरियां बनाना गलत है। क्योंकि त्योहारों का आनंद सब के साथ आता है।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

रामा-श्यामा एक सुंदर विधान

एक समय था जब दिवाली-होली या तीज त्यौहार पर लोग एक दूसरे से मिलकर शुभकामना संदेश देते थे। बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेते थे। अब तकनीक की दुनिया ने जहाँ पूरे विश्व को एक मुट्ठी में लाकर बंद कर दिया है, वहीं पर इसने रिश्तों में दूरियाँ भी बढ़ाई है। इन दिनों त्योहारों की शुभकामना संदेश में मैसेज द्वारा या बहुत जरूरी हो तो फोन पर प्रणाम करके इतिश्री कर लेते हैं। अगर एक ही शहर में नहीं रहते हैं तब तो सोशल मीडिया के माध्यम से बात होना, वीडियो कॉल से एक दूसरे का चेहरा देखना रिश्तो में प्रगाढ़ता लाता है। लेकिन परिवार यदि एक ही शहर में हो तो रामा-श्यामा जैसे सुंदर विधान को समाप्त करना सही नहीं है। मिलने से नई पीढ़ी के बच्चे भी परिवार और उनके मूल्य को समझेंगे। कम से कम जो दो-तीन बड़े त्यौहार हैं, उसमें तो मिलकर प्रणाम और अभिवादन करना चाहिए।

जब पाँव छूकर करते प्रणाम, और चखते व्यंजनों का स्वाद। तब चेहरा खिल खिल जाता है, और मन में भर जाता आह्लाद।

❐ **शशि लाहोटी,** कोलकाता

विशेष परिस्थिति में ही यह उचित

विशेष अवसर अपने आप में एक विशेष पहचान रखते हैं और इन अवसरों पर अपनों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर आशीर्वाद और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करना अपने आप में एक विशेष महत्व रखता है। वर्तमान युग तकनीकीकरण का युग है परंतु हमें इस तकनीकीकरण की तकनीक में अपने संस्कारों को नहीं नकारना चाहिए। जैसा कि हमारे संस्कारों के अनुसार अपनों से मिलकर आशीर्वाद और शुभकामनाएं लेना-देना अपने आप में विशेष महत्व रखता है, तो मेरे विचार में विशेष अवसरों पर तो सोशल मीडिया द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करना उचित प्रतीत नहीं होता। परंतु यदि दूरियां अधिक हैं या मिलना संभव नहीं है तो अपवाद स्वरूप ही इस माध्यम को स्वीकारा जा सकता है। अन्यथा अपनों से मिलने पर तो लगाव बढ़ता ही है ना कि इसका कोई विपरीत प्रभाव होता है।

❐ **ममता लाखणी,** नापासर

खुश रहें - खुश रखें

बीमारियां किसी को भी हो सकती हैं, सेहत ठीक नहीं होने पर भी निराश नहीं होना चाहिए

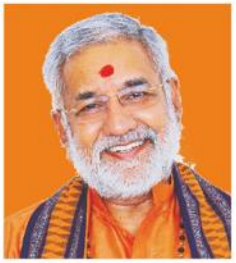

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - बेलूर मठ में एक दिन सुबह-सुबह जब स्वामी विवेकानंद जी उठे तो उन्होंने करीब तीन घंटे ध्यान किया। ध्यान करने के बाद मठ में रह रहे छात्रों को बुलाया। यजुर्वेद, योग, समाधि आदि विषयों की जानकारी दी और प्रश्नोत्तर किए।

स्वामी जी ने सभी से कहा- 'आप जो भी कुछ पूछना चाहते हैं, आज पूछ सकते हैं।'

सभी ने विचार किया कि हमें एक वैदिक कॉलेज खोलना चाहिए। बातें चलती रहीं और फिर शाम हो गई। तब स्वामीजी बोले- 'अब मैं एकांत में जा रहा हूं, ध्यान करूंगा। मुझे कोई भी व्यवधान न पहुंचाए। आप सभी इस बात का ध्यान रखना।'

उस रात करीब 9.20 बजे स्वामी विवेकानंदजी ने महासमाधि ले ली। मठ के सभी लोग जानते थे कि स्वामी जी को इन दिनों इनसोमनिया (नींद की बीमारी), डायबिटीज, अस्थमा जैसी बीमारियां हो गई हैं। ये बीमारियां लगातार परिश्रम करने से स्वामी जी को हो गई थीं। स्वामीजी शरीर से बीमार हो गए थे, लेकिन वे मन से स्वस्थ और जागरुक थे।

स्वामी ने शरीर से खूब काम किया और आत्मा पर उससे अधिक काम किया। 40 वर्ष की आयु में स्वामी जी जान गए थे कि आज मेरा अंतिम दिन है। उन्होंने अपनी मृत्यु की तैयारियां स्वयं की थीं। उनके जाने के बाद शिष्यों ने विचार किया कि सुबह स्वामीजी योग और समाधि की चर्चा कर रहे थे और रात में ऐसी घटना घट जाएगी, ये किसी ने नहीं सोचा था। यही महापुरुषों की विशेषता है कि वे जाने से पहले समझा जाते हैं कि शरीर की बीमारियां वंशानुगत हो सकती है, कुछ प्रारब्ध से मिलती हैं, कुछ हमारी जीवन शैली की वजह से हो जाती हैं, लेकिन अंतिम समय की तैयारी हम अपने तप और योग साधना से कर सकते हैं। ये हमारे हाथ में होता है।

सीख - जब सेहत ठीक न हो तब भी निराश नहीं होना चाहिए। योग साधना और तप करते रहेंगे तो जीवन के अंतिम दिनों में मन विचलित नहीं होगा।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

बची हुई मिठाइयों का सिजलर

सामग्रीः दिवाली की बची हुई मिठाइया, दूध एक कप, भुने हुए बादाम काजू की कतरन स्वादानुसार, कुछ टूटी फ्रूटी (ऐच्छिक), सिजलर पॅन, केले का पत्ता

विधिः एक गैस पर सिजलर पॅन गर्म होने रखें। दूसरे गैस पर नॉन स्टिक कढ़ाई रखकर उसमें दूध गर्म होने रखें। काजू कतली अगर कड़क हो गई हो तो उसे किसनी से किस ले।

खोये मिठाई को हाथ से स्मैश कर ले। यह दोनों चीज उबलते हुए दूध में डालकर एक समान हिलाते रहे। जब तक की वह गाढ़ी ना हो जाए। यह आपकी रबड़ी तैयार हो गई है। पैन गर्म होने पर उसके अंदर केले का पत्ता रखकर उसके ऊपर जो भी मिठाइयां आपके पास वह रख दीजिए। ऊपर से गरमागरम रबारी डालकर स्वीट सिजलर पेश कीजिए ।

दिवाली पर बची हुई मिठाइयों की पेस्ट्री

सामग्रीः बची हुई मिठाई में काजू कतली और खोवे (मावे) की मिठाई, आधा लीटर दूध, दो टेबल स्पून कस्टर्ड पाउडर, काजू बादाम की कतरन स्वादानुसार और मिल्की टोस्ट, सूगर सिरप (गुलाब जामुन की चाशनी भी चलेंगी)

विधिः एक पैन में दूध गर्म होने रखें और थोड़े दूध में कस्टर्ड पाउडर मिला ले जब दूध में उबाल आ जाए तब उसमें बारीक किए हुए काजू कतली और मावे की मिठाई का चूरा मिलाकर अच्छे से घोटत रहे जब तक कि यहां रबड़ी एकदम गाढ़ी ना हो जाए आप एक चौकोर ट्रेन में मिल्क टोस्ट रखियेगा, इसके ऊपर चम्मच से सूगर सिरप डालिएगा फिर ठंडी की हुई रबड़ी डालकर चारों तरफ से अच्छे से कवर कर लीजिए। इसके ऊपर फिर से मिल्क टोस्ट रखकर उसके ऊपर सूगर सिरप डालकर चारों तरफ से रबड़ी से कवर लीजिए सबसे ऊपर में बादाम काजू के कतरन या चेरी - पायनापल से सजाकर इस मिठाई को चार-पांच घंटे के लिए सेट होने फ्रिज में रख दीजिए। आपकी पेस्ट्री बनकर सर्विंग के लिए तैयार हो गई।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

ससुराल बहुओं रो सपनों या सपनों रो श्मशान

खम्मा घणी सा हुकुम आजकल लड़कियां ससुराल में क्यों रेवणी पसंद नहीं करें..? इण सवाल रो जवाब ढूंढण वास्ते आपाने उण रहस्यमयी जगह रो दरवाजा खटखटाणो पड़ेला, जिन्हें आपा 'ससुराल' केहवो। ब्याह पहली तो लड़की ने लागै ससुराल में ससुर पिता जेहड़ो व्है, सासु माँ होवै, ननद बहन जेड़ी व्है एवं पति सदैव साथ देवण वालो हुवै पर ओ सपनों रो महल ताश रे पत्तों ज्यूँ जल्दी ही ढह जा एवं अधिकांश लड़कियों रे वास्ते ससुराल सपनों रो कबाड़खानों बण जा। एक एड़ी जगह जठै 'आदर्श बहू' बणन री प्रतियोगिता हर रोज हुवै। शादी सूं पेहला हर लड़की ने बतायों जावें कि 'ससुराल थारो दूसरों घर है।' अब इण वाक्य में सबसूं बड़ा धोखो ही या है – 'दूसरा घर!' हुकुम 'दूसरा घर' केवने तो अपणों हुवें, लेकिन जण वठे पहुंचो तो पता चले कि यों तो कोई किराए रो घर है, जठे आप खुद ने हर दिन साबित करण वास्ते 'नोटिस पीरियड' पर रेवणों पड़ें ।

सुबह हुवते ही, एक अदृश्य अलार्म बजे – 'उठो बहू, सास री नजरा थारे सोने रो टाइम नोट कर री हैं!' ससुराल में सोवण और उठण रो कोई अधिकार नहीं हुवें, और अगर कणेई आप आधो घण्टों भी ज़्यादा सो गी, तो सासू माँ रे चेहरे पर ऐड़ा भाव हूँ जावें, मानो आप देश री जीडीपी गिरावण री ज़िम्मेदार हों।

रसोई में जाने तो और भी बड़ा 'तजुर्बा' हुवें। अठे हर चीज़ रा गहरा वैज्ञानिक विश्लेषण हुवें। नमक अगर थोड़ो सो भी ज़्यादा पड़ जावें तो तुरंत तुलना हूँ जावें, 'म्हे तो कदैई एड़ों जहर जेड़ों खाणो नहीं बणायो!'

ससुराल में सबसूं दिलचस्प किस्सों जण बणे जब कोई रिश्तेदार मिलने आवें। आपसूं उम्मीद की जावें कि आप एकदम 'पावरबैंक' री तरह काम करें। मुस्कुराता हुवा सबरी सेवा करो, चाहे आपरी अंदरूनी बैटरी कब री खत्म हूँ चुकी हो। रिश्तेदारों रे सामने आपरो फर्ज बणे कि आप 'आदर्श बहू' री भूमिका निभाओ, भले ही अंदर सूं आप खुद ने पंखे में झूलता महसूस करों।

हुकुम सबसूं ज्यादा मज़ो जण आवें जब 'मायके' रो जिक्र हुवें। 'आपने मायके री याद नहीं आवें?' यो सवाल यूँ कियो जावे मानो आप मायके री कोई गद्दार हों, अगर हां कह दियों तो ससुराल में आपरी जगह खतरे में, और ना कह दियो तो मायके में फोन रे ज़रिए इमोशनल ब्लैकमेल चालू!

अब बात करां ससुराल रे त्यौहारों री। मायके में त्योहारों रो मतलब खुशी, खूब खाणो और मस्ती। लेकिन ससुराल में, त्यौहार रो मतलब – 'आपरी परीक्षा रो दिन।' यों दिन हुवें सास, ननद और जेठानी रे सामने खुद ने परफेक्ट साबित करण रों, जठे हर रस्म रे साथ बहू रो माइक्रोस्कोपिक विश्लेषण हुवें। कठैई कोई गलती हूगी तो उने बाद री बहस दिवाली री रोशनी सूं भी ज्यादा चमकदार हुवें!

तो कुल मिलाकर, लड़कियां ससुराल में क्यों नहीं रेहवणी पसन्द करें? क्योंकि ससुराल वा जगह है जठे सपनों रो 'समायोजन' रो नाम देने ऊनी भावनाओं ने कुचल दियों जावें, और हर दिन एक नयों 'परीक्षा पत्र' सामने रख दियों जावें जठे 'आदर्श बहू' बणन रो अदृश्य प्रमाणपत्र देवणो पड़ें।

हुकुम पत्नी आपरे पति सूं सबसूं ज्यादा उम्मीद राखे पर पति भी आधे सूं ऊपर मदर फ़िक्शेसन रा शिकार है। घर-घर परिवेदना बढ़ण रो ओ भी एक कारण है। नारी कित्ती परीक्षा देवे। रोज री चिक चिक, टोका टाकी जो घड़ी रे अलार्म ज्यूँ... रुके ही कोनी। हुकुम आ हर आम लड़की री कहानी है।

हुकुम लड़कियों रे ससुराल में रेवण रे प्रति खत्म हुवती भावना एक जटिल सामाजिक और पारिवारिक समस्या बणगी है, जिनो समाधान केवल भावनात्मक समर्थन, समझदारी और सहयोग रे माध्यम सूं ही कियो जा सकें। ससुराल और बहू रे बीच पारस्परिक सम्मान और संवाद ही वा कड़ी है, जो इण समस्या रो हल निकाल सकें। यदि दोनों पक्ष एक-दूसरे री भावनाओं और जरूरतों ने समझेंला, तो ही या रिश्ता मजबूत हुवेला, और एक सुखद और खुशहाल स्थान बण सकेला।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- इश्क के हर इक फसाने में बिखर जाऊंगी,
  मै तो चाहत हूं अब और निखर जाऊंगी।
- उसने मांगा था मुझे हर एक दुआ में ऐसे,
  उसके दर पर न झुकी तो मै किधर जाऊंगी।
- इतनी शिद्दत से मेरे नाज़ उठाता वो गया,
  उसी की खातिर चलो अब मै सुधर जाऊंगी।
- उसकी हर एक राह मेरी तरफ मुड़ती है,
  वो वहीं मुझको मिलेगा मै जिधर जाऊंगी।
- उससे कह दो के मुझे और न आजमाए वो,
  वो जो मुकरा तो मै हद से गुजर जाऊंगी।
- ज़माने भर की तारीफें बेअसर है मुझ पर,
  उसने जो प्यार से देखा तो सँवर जाऊंगी।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए कॅरियर एवं कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना सुखद रहने वाला है। धन के नए स्त्रोत मिलेंगे। किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापारी वर्ग को व्यापार में उन्नति मिलेगी। विशेष कर व्यापारी वर्ग अपने प्रतिद्वंदियों पर अच्छी पकड़ बनाकर रखेंगे। 15 नवंबर के पश्चात आर्थिक लाभ होगा। 15 नवंबर के पूर्व आपका कोई गलत निर्णय आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से नींद ना आना, बेचैनी, पाचन से संबंधित समस्याएं हो सकती है। अतः आपको सलाह दी जाती है कि पर्याप्त नींद निकालें, व्यायाम करें, अपने शरीर का ध्यान रखें एवं बाहर का खाना खाने से बचें। संबंधों की दृष्टि से यह महीना अनुकूल रहेगा, जिन जातकों के विवाह अभी नहीं हुए हैं उनके योग बन सकते हैं।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों को इस महीने माता जी के स्वास्थ्य की चिंता, जमीन जायदाद से संबंधित प्रकरणों की चिंता हो सकती है। परिवार के ऊपर धन खर्च करना पड़ सकता है। अब अप्रत्याशित रूप से आर्थिक लाभ भी हो सकता है। लेनदेन के मामले में आपको सजग रहना चाहिए। स्वास्थ्य की दृष्टि से पीठ एवं पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है। एलर्जी के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों से भी आप परेशान हो सकते हैं, इससे सजग रहें। दांपत्य जीवन एवं अपने जीवनसाथी का विशेष ध्यान रखें। वाणी पर संयम रखें। एक दूसरे को समझने की कोशिश करें। जिन जातकों का विवाह अभी नहीं हुआ है और तलाश जारी है, उन्हें अभी सफलता की संभावना कम है। परिवार में वाद-विवाद या मतभेद की संभावना है।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना औसत परिणाम लेकर आ रहा है ना अधिक सफलता, ना असफलता दोनों का समावेश रहेगा। माताजी के स्वास्थ्य पर धन व्यय करना पड़ सकता है, माता से मतभेद संभव है। पारिवारिक खर्च बढ़ेंगे। कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप आत्मविश्वास से भरकर अपना कार्य करेंगे एवं कार्य में बढ़ोतरी करेंगे, जो जातक नौकरी पैशा है वह भी अपने पेंडिंग कार्यों को बहुत सफलतापूर्वक निपटा लेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना विशेष सजग रहने का है, छोटी-मोटी बीमारियों से आप परेशान हो सकते हैं।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह महीना साहसिक निर्णय से भरा रहेगा, जिन कामों को करने से डर रहे हैं, उन कामों में सफलता मिलेगी। पुराने वाद-विवाद हल होंगे, समस्याओं का हल निकलेगा। दूसरे सप्ताह तक कोई विशेष अंतर नहीं आएगा किंतु तीसरे सप्ताह के प्रारंभ से ही आप अपनी कार्य शैली में एक अनूठा बदलाव महसूस करेंगे एवं अच्छा परफॉर्मेंस देंगे। इस महीने आपके बैंक बैलेंस का ग्राफ ऊपर की ओर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। महीने के दो सप्ताह तक अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, इसके पश्चात आप अपने आपको ऊर्जावान महसूस करेंगे। संबंधों के जगत में अनुकूलता रहेगी। दांपत्य सुख उत्तम है। दांपत्य जीवन एवं पारिवारिक वातावरण सुखमय रहेगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह समय बहुत संभल कर चलने का है। अधिक से अधिक समय अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए लगाएं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें एवं वाणी पर संयम रखें। परिवार में एवं जीवनसाथी से मनमुटाव संभावित है। कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव आ सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में आपको गलत समझा जा सकता है। मिसअंडरस्टैंडिंग हो सकती है, इसके प्रति सजग रहे। खर्च तेजी से बढ़ सकते हैं। लोन लेने की स्थिति भी बन सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातक इस महीने अपने सहयोगियों, बिजनेस पार्टनर्स, जीवनसाथी इन सब के प्रति अच्छा बर्ताव रखें। आपके विचारों में धुंध सी छाई हुई रहेगी, जिसके कारण आप अपने सहयोगियों, जीवन साथियों के निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखेंगे, इस आदत से बचने की कोशिश करें। तीर्थ यात्रा के योग बन सकते हैं। घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं, लंबी दूरी की यात्राएं संभावित है। नौकरी पेशा जातक अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके कार्य को सम्मानित किया जाएगा। व्यापारी वर्ग भी अपने व्यापार की बढ़ोतरी में सफल होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना औसत कहलाएगा। दांपत्य जीवन की दृष्टि से शुरुआती 2 हफ्ते सामान्य रहेंगे, इसके पश्चात संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

तुला

तुला राशि के जातक इस महीने अपने शत्रुओ या शत्रुता का भाव रखने वाले लोगों पर अपनी विजय हासिल करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देंगे। पारिवारिक विरासत के रूप में मिलने वाली संपत्ति आपको प्राप्त हो सकती है। अप्रत्याशित रूप से धन लाभ संभावित है। अध्यात्म के प्रति रूझान बढ़ेगा, संतान संबंधी चिंता रहेगी। कार्यक्षेत्र की दृष्टि से अनुकूलता रहेगी। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। पाचन संबंधी, आंखों में एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। दांपत्य जीवन तनाव पूर्ण हो सकता है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह महीना आध्यात्मिक रुझान को बढ़ाने वाला साबित होगा। यदि आप कोई साधना कर रहे हैं तो यह बहुत अनुकूल समय है। कॅरियर की दृष्टि से यह महीना कुछ चुनौती पूर्ण रहेगा। यह महीना कुछ परेशानियां उत्पन्न कर सकता है, वर्कलोड अधिक रहेगा। व्यापारी वर्ग को भी व्यापार- व्यवसाय में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। पारिवारिक जीवन प्रेमपूर्ण एवं सौजन्य पूर्ण रहेगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना अत्यंत अनुकूल रहने वाला है। नौकरी व्यवसाय में आपको प्रमोशन मिल सकता है। इच्छित स्थान परिवर्तन हो सकता है। व्यापार में लाभ होगा। आपके प्रयासों को उसी अनुपात में सफलता मिलेगी। आपके कार्य की सराहना एवं प्रशंसा की जाएगी। संकल्प शक्ति की वृद्धि होगी एवं एक नई ऊर्जा आप महसूस करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, दांपत्य जीवन सामान्य रहेगा।

मकर

मकर राशि के जातकों को सलाह दी जाती है कि समाज में एवं अपने कार्य क्षेत्र में वाणी पर संयम रखें एवं अनावश्यक स्टेटमेंट देने से बचें। काम का दबाव अधिक रहेगा जिससे आप परेशान होकर कुछ गलतियां कर सकते हैं, उनके प्रति सजग रहें। अपने वरिष्ठ लोगों से संतुलित व्यवहार रखें, इनसे वाद-विवाद संभावित है। अध्यात्म के प्रति रुझान बढ़ा हुआ रहेगा। व्यापारी वर्ग को उनके प्रतिद्वंदियों से कड़ी टक्कर मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद एवं मधुर रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों को इस महीने अत्यंत सजग रहने की आवश्यकता है। अनावश्यक वाद-विवाद, लड़ाई-झगड़ा, परिवार में मतभेद इन स्थितियों से बचने की कोशिश करें। आर्थिक रूप से निवेश न करें, कोई बड़ा कर्ज लेने से बचें। नया कार्य करने के पहले उसकी पूरी प्लानिंग को समझें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें एवं आध्यात्मिक जीवन जीने का प्रयास करें। परिवार के लोगों के विचारों को अवश्य सुनें।

मीन

मीन राशि के जातकों का इस महीने में स्थान परिवर्तन योग है और आपकी परीक्षा की घड़ी भी है। जीवन के हर पहलू में आपको बहुत बुद्धिमत्ता से काम लेना है एवं अपने कार्य क्षेत्र, परिवार, व्यापार-व्यवसाय सब जगह बहुत संयमित आचरण करना है, साथ ही अपने स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। मनमुटाव की संभावनाएं ज्यादा रहेंगे।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 November, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com